शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 334 | गुवाहाटी | सोमवार, 3 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

नाबालिग से रेप व हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार, गुस्साए लोगों ने घेरा थाना पेज 3
इसरो के मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम को नौसेना ने दिया पहला प्रशिक्षण पेज 4
मुख्यमंत्री योगी करेंगे गोरखनाथ व एम्स थानों का लोकार्पण पेज 5
दरबार साहिब लंगर की जूठन व सूखी रोटियों में एक करोड़ का घोटाला पेज 8

मणिपुर : गोलीबारी में दो ग्रामीण स्वयंसेवकों की मौत

सीएम बीरेन सिंह ने लिया जमीनी हालात का जायजा

इंफाल। मणिपुर में हिंसा का दौर जारी है। राज्य में गोलीबारी की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। इसी बीच, मणिपुर के विष्णुपुर जिले में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों के साथ गोलीबारी में दो *ग्रामीण स्वयंसेवकों* की मौत हो गई। इस बीच, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को बिष्णुपुर-चुराचांदपुर से सटे पहाड़ियों पर जमीनी हालात का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ सुरक्षाकर्मी और अधिकारी भी मौजूद रहे। हिंसाग्रस्त राज्य के हालत पिछले दो महीने से खराब है और अभी तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह घटना रविवार तड़के खोइजुमंतबी गांव में हुई, जब गांव के स्वयंसेवक एक अस्थायी बंकर में इलाके की रखवाली कर रहे थे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इससे पहले मणिपुर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए एक बार फिर से इंटरनेट सेवाओं पर लगे प्रतिबंध को बढ़ा दिया गया था। राज्य में पांच जुलाई की दोपहर 3 बजे तक इंटरनेट सेवाओं पर रोक को बढ़ाया गया था। बता दें कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच लगभग दो महीने से हिंसा भड़की हुई है। जिसकी वजह -शेष पृष्ठ दो पर

शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बने अजीत पवार

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार को शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) टूटने के साथ ही अचानक बड़ा उलटफेर हो गया। एनसीपी नेता अजीत पवार ने एक बैठक बुलाकर शिंदे सरकार में शामिल होने का फैसला लिया और अपने समर्थक विधायकों के साथ राजभवन पहुंच गए। आनन-फानन में शपथ ग्रहण आयोजित करके अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री समेत अन्य 8 एनसीपी नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिला दी गई। एनसीपी नेता अजीत पवार ने दावा किया है कि पार्टी के 36 विधायकों ने शिंदे सरकार को समर्थन दिया है। राजभवन में सादे समारोह में राज्यपाल रमेश बैस ने राकांपा नेता अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद -शेष पृष्ठ दो पर

जनता देगी जवाब, मैं पार्टी फिर से खड़ी करके दिखाऊंगा : शरद पवार

मुंबई। अजित पवार की बगावत पर शरद पवार ने भी मीडिया से बात की। इस बातचीत में शरद पवार ने साफ किया कि सरकार में शामिल होने का फैसला अजित पवार का है और किसी ने भी उनसे इस बारे में बात नहीं की। पवार ने ये भी कहा कि वह जनता के बीच जाएंगे और उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं पर पूरा भरोसा है। शरद पवार ने ये भी कहा कि जो लोग मंत्री बने हैं, उनके चेहरों पर चिंता साफ दिखी और -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में फिर फटा पानी का पाइपलाइन

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के शिलपुखुरी में रविवार सुबह वाटर सप्लाई पाइप लाइन के फट जाने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पानी का ऊंचा फब्बारा छूटने लगा। आसपास का क्षेत्र जलमग्न हो गया, लेकिन सुबह का वक्त होने के कारण वहां कोई मौजूद नहीं था। इसलिए किसी की जान नहीं गई। इससे पहले राजगढ़ रोड पर 23 जून को इसी प्रकार पानी का पाइपलाइन फट जाने की वजह से काफी तबाही मची थी। वहीं, 12 जून को खारघुली इलाके में इसी पानी का पाइपलाइन फट जाने की वजह से एक महिला की मौत हो गई। इस घटना में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 11 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन की जब्त, तीन ड्रग तस्कर भी गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और कामरूप जिला पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में लगभग 11 करोड़ रुपए मूल्य की बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद और जब्त की है। एसटीएफ के डीआइजी पार्थ सारथी महंत ने एएनआई को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कामरूप जिला पुलिस ने शनिवार देर रात (1 जुलाई) एक अभियान चलाया था। ऑपरेशन के दौरान एक वाहन से 700 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। इसके अलावा पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। बता दें, जब्त की गई दवाओं की बाजार कीमत करीब 11 करोड़ रुपए आंकी गई है। आगे की जांच जारी है। कामरूप जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण पाठक ने गुप्त सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया। उन्हें सूचना मिली थी कि तीन कूरियर -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल केশরী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बिहार में भी बन सकती है महाराष्ट्र जैसी स्थिति : सुशील मोदी

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने कहा कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी में विद्रोह विपक्षी एकता की पटना बैठक का परिणाम है, जिसमें राहुल गांधी को प्रोजेक्ट करने की जमीन तैयार की जा रही थी। मोदी ने कहा कि बिहार में भी महाराष्ट्र-जैसी स्थिति बन सकती है, इसे भांपकर नीतीश कुमार ने विधायकों से अलग-अलग (वन-टू-वन) बात करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि जदयू के विधायक-सांसद न राहुल -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर मामले में भाजपा नेता दखल न दें : चिदंबरम

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मणिपुर की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि राज्य में स्थिति 7 से 10 दिनों के भीतर सुधर जाएगी। इस बयान पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम ने रविवार को पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नेता मणिपुर में *अपनी नाक नहीं घुसाएंगे* और दूर रहें तो इससे मदद मिलेगी। पूर्व गृह मंत्री ने यह भी कहा कि अगर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह सीएम पद से इस्तीफा दे दें और पूर्वोत्तर राज्य में कुछ महीनों के लिए राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाए तो इससे मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि शर्मा ने शनिवार को कहा था कि पड़ोसी राज्य मणिपुर में स्थिति 7-10 दिनों के भीतर सुधर जाएगी, राज्य और केंद्र सरकारें शांति बहाल करने के लिए *चुपचाप* काम कर रही हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा था और आरोप लगाया था कि विपक्षी दल तब अपनी चिंता दिखा रहा है जब पूर्वोत्तर राज्य में अपेक्षाकृत शांति आ गई है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच 3 मई को पहली बार शुरू हुई झड़प के बाद से जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। एक ट्वीट में चिदंबरम ने कहा कि असम के सीएम ने वादा किया है कि एक हफ्ते में मणिपुर में शांति लौट आएगी। इससे मदद मिलेगी अगर वह मणिपुर के संघर्ष में अपनी नाक न घुसाए और दूर रहे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर बीरेन सिंह सीएम पद से इस्तीफा दें और कुछ महीनों के लिए राष्ट्रपति शासन लगा दें तो भी सही रहेगा। शनिवार को डिब्रूगढ़ में एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बात करते हुए, भाजपा के नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर तनाव के बीच रक्षा सचिव ने किया म्यांमार दौरा

इंफाल। मणिपुर में जारी तनाव के बीच, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने, अवैध सीमा पार आंदोलनों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ नेतृत्व से मिलने के लिए म्यांमार की दो दिवसीय यात्रा की। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस यात्रा ने म्यांमार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ भारत की सुरक्षा से संबंधित मामलों को उठाने का अवसर प्रदान किया। दोनों पक्षों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि उनके संबंधित क्षेत्रों का उपयोग शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अपनी यात्रा के दौरान अरामाने ने प्यी ताव में राज्य प्रशासनिक परिषद के -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मोदी सरकार ने पिछड़ा समाज को दी संवैधानिक मान्यता : अमित शाह

लखनऊ (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि आजादी के बाद कभी भी किसी ने पिछड़ा समाज को संवैधानिक मान्यता नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग गठित कर पिछड़ा समाज को संवैधानिक मान्यता दी है। राजधानी लखनऊ के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद भजपा के नेतृत्व में एनडीए का मंत्रिमंडल है, जिसमें सबसे ज्यादा 27 केंद्रीय मंत्री पिछड़े समाज से हैं। सबसे ज्यादा दलित और पिछड़ा समाज के सांसद चुनकर मोदी के नेतृत्व में आये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़ी समाज के लोगों को आरक्षण देने का काम किया है। ओबीसी बच्चों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसा भेजने का काम नरेंद्र मोदी सरकार ने किया है। सुहेलदेव राजभर के नाम पर विश्वविद्यालय और सोने लाल -शेष पृष्ठ दो पर

मानसून सत्र के लिए राष्ट्रपति ने 20 से बुलाई रास की बैठक

नई दिल्ली। संसद के आगामी मानसून सत्र के लिए राज्यसभा की बैठक 20 जुलाई से 11 अगस्त तक होगी। उच्च सदन सचिवालय ने इसकी जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के मानसून सत्र के लिए 20 जुलाई से राज्य सभा की बैठक बुलाई है। निर्धारित विधायी कामकाज को देखते हुए मानसून सत्र 11 अगस्त को संपन्न होगा। इससे पहले शनिवार को संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने घोषणा की -शेष पृष्ठ दो पर

पेरिस में दंगाइयों ने मेयर के घर घुसाई कार, पत्नी और बच्चा घायल

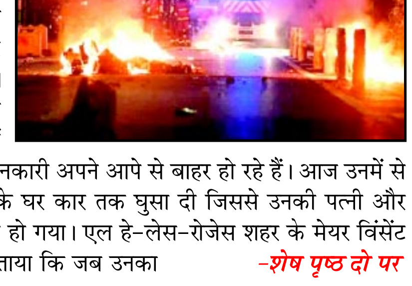

पेरिस। फ्रांस में एक किशोर की पुलिसकर्मी द्वारा हत्या के बाद से फैली हिंसा में अब तक सैकड़ों लोग मारे जा चुके है। इस बीच प्रदर्शनकारी और हिंसक होते जा रहे हैं। पांचवें दिन भी हिंसा की आग थमने का नाम नहीं ले रही है। फ्रांस में प्रदर्शनकारी अपने आपे से बाहर हो रहे हैं। आज उनमें से कुछ ने पेरिस के मेयर के घर कार तक घुसा दी जिससे उनकी पत्नी और उनका एक बच्चा घायल हो गया। एल हे-लेस-रोजेस शहर के मेयर विंसेंट जीनब्रून ने ट्वीट कर बताया कि जब उनका -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
पहले निश्चय करिए, फिर कार्य आरंभ करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

उपराष्ट्रपति कल आएंगे असम

नई दिल्ली/गुवाहाटी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 4 जुलाई (मंगलवार) को असम का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के एक बयान में रविवार को कहा गया कि उपराष्ट्रपति अपनी असम यात्रा के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के 25वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। वह आईआईटी गुवाहाटी के छात्रों से भी बातचीत करेंगे। धनखड़ गुवाहाटी पहुंचने पर कामाख्या मंदिर भी जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे। आईआईटी गुवाहाटी ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में दुनिया के शीर्ष 25 प्रतिशत संस्थानों की सूची में स्थान हासिल -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तर भारत के कैदियों को मिलेगी कालापानी की सजा

नई दिल्ली। उत्तर भारत की जेलों में बंद 10-12 कुख्यात गैंगस्टरों को अंडमान निकोबार की कालापानी वाली जेल में शिफ्ट किया जा सकता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने ये मांग गृह मंत्रालय के सामने रखी है। इस मामले पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों की गृह मंत्रालय से विस्तार से चर्चा हो चुकी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने गृह मंत्रालय को कहा है कि अंडमान जेल में कुछ शातिर, संवेदनशील कैदियों और गैंगस्टरों को शिफ्ट किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि अंडमान निकोबार में कैद की सजा को काफी सख्त और कठोर माना जाता है। पूराने समय में अंडमान निकोबार की इस जेल को काला पानी की सजा भी कहा जाता था,

क्योंकि ये बेहद ही कठोर हुआ करती थी। बता दें कि अंडमान निकोबार में जिन कैदियों को कैद किया जाता था, वो सजा काफी सख्त मानी जाती थी। वहीं सूत्रों का कहना है कि एनआईए ने दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की जेलों में बंद गैंगस्टरों को अंडमान की जेल में भेजना चाहती थी। यहां जेल में बंद रहकर कई गैंगस्टर क्राइम सिंडिकेट चला रहे है। ऐसे में एनआईए चाहती है कि इन सबी गैंगस्टरों का नेटवर्क ध्वस्त किया जाए और उनके काले कारनामों पर रोक लगाई जाए। यानी जेल से चल रहे सिंडिकेट कमजोर होंगे और बदमाशों के गुर्गों का मनोबल भी इससे कमजोर होगा। अंडमान की जेल के अलावा असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल -शेष पृष्ठ दो पर

कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज आज मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे पीएम

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व की कई दौर की बैठकों के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावना को लेकर जारी चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक सोमवार को यहां के प्रगति मैदान में नवनिर्मित सम्मेलन कक्ष में होने की उम्मीद है, जो सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

बंगाल : टीएमसी कार्यकर्ता के सिर में मारी गाली, कई अन्य घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को होने वाले पंचायत चुनावों से पहले हुई हिंसक झड़पों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई और सत्तारूढ़ पार्टी तथा विपक्षी दलों के कई कार्यकर्ता घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की पहचान जियारुल मुल्ला (52) के रूप में हुई है, जिसे शनिवार रात घर लौटते वक्त दक्षिण 24 परगना जिले के फुलमलांचा इलाके में गोली मार दी गई। जियारुल को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के एक स्थानीय नेता ने दावा किया कि मुल्ला, तृणमूल कांग्रेस नेता अमरुल लस्कर का करीबी सहयोगी था, जो सत्तारूढ़ दल के अंदर बगावत का सामना कर रहे हैं। कथाल्बेरिया ग्राम पंचायत से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार, मानवरा ने आरोप लगाया कि उसके पिता (जियारुल) ने एक विरोधी गुट से अक्सर धमकी मिलने की पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन कानून प्रवर्तकों ने कोई कार्रवाई नहीं की। मानवरा ने संवाददाताओं से कहा कि मैं पहली बार चुनाव लड़ रही हूं। मेरी उम्मीदवारी को पार्टी के दूसरे गुट द्वारा भी पसंद नहीं किया जा रहा है। मैं घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग करती हूं। तृणमूल के स्थानीय विधायक सौकत मुल्ला ने कहा कि पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए और घटना के लिए चाहे जो भी जिम्मेदार हो, उसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस के मुताबिक, पंचायत चुनावों के लिए नौ जून को नामांकन दाखिल करना शुरू होने के बाद से झड़पों में राज्य में अब तक 10 लोगों की जान जा चुकी है। पुलिस ने बताया कि इस बीच, रविवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और आईएसएफ के समर्थकों की तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ हुई हिंसक झड़पों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। घटना चंद्रकोना के कृष्णापुर इलाके में हुई, जहां रविवार सुबह तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे लगाने की कोशिश की और विपक्षी दलों से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। हालांकि, पुलिस ने झड़पों के बाद हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या नहीं बताई है।

भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग का काम 70 प्रतिशत हुआ पूरा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि महत्वाकांक्षी भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग पर लगभग 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। भारत, थाईलैंड और म्यांमार लगभग 1,400 किलोमीटर लंबे राजमार्ग बनाने का काम जारी है। भारत, थाईलैंड और म्यांमार राजमार्ग देश को जमीन के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ेगा और तीनों देशों के बीच व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देगा। यह राजमार्ग भारत के मणिपुर में मोरेह को म्यांमार के रास्ते थाईलैंड में माई सोट से जोड़ेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने परियोजना की प्रगति पर एक सवाल के जवाब में बताया कि परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। हालांकि, मंत्री ने त्रिपक्षीय राजमार्ग के पूरा होने और संचालन की समयसीमा के बारे में विवरण नहीं दिया। रणनीतिक राजमार्ग परियोजना में देरी हुई है। पहले सरकार का लक्ष्य दिसंबर 2019 तक हाईवे को चालू करने का था। यह त्रिदेशीय हाईवे कोलकाता से शुरू होकर उत्तर में सिलीगुड़ी जाएगा। यहां से कूचबिहार होते हुए श्रीरामपुर सीमा के रास्ते असम में प्रवेश करेगा। इसके बाद, दीमापुर से नगालैंड में प्रवेश करेगा और मणिपुर के इंफाल के पास मोरेह से म्यांमार में प्रवेश करेगा। अंत में म्यांमार के मांडले, नैप्यीडॉ, बागो, यंगून और म्यावाडी शहरों से होते हुए मॅई सॉट के माध्यम से थाईलैंड में प्रवेश करेगा।

पैसों के लालच में दोस्त की हत्या

बंगाईगांव (हिंस)। जिले में जोगीघोपा में एक युवक ने पैसों की लालच में अपने दोस्त की हत्या कर दी। उसका शव 1 जुलाई को बंगाईगांव के बरघोला-काहिबारी में आई नदी के पुल के पास मिला था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया है कि गत 30 जून को दो दोस्त साहिनुर इस्लाम और नौशाद अली नई गाड़ी खरीदने के लिए निकले थे। उस दिन से दोनों लापता थे। बाद में 1 जुलाई को नौशाद का शव बंगाईगांव के बरघोला-काहिबारी में आई नदी के पुल के पास मिला था। शव मिलने के बाद पुलिस ने उसके दोस्त की तलाश शुरू की। आरोप है कि पैसों के लालच में दोस्त ने नौशाद की हत्या की है। पुलिस ने रविवार को बताया कि हत्या के आरोप में साहिनुर इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया है।

पूसीरे कुछ विशेष ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाएगी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ विशेष ट्रेनों के परिचालन और कुछ की सेवाओं को विस्तार करने का निर्णय लिया है। विशेष ट्रेन सेवाओं को दोनों दिशाओं से चलाया जाएगा। विशेष रेल सेवाओं के विस्तार के संबंध में पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची ने रविवार को बताया है कि ट्रेन संख्या 07046 (सिकंदराबाद-डिब्रूगढ़) स्पेशल की सेवाओं को 3 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रत्येक सोमवार को सिकंदराबाद से डिब्रूगढ़ जाने के लिए 05 ट्रिप यात्राओं के लिए बढ़ाया जाएगा। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 07047 (डिब्रूगढ़-सिकंदराबाद) स्पेशल की सेवाओं को 6 जुलाई से 3 अगस्त तक प्रत्येक गुरुवार को डिब्रूगढ़ से सिकंदराबाद जाने के लिए 05 ट्रिप यात्राओं के लिए विस्तार किया जाएगा। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान विशेष ट्रेनें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वाया शिमलगुड़ी, डिमापुर, लमडिंग, ग्वालपारा टाउन, अलीपुद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी, रामपुरहाट, खड़गपुर, भुवनेश्वर, विशाखपट्टणम और विजयवाड़ा होकर चलेंगी। ट्रेन संख्या 09525 (ओखा-नाहरलगुन) समर स्पेशल की सेवाओं को 4 जुलाई से 29 अगस्त तक 09 ट्रिप यात्राओं के लिए बढ़ाया जाएगा, जो प्रत्येक मंगलवार को ओखा से नाहरलगुन के लिए रवाना होगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09526 (नाहरलगुन-ओखा) समर स्पेशल की सेवाओं को 8 जुलाई से 2 सितंबर तक 09 ट्रिप यात्राओं के लिए विस्तार किया जाएगा, जो प्रत्येक शनिवार को नाहरलगुन से ओखा के लिए रवाना होगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान उक्त ट्रेनें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वाया हारमती और रंगापाड़ा नार्थ होकर चलेंगी। ट्रेन संख्या 08047

हाजो से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद

कामरूप (हिंस)। जिले के हाजो से फिर फॉर्च्यूनर गाड़ी से 40 ड्रग्स से भरे साबुनदानी को बरामद हुआ है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण पाठक के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान यह बरामदगी हुई। फॉर्च्यूनर के दरवाजे में बड़ी चालाकी से ड्रग्स छिपाकर रखा गया था। बरामद ड्रग्स का बाजार मूल्य लगभग 4 करोड़ रुपए बताया गया है। उल्लेखनीय है कि बीते रविवार को भी हाजो थानाक्षेत्र से एक फार्च्यूनर गाड़ी से ही 100 ड्रग्स से भरे साबुनदानी बरामद किए गए थे।

रिश्वत लेते एएसआई रंगे हाथों गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। राज्य की सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक टीम ने एक शिकायत के आधार पर कामरूप (ग्रामीण) जिले के सुवालकुची थाने के एएसआई जोयनल अली को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। असम पुलिस मुख्यालय ने एक बयान जारी कर बताया कि सुवालकुची पुलिस स्टेशन के एएसआई जोयनल अली ने एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता और उसकी मां को जमानत देने के लिए शिकायतकर्ता से दो हजार रुपए की रिश्वत की मांगी थी। इस पर शिकायतकर्ता ने एएसआई के खिलाफ सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक टीम से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया था। इस सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम ने शनिवार को जाल बिछाकर एएसआई जॉयनल अली को दो हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है।

तस्करी के कच्चे तेल डंपर, लग्जरी कार के साथ दो गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले की बरडुबी पुलिस ने देवसाल तिनाली के पास एक अभियान चलाकर आयल इंडिया लिमिटेड से तस्करी कर ले जा रहे कंडेनसेट तेल के एक डंपर (एएस-09-4834) को जब्त करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने आज बताया कि शनिवार की देर रात को चलाए गए इस अभियान के दौरान जब्त किए डंपर में तेल चोरी की नवीन तकनीकी का इस्तेमाल किया गया था। पहले ऊपर रेत रखकर निचले हिस्से पर अतिरिक्त चैंबर लगाकर करीब आठ हजार लीटर तस्करी के कच्चे तेल को ले जाया जा रहा था। पुलिस द्वारा तिनसुकिया से डिब्रूगढ़ की ओर चलान काटने के लिए ले जाते समय तेल को जब्त करने में कामयाबी हासिल हुई।

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर : गोलीबारी में ...

से 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं पुलिस अधिकारी के मुताबिक, हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य में भड़की हिंसा की वजह से इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक की मियाद लगातार बढ़ाई जा रही है। मौजूदा स्थिति में इंटरनेट सेवाओं पर लगे प्रतिबंध को पांच जुलाई की दोपहर तीन बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इंफाल पश्चिम जिले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत लागू पाबंदियों में रविवार को ढील दी गई। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एन जॉनसन मैतेई द्वारा जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, राज्य में झड़पें शुरू होने के बाद तीन मई को लोगों की आवाजाही पर पाबंदियां लगाई गई थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच लगभग दो महीने से हिंसा भड़की हुई है। जिसकी वजह से 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *जनजातीय एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद तीन मई को पहली बार झड़पें हुईं थीं और बीते दिनों एक बार फिर से गोलीबारी की घटना सामने आई।

शिंदे सरकार में ...

की शपथ दिलाई। इसके अलावा वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, धर्मराव बाबा अत्राम, अदिति तटकरे, संजय बंसोड़े और अनिल पाटिल को ने मंत्री पद की शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, राकांपा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। राकांपा नेता अजीत पवार ने आज सुबह अपने शासकीय बंगले देवगिरी पर समर्थक विधायकों की बैठक बुलाई। इस बैठक में दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, छगन भुजबल, किरण लहमाटे, नीलेश लंका, धनंजय मुंडे, रामराजे निंबालकर, दौलत दरोदा, मकरंद पाटिल, एनुल बेनके, सुनील टिंगरे, अमोल मिटकारी, अदिति तटकरे, शेखर निकम, निलय नाइक, अशोक पवार, अनिल पाटिल, सरोज अहिरे उपस्थित थे। बैठक के बाद अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों सहित राजभवन पहुंचे और विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद अजीत पवार ने राज्यपाल को अपने 36 समर्थक विधायकों की सूची राज्यपाल को सौंपी। इसके बाद राजभवन में स्थित सादे समारोह में राज्यपाल रमेश बैस ने राकांपा के 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। अजीत पवार ने आज पिछले साढ़े तीन साल में तीसरी बार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अजीत पवार तथा अन्य राकांपा नेताओं के शपथ ग्रहण को शरद पवार ने अमान्य किया है। एनसीपी प्रमुख पवार ने कहा कि मुझे ठीक से पता नहीं है कि अजीत पवार ने यह बैठक क्यों बुलाई थी, लेकिन उनके पास बैठक बुलाने का अधिकार है। शरद पवार ने कहा कि जो लोग गए हैं, उनमें से 80 फीसदी विधायक वापस राकांपा में लौट आएंगे। इसलिए कयास लगाया जा रहा है कि राकांपा में इन सभी विधायकों पर पार्टी के अंतर्गत कार्रवाई की जा सकती है। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे का कहना है कि अब हमारे पास 1 मुख्यमंत्री और 2 उपमुख्यमंत्री हैं। डबल इंजन सरकार अब ट्रिपल इंजन बन गई है। महाराष्ट्र के विकास के लिए मैं अजीत पवार और उनके नेताओं का स्वागत करता हूं। अजीत पवार का अनुभव महाराष्ट्र को मजबूत करने में मदद करेगा। अजीत पवार ने राज्य के विकास में सरकार का साथ दिया है। इससे राज्य का विकास अब बुलेट ट्रेन की गति से होगा। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में एक अलग तरह की विकास की राजनीति चल रही है। विकास के नाम पर अजीत पवार हमारे साथ आए हैं, इससे राज्य का विकास तेज गति से होगा।

जनता देगी जवाब, मैं ...

उनके खिलाफ ईडी के केस हैं। शरद पवार ने कहा कि अजित पवार ने पार्टी की भूमिका से अलग स्टैंड लिया है। कल उन्होंने पार्टी के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई है। कुछ लोगों ने पार्टी पर दावा किया है। कुछ ही दिन में सच्चाई सामने आ जाएगी। 1980 में चुनाव के बाद भी कई विधायकों ने मेरा साथ छोड़ दिया था और मेरे साथ सिर्फ पांच विधायक रह गए थे। उसके बावजूद मैंने फिर से पार्टी को खड़ा किया और जो लोग पार्टी छोड़कर गए वो चुनाव हार गए। इस तरह की बगावत पहले भी देखी है। जो मैंने तब किया था वो मैं दोबारा करके दिखाऊंगा। शरद पवार ने कहा कि मेरा महाराष्ट्र की जनता पर पूरा भरोसा है। 2019 के विधानसभा चुनाव के पहले भी ऐसा कहा गया कि मेरे लोग छोड़कर जा रहे हैं, लेकिन मैंने पार्टी को बनाया और 2014 के मुकाबले 2019 में एनसीपी के ज्यादा विधायक बने। शरद पवार ने कहा कि हम अजित पवार के साथ नहीं हैं। मैं महाराष्ट्र में घूमकर जनमत बनाऊंगा। एनसीपी किसकी है, इसका फैसला लोग करेंगे। शरद पवार ने कहा कि पार्टी के खिलाफ काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उनकी किसी से भी अभी तक बात नहीं हुई है। अजित पवार से भी बात नहीं हुई है। शरद पवार ने कहा कि वह अभी भी पार्टी के अध्यक्ष हैं। बगावत करने वाले नेताओं को लेकर शरद पवार ने कहा कि प्रफुल्ल पटेल को उन्होंने पार्टी का महासचिव बनाया था लेकिन उन्होंने धोखा दिया, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र में घूमेंगे और लोगों से समर्थन मांगेंगे। पवार ने कहा कि लोगों को पता है कि पार्टी मैंने बनाई है। शरद पवार ने विपक्षी एकता को लेकर शरद पवार ने कहा कि वह और आक्रामकता के साथ आगे बढ़ेंगे। पवार ने कहा कि मोदी जी जो कर रहे हैं, वो लोगों को पसंद नहीं। अजित पवार को जनता जवाब देगी। शरद पवार ने ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि दो दिन पहले देश के प्रधानमंत्री का बयान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के खिलाफ था। उस बयान में उन्होंने दो बातें कही थीं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी पार्टी है। यह कहते हुए उन्होंने राज्य सहकारी बैंक और सिंचाई विभाग में शिकायत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद आज उन्होंने राज्य कैबिनेट में एनसीपी के कुछ सहयोगियों को शपथ दिलाई। इसका मतलब यह है कि प्रधानमंत्री द्वारा लगाए गए आरोप सही नहीं थे। मैं पार्टी और उन लोगों को बरी करने के लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूं जिनके खिलाफ आरोप लगाए गए थे। पवार ने लिखा कि आज की समाप्ति के बाद कल सुबह करहद स्व. यशवंतराव चव्हाण साहब की समाधि पर दर्शन करने के बाद सतारा में दलित समुदाय के लोगों की पहली बैठक करेंगे। उसके बाद प्रदेश और देश में जाकर जितना संभव हो लोगों से संपर्क बढ़ाने का प्रयास करना मेरी नीति होगी।

गुवाहाटी में फिर...

गाड़ियां तथा लोगों के घरों के सामान भी बह गए थे। लोगों का आरोप है कि गुवाहाटी शहर इन दिनों मौत के कुएं में तब्दील हो गया है। कहां से किसके सिर पर कंक्रीट के स्लैब गिर जाएं, कहां पानी का पाइप फट जाए, कहां लोग गड्ढे में गिर कर मर जाएं, यह कहा नहीं जा सकता क्योंकि इस तरह की घटनाएं शहर में लगातार हो रही हैं।

राज्य में 11 करोड़ ...

अब्दुल हई, मोहिदुल इस्लाम और रोफिकुल इस्लाम एक कार से गुवाहाटी से धुबड़ी तक मादक पदार्थ ले जा रहे हैं। पार्थ सारथी महंत ने कहा कि पुलिस टीम ने पलाशबाड़ी इलाके में वाहन को रोका और 50 साबुन के डिब्बे बरामद किए जो हेरोइन के कई पैकेट से मिले हुए थे। इनका वजन लगभग 700 ग्राम था। इससे पहले, 25 जून को ड्रग्स मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। एक वाहन से 500 ग्राम वजन के 40 और साबुन के डिब्बे बरामद किए गए थे। वहीं, 25 जून को ही एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) ने हाजो और गुवाहाटी से 2.2 किलो हेरोइन जब्त की थी। अधिकारियों के मुताबिक, सूत्रों से जानकारी मिली थी कि मणिपुर स्थित एक नशीले पदार्थ समूह असम के रास्ते नशीले पदार्थों की आपूर्ति कर रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस ने इनपुट पर कार्रवाई की। तलाशी में पुलिस को वाहन से 1,300 किलोग्राम वजन की हेरोइन की 100 साबुन की पेटियां बरामद हुई। जालुकबारी में उनके किराए के घर की आगे की तलाशी में 900 ग्राम वजन वाली हेरोइन के 65 पैकेट और बरामद हुए।

बिहार में भी बन ...

गांधी को स्वीकार करेंगे, न तेजस्वी यादव को। पार्टी में भगदड़ की आशंका है। मोदी ने कहा कि जदयू पर वजूद बचाने का ऐसा संकट पहले कभी नहीं था, इसलिए नीतीश कुमार ने 18 साल में कभी विधायकों को नहीं पूछा। आज वे हरेक से अलग से मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जदयू यदि महागठबंधन में रहा, तो टिकट बंटवारें में उसके हिस्से लोकसभा की 10 से ज्यादा सीट नहीं आएगी और कई सांसदों पर बेटिकट होने की तलवार लटकती रहेगी। यह भी विद्रोह का कारण बन सकता है। नीतीश कुमार ने विधायकों से बिना पूछे भाजपा से गठबंधन तोड़ा, लालू प्रसाद से फिर हाथ मिलाया और बिहार में विकास की रफ्तार तोडी। इससे दल के भीतर असंतोष लगातार बढता रहा है। अब वन-टू-वन बातचीत से आग बुझने वाली नहीं है।

मणिपुर मामले में ...

डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) के संयोजक शर्मा ने कहा कि मणिपुर में स्थिति दिन-ब-दिन बेहतर हो रही है। मेरा मानना है कि अगले एक हफ्ते से 10 दिन में और सुधार होगा। शर्मा ने दावा किया कि पिछले महीने में मणिपुर में *काफी सुधार* हुआ है।

मोदी सरकार ने ...

पटेल के नाम पर मेडिकल कॉलेज बना है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले चारों चुनाव भाजपा और अपना दल ने मिलकर लड़े हैं। मिलकर जीते हैं। सपा, बसपा के विघटनकारी नीतियों का जवाब दिया है। 24 में भी अपना दल और निषाद पार्टी के साथ मिलकर भाजपा चुनाव लड़ेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया। 9 साल में 3 करोड़ से अधिक आवास बनाकर दिया। करीब 10 करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन दिया। अमित शाह ने केंद्र की मोदी सरकार की अन्य योजनाओं को भी गिनाया। कहा कि सरकार ने 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे बड़ा काम भारत को सुरक्षित करने का काम किया। सोनिया, मनमोहन की सरकार में कोई भी हमला कर देता था। जब मोदी सरकार बनी, तब भी आतंकी हमले की हिमाकत किये। वह भूल गए कि अब मौनी बाबा की सरकार नहीं है, देश का नेतृत्व मोदी के हाथों में है। हमारी सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर मारा। सर्जिकल स्ट्राइक किया। इसके साथ ही अमित शाह ने कार्यक्रम में मौजूद जन समूह से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का अपील की और संकल्प दिलाया। इस अवसर पर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपना दल संस्थापक सोनेलाल पटेल ने समाजिक न्याय का जो सपना देखा था, वह देश में पिछले नौ वर्षों से पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रतापगढ़ में सोनेलाल पटेल के नाम पर मेडिकल कालेज स्थापित कर रही है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर को मुख्य धारा से जोड़ा गया है। 70 से अधिक जनपद नक्सलवाद से पीड़ित थे। आज छह से सात जनपद बचे हैं। जल्द ही वे जिले भी नक्सल से मुक्त हो जाएंगे। पूर्व में समारोह को प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने भी संबोधित किया।

मानसून सत्र के लिए ...

थी कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा। जोशी ने कल ट्वीट कर कहा कि मैं सभी पार्टियों से सत्र के दौरान संसद के विधायी और अन्य कामकाज में रचनात्मक योगदान देने की अपील करता हूं। 23 दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कुल 17 बैठकें होंगी। बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन किया था। उम्मीद है कि सरकार के पास सत्र के लिए महत्वपूर्ण विधायी एजेंडा होगा। विपक्षी दल भी कई मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए कमर कस रही हैं। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के बीच इस बार संसद का मानसून सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है। आगामी सत्र में एक तरफ जहां सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पेश कर सकती है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में लाए गए केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ मोर्चा खोल सकती है।

पेरिस में दंगाइयों ने ...

परिवार सो रहा था, तब प्रदर्शनकारियों ने आग लगाने की कोशिश की और उनके घर में एक कार घुसा दी। मेयर ने ट्वीट कर कहा कि पिछली रात डरावनी और अपमानजनक स्थिति को दिखाने वाली थी, मैं इसे कभी नहीं भूल सकता। दंगाइयों द्वारा मेरे घर में कार घुसाने से मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा घायल हो गए हैं। यह हत्या का प्रयास कायरता को दिखाता है। बता दें कि यह घटना पूरे फ्रांस में अराजकता की पांचवीं रात को हुई, जहां दंगाइयों ने कारों में आग लगा दी, बुनियादी ढांचे पर हमला किया और सुरक्षा बलों के साथ झड़प की।

मणिपुर तनाव के ...

अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। उन्होंने म्यांमार के रक्षा मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) म्या तुन ऊ से भी मुलाकात की और म्यांमार नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल मो आंग और रक्षा उद्योग के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल खान म्यिंट थान के साथ बैठकें कीं। भारत म्यांमार के साथ लगभग 1,700 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। उस देश में होने वाले किसी भी घटनाक्रम का सीधा असर भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों पर पड़ता है। इसलिए भारत ने मणिपुर में हजारों सैनिकों को तैनात किया है और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए भारत-म्यांमार सीमा पर अतिरिक्त विशेष बल तैनात किए गए हैं।

उत्तर भारत के ...

जेल में भी कुछ गैंगस्टरों को भेजा जाएगा। इस जेल में वर्तमान में वारिस पंजाब दे प्रमुख अमृतपाल सिंह सजा काट रहा है जो पंजाब में कई बड़े मामलों का आरोपी है। इस मामले पर गृह मंत्रालय की तरफ से जानकारी मिली है कि शुरू में कुछ कुख्यात गैंगस्टरों को दक्षिण भारत की जेलों में ट्रांसफर किए जाने का प्रस्ताव एनआईए द्वारा पेश किया गया था। हालांकि ये लंबी प्रक्रिया है, क्योंकि इसके लिए राज्य सरकारों से अनुमति लेना आवश्यक है। वहीं अंडमान निकोबार केंद्र शासित प्रदेश है, जहां कुख्यात गैंगस्टरों को ट्रांसफर किए जाने के लिए इजाजत लेने की जरुरत नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक एनआईए ने गैंगस्टरों को ट्रांसफर करने के लिए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था जिसमें 25 गैंगस्टरों को दक्षिण के राज्यों की जेलों में भेजे जाने का प्रस्ताव था। इस सूची में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का आरोपी लॉरेंस बिश्नोई भी शामिल है।

कैबिनेट में फेरबदल ...

के नेता अजित पवार के अपनी पार्टी के कई विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल होने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित भाजपा के रणनीतिकारों से जुड़ी बंद कमरे में हुई कई बैठकों के बाद मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावनाओं को बल मिला है। एनसीपी के वरिष्ठ सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल को एक संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। पटेल, राकांपा प्रमुख शरद पवार के बेहद करीबियों में गिने जाते थे लेकिन उन्होंने उनका साथ छोड़कर अजित पवार से हाथ मिला लिया। अजित पवार, शरद पवार के भतीजे हैं। अजित पवार के महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही देवेंद्र फडणवीस को केंद्र सरकार में लाए जाने की भी अटकलें तेज हो गई हैं। भाजपा सूत्रों ने संकेत दिया है कि जब भी मोदी अपने मंत्रिपरिषद में फेरबदल का फैसला करेंगे तो सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। आगामी 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र से पहले की अवधि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल या बदलाव का आखिरी मौका हो सकता है। इसलिए मंत्रिपरिषद में फेरबदल या विस्तार की संभावनाओं को और बल मिला है। सूत्रों ने कहा कि कुछ राज्यों सहित भाजपा के केंद्रीय संगठन में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार तेज करने में जुटा है। मोदी ने 28 जून को शाह और नड्डा के साथ बैठक की थी। इससे पहले, संगठनात्मक और राजनीतिक मामलों का जायजा लेने के लिए शाह और नड्डा सहित अन्य शीर्ष नेता बंद कमरे में कई दौर की बैठक कर चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिपरिषद में किसी भी तरह का फेरबदल आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर भी किया जाएगा। भाजपा इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों में जुटी है। हाल ही में कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी देकर सरकार बनाई थी। इस साल के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से है।

उपराष्ट्रपति कल आएंगे...

किया है। प्रमुख संस्थान ने समग्र रैंकिंग में दुनिया में 364 वीं रैंक हासिल की है और भारत में 7वीं रैंक हासिल की है। इसके साथ ही संस्थान ने अपनी वैश्विक रैंक में 20 स्थान और भारतीय रैंक में 1 स्थान का सुधार किया है।

स्वर्वेद भाष्य

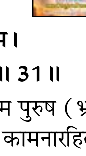

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(आध्यात्मिक वंदना)

भक्ति आपनी दीजिये, निरति निरन्तर नाम।
भ्रम अभिमान न आवई, प्रेम अचल निस्काम॥ 31॥

शब्दार्थ : (भक्ति) ईश्वर के प्रति अनन्य प्रेम (नाम) परम पुरुष (भ्रम) संशय (अभिमान) अहंकार (अचल) स्थिर, (निष्काम) कामनारहित।

भाष्य : हे प्रभो! निरतिशय, निरंतर नाम में अपनी भक्ति दीजिए, जिसमें किसी प्रकार का भ्रम तथा अभिमान न हो और निष्काम, दृढ़ प्रेम स्थित रहे।

प्रणपालक प्रतिपाल प्रभु, सहज भक्ति जन माँह।
देव सदाफल राखिये, अन्त शरण की छाँह॥ 32॥

शब्दार्थ : (प्रणपालक) प्रतिज्ञा को पूर्ण करने वाले (प्रतिपाल) रक्षक (अन्त) अंतिम, जीवन-पर्यंत (शरण) आधार (छाँह) छाया।

भाष्य : हे प्रतिज्ञा को पूर्ण करने वाले रक्षक परमप्रभो! मुझे अपनी सहज भक्ति प्रदान कर जीवन-पर्यंत अपने चरण-कमल की छाया में रखें।

॥ इति स्वर्वेद चतुर्थ मंडल, चतुर्दश अध्याय भाष्य समाप्त॥

अमरनाथ यात्रा ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले एसएसबी जवान को दी गई श्रद्धांजलि

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 31वीं बटालियन के जवान सूरज प्रकाश की अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी के दौरान एक जुलाई को दुर्भाग्यपूर्ण घटना में निधन हो गया था। जवान की याद में आज बटालियन परिसर में एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। एसएसबी के सूत्रों ने आज बताया है कि एसएसबी इस कठिन समय में सूरज प्रकाश के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। एसएसबी शोक संतप्त परिवार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन देता है और यह सुनिश्चित करेगा कि सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। साथ ही एसएसबी और राष्ट्र के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

नाबालिग से रेप व हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार, गुस्साए लोगों ने घेरा थाना

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर में रविवार को एक 16 साल की लड़की की रेप के बाद हत्या करने का मामला सामने आया। इसके बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सोनापुर थाना के सामने प्रदर्शन किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल, शुक्रवार को सोनापुर के एलेंगा में दिगारू नदी में एक नाबालिग किशोरी का शव मिलने के बाद पुलिस जांच कर रही थी की। लड़की के परिवार के सदस्यों के अनुसार, किशोरी 28 जून की शाम लगभग 4 बजे सोनापुर बाजार के लिए निकली थी और तब से लापता थी। जांच में पता चला कि 16 वर्षीय लड़की से पहले बलात्कार किया फिर उसकी हत्या कर शव को दिगारू नदी में फेंक दिया। इस घटना के आरोप में बाबुल तुमुंग नामक व्यक्ति को शनिवार रात को ही गिरफ्तार कर लिया गया था। रविवार को हत्या और बलात्कार के आरोप में बाबुल की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोगों ने सोनापुर थाना

के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जबरन थाने में घुसने के प्रयास किया। बाद में पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रित कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि आरोपी से पूछताछ की है। पुलिस के अनुसार बाबुल ने पूछताछ में रेप व हत्या की बात कबूल की है।

बाढ़ से पांच जिलों के 122 गांव सबसे अधिक प्रभावित

1080.23 हेक्टेयर फसल बर्बाद

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ से पांच जिलों के 122 गांव सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के चलते कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। अब बाढ़ की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार राज्य के पांच जिलों के 2 हजार 415 से अधिक नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, राज्य में सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बाढ़ प्रभावित पांच जिलों में बजाली, धेमाजी, गोलाघाट, जोरहाट और कामरूप (ग्रामीण) शामिल हैं। बाढ़ से 8 राजस्व सर्किल अंतर्गत 122 गांवों के 2 हजार 415 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 1080.23 हेक्टेयर फसल अभी भी प्रभावित है। बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत शिविर स्थापित किए गए हैं जबकि आठ राहत वितरण केंद्र खोले गए है। राहत शिविरों में लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से राज्य के कुल 23 हजार 872 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 19 हजार 278 और छोटे पशुओं की 4 हजार 374 है, जबकि 220 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान कामरूप (ग्रामीण) जिले में एक मेडिकल टीम को चिकित्सा देखभाल के लिए तैनात किया गया है। बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें 00.10 क्विंटल चावल, 00.02 क्विंटल दाल, 00.01 क्विंटल नमक, सरसों का तेल 00.60 लीटर शामिल हैं। वहीं पशुओं के लिए 929.60 क्विंटल गेहूं का चोकर वितरित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

भैरवकुंड में बचाया गया हाथी के बच्चे को

शोणितपुर (हिंस)। जिले के ढेकियाजुली के निकट स्थित भैरवकुंड में एसएसबी की एक टीम ने एक हाथी के बच्चे को बचाया। हाथी का बच्चा नदी के बीच में फंस गया था। सुरक्षाबलों ने आज बताया कि बच्चे की आवाज सुनकर एसएसबी की रेस्क्यू टीम ने बचाव अभियान शुरू की और कुछ मसक्कत के बाद हाथी के बच्चे को बचा लिया। बचाए गए हाथी के बच्चे को खाना खिलाया गया और बाद में वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। उल्लेखनीय है कि भैरव कुंड एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यहां दर्शन करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पर्यटक पहुंचते हैं। यहां मंदिर के निकट से दो झरने बहते हैं। जो पूरे वातावरण को रमणीय बना देता है।

चोरी की बाइक के साथ नाबालिग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जोराबाट पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि 30 जून को हाउली के बारबाला में शाहनूर आलम चौधरी नामक व्यक्ति के घर से एक बाइक चोरी हो गई थी। अगले दिन बाइक के मालिक ने हाउली थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इस बीच जोराबाट पुलिस चौकी के सामने नाका चेकिंग के दौरान रविवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस ने नाबालिग को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार नाबालिग ने पहली बार ही बाइक चोरी की थी और वह बाइक को राज्य के बाहर ले जाने का प्रयास किया कर रहा था।

डंपर ने बाइकसवार पिता और पुत्रियों को कुचला तीनों की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के डबका के जबराखोवा में एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। एक बाइक सवार तीन लोगों को एक तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि रविवार को डबका के जबराखोवा में एक तेज रफ्तार डंपर ने पल्सर बाइक सवारों को टक्कर मार दी। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक बाइकसवार तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। मरने वालों पिता और 6-7 साल की दो बेटियां शामिल हैं। बताया गया है कि चालक शराब पीकर डंपर चला रहा था, इसी दौरान पल्सर बाइक गलत दिशा से आ गई, जिसके चलते भीषण दुर्घटना हो गई। सूचना मिलते ही डबका पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। खबर लिखे जाने तक दुर्घटना में मारे गए लोगों की शिनाख्त नहीं हो पाई थी।

संयम साधना की रीढ़ है : साध्वी स्वर्णरेखा

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखा एवं उनकी सहवर्तिनी साध्वी स्वस्तिकाश्री, साध्वी सुधांशुप्रभा एवं साध्वी गौतमयशा के पावन सान्निध्य एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में सभी संघीय संस्थाओं के सहयोग से रविवार को प्रात: 9 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में वर्षावास स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनमेदिनी को संबोधित करते हुए साध्वी स्वर्णरेखा ने फरमाया कि संयम साधना की रीढ़ है। कर्म की औषधि है। इसका आस्वाद देने वाला है-वर्षावास। वर्षावास के प्रारंभ के साथ ही साधनाशील अपने भीतर में वास करना शुरू कर देता है। ब्रेक, बैलेंस, वाउंडरी के साथ होने वाली धर्म की प्रवृत्ति ही व्यक्ति को अन्तर्मुखी बना सकती है। जप-तप का आलम्बन वृत्तियों का परिष्कार, अशुभ भावों का परिमार्जन करने वाला ही अन्तर्मुखता का नाद सुन सकता है, वर्षाकाल में साधना कर सकता है। साध्वी श्री जी ने *मर्यादा-पत्र* का भी वाचन किया। इस अवसर पर साध्वी स्वस्तिकाश्री ने भी प्रेरक उद्‌बोधन प्रदान किया। मंगलाचरण रिहाबाड़ी की महिलाओं ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संध्या कोठारी एवं तेरापंथ किशोर मंडल की भी प्रस्तुति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन रवि बुच्चा ने किया। तेरापंथी सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल सुराणा एवं मंत्री रायचंद पटावरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी श्रावक-श्राविकाओं के साथ ही सभी समाजबंधुओं को साधुवाद प्रेषित किया है। इस आशय की जानकारी तेरापंथी सभा के प्रचार-प्रसार संयोजक संजय चौरड़िया द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

आगामी चुनावों में अहोम के और ज्यादा प्रतिनिधि जीतेंगे : मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। सांसद तथा मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पवित्र मार्घेरिटा ने स्पष्ट किया है कि आने वाले चुनावों में अहोम जनजाति का प्रतिनिधित्व और अधिक बढ़ेगा। आज वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मार्घेरिटा ने कहा कि विपक्षी दल बगैर तथ्य के लोगों को भ्रमित करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र सीमा पूनर्निर्धारण की प्रक्रिया कांग्रेस सरकार के दिनों में सन् 2007 में शुरू हुई थी। जिसमें ऊपरी असम में विधानसभा की 3 सीटें कम होने वाली थी। लेकिन, फिलहाल प्रकाशित मसौदा सूची में ऊपरी असम में सीटें कम होने की बात तो दूर एक सीट बढ़ ही गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भी भारतीय जनता पार्टी के 07 अहोम नेता संसदीय जनप्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि राज्य का शिवसागर थाउरा, नाजिरा, सोनारी तथा सदिया अब पूरी तरह से अहोम बहुल हो चुका है। उन्होंने कहा कि मोरान-नाहरकटिया में भी अहोम की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने गोगोई उपाधि को लेकर की जा रही राजनीति को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि अहोम लोगों की उपाधि सिर्फ गोगोई ही नहीं है। बल्कि, चाइलुंग चुकाफा के सिद्धांतों पर चलने वाले ऊपरी असम के अनेक पदवीधारी अहोम हैं। उन्होंने कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे लोगों को झूठे तथ्यों को आधार बनाकर भ्रमित नहीं करें।

एक और एसआई को डीजीपी ने किया बर्खास्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के एसआई निपू कलिता को पद से बर्खास्त कर दिया गया है। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने आज एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी साझा की। उल्लेखनीय है कि गत 27 जून की डीपी नंबर 07/2021 से संबंधित रिश्वत के एक मामले में कथित संलिप्तता के लिए पुलिस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है। पुलिस एसआई निपू कलिता को असम सेवा (अनुशासन और अपीलीय नियम 1964), असम पुलिस मैनुअल के भाग 3 के नियम 66 के साथ-साथ असम पुलिस अधिनियम 2007 की धारा 311 के तहत दोषी ठहराया गया है। ज्ञात हो कि घोगरापार के थाना प्रभारी बिमान रॉय को दो दिन पहले ही डीजीपी द्वारा बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने भ्रष्टाचार में लिप्त होने के सबूत मिलने के बाद निपू कलिता को बर्खास्त कर दिया।

आलोपति माजरचर में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के आलोपति माजर चर बाजार प्रबंध समिति के स्थायी कार्यालय परिसर के प्रांगण में सामाजिक आर्थिक एवं ग्रामीण विकास संघ (छेरदा) की पहल पर आज एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। एनजीओ के सचिव आलाउद्दीन अहमद ने सभा की उद्देश्य व्याख्या की। एनजीओ के अध्यक्ष आदम अली की अध्यक्षता में हुई बैठक में दक्षिण बरपेटा के चरणांचल के हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी अंतिम परीक्षा एवं नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित बैठक में हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी की अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उत्तीर्ण होने वाले कुछ मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से फुलाम गामोछा, प्रमाण पत्र एवं पेन देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि माजरचर गांव के हजरत अली के पुत्र आजादुल इस्लाम ने बैठक में 625 अंकों के साथ नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की और प्रसिद्धि के साथ नीट की परीक्षा पास कर बड़े चर क्षेत्र का नाम रोशन करने में सफल रहे। सभा में मौजूद रहे असम गौरव डीसीएफ धरणीधर बोरो संबंधित एनजीओ के कार्यकारी सदस्य आनशेर अली अहमद द्वारा आयोजित सम्मान बैठक में मुख्य अतिथि थे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए महर्षि धर्मचंद्रदेव महाराज

मेधावी बच्चें, किशोर साबू, अजय पोद्दार सहित कई सम्मानित

मोबाइल नहीं पुस्तकों को बनाएं अपना साथी : रंजीत भट्टाचार्य

गुवाहाटी। महर्षि धर्मचंद्रदेवजी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर विहंगम योग संस्थान द्वारा लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी तथा अमृत भोग भंडारे के सहयोग से मेधावी बच्चों का सम्मान और उत्सावर्द्धन कर मनाई गई। मौके पर गुरु वंदना, यज्ञ हवन तथा महाप्रसाद का भी आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य यजमान के रूप में स्व. चंद्रकांत जायसवाल की धर्मपत्नी कुंतीदेवी जायसवाल एवं रघुनाथ निखिल सर्राफ उपस्थित थे। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रंजीत भट्टाचार्य तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी किशोर साबू, लायंस गुवाहाटी के नव निर्वाचित अध्यक्ष अजय पोद्दार के अलावा हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के चेयरमैन जुगल किशोर पांडे, पार्षद प्रमोद स्वामी, अमृत भोग भंडारे के संचालक भागचंद जैन, पवन पोद्दार, नारायण खाखोलिया, समाजसेविका एवं गायिका संतोष शर्मा, शिक्षिका मंजूलता शर्मा, निमाई दास भागचंद जैन, मानिक अग्रवाल, दिनेश पारीक, अमित पारीक, राजेश भूत, विहंगम योग के प्रचारक बिंदेश्वरी दूबे सहित भारी संख्या में मेधावी छात्र-छात्राएं, अभिभावकगण एवं विहंगम योग के अनुयायी मौजूद थे। मौके पर करीब 300 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, कलम तथा कोलकाता के एनएसएचएम कॉलेज द्वारा स्कॉलरशिप देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान

रंजीत भट्टाचार्य, किशोर साबू, अजय पोद्दार, मंजूलता शर्मा, सौरभ बोथरा, मधुचंदा अधिकारी तथा साहनी कांवड़िया एनजीओ, अटल सेना महिला मोर्चा व राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मौके पर अपने संबोधन में भट्टाचार्य ने बच्चों से निरंतर पुस्तकों से जुड़े रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पुस्तकों को अपना साथी बनाएं, मोबाइल को नहीं। भारत के ऋषि-मुनियों से लेकर विद्वान - मनीषियों ने पुस्तकों का सहारा लेकर ही जीवन की ऊंचाइयों को छुआ है। मौके पर वरिष्ठ सलाहकार देवेंद्र शर्मा ने बच्चों को विहंगम योग की साधना के जरिए दैनंदिन जीवन में तनाव मुक्त रहने के गुर सिखाए। इस अवसर पर चंद्रप्रकाश शर्मा ने बच्चों से भारतीय धर्म-दर्शन का अध्ययन करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि सनातन ज्ञान के जरिए ही हम खुद की जड़ों को जान सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय धर्म - दर्शन परोपकार की शिक्षा देता है, केवल भोग की नहीं। अंत में कार्यक्रम संयोजक शुभम अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

लोटस टीएमटी मोबाइल मेडिकल बस सेवा संपन्न, कुल 23 हजार लोग हुए लाभान्वित

गुवाहाटी (विभास)। लोटस टीएमटी के निर्माता बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड द्वारा प्रायोजित लोटस टीएमटी मोबाइल मेडिकल बस, जो की असम के कोने-कोने में रह रहे सामान्य परिवार के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब पांच महीने पूर्व कोलकाता से गुवाहाटी पहुंची थी। गुवाहाटी में पहला शिविर गत 9 फरवरी को आयोजित करने के बाद यह नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस सेवा राज्य के विभिन्न जिले स्थित ग्रामीण एवं दुर्गम इलाकों में पहुंचकर वहां रह रहे लोगों की जांच करने में निरंतर जुटी हुई थीं। करीब पांच महीने तक बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान की लोटस टीएमटी बार नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस सेवा के माध्यम से कुल 118 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 23 हजार लोग लाभान्वित हुए। आनंदलोक हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित शिविर में आई टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, डेंटल टेस्टिंग एंड

ट्रीटमेंट, ईएनटी टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, पैथोलॉजिकल लेबोरेटरी की सुविधा, जनरल ओपीडी, ईसीजी एवं एक्स-रे की सुविधा का लाभ असम के लोगों ने इस मोबाइल मेडिकल बस के माध्यम से लिया। कुल 23000 लाभवित ग्रामीणों में सामान्य जांच के अंतर्गत 10300 लोगों ने ईसीजी, एक्सरे आदि का लाभ उठाया। वहीं 10600 लोगों की नेत्रों की जांच कर जरूरतमंद उन्हें नि:शुल्क चश्मे व आई ड्रॉप उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा दांत जांच के अंतर्गत 2200 लोगों की दांत की सफाई, ट्रीटमेंट व फिलिंग की गई। मेडिकल बस शिविर के प्रभारी संजय गुप्ता ने कहा कि नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस सेवा के शिविरों के सफल आयोजन करने में राज्य के विभिन्न गैर सरकारी संगठन सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि बस जिस भी अंचल में पंहुची वहां के स्थानीय लोगों ने भी अपना भरपूर सहयोग दिया।

लायंस उमंग का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

लियो उमंग ने की नई कार्यकारिणी गठित

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली महिलाओं की अग्रणी सामाजिक संस्थाओं में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आगामी सत्र के लिए लियो उमंग की भी कार्यकारिणी गठित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व इंस्टोलेशन अधिकारी के रूप में पूर्व जिलापाल सुधीर चौधरी, मुख्य सलाहकार तथा जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका, इंडक्शन अधिकारी जिलापाल (द्वितीय) पंकज पोद्दार के अलावा पूर्व जिलापाल डीपी बजाज, एमएल अग्रवाला सहित कई पूर्व जिलापाल व बड़ी संख्या में विभिन्न क्लबों से आए पदाधिकारी मौजूद थे। सभी पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में लायंस उमंग के सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम संयोजिका लायंस उमंग की ओर से रितु बंका व लियो उमंग की ओर से देविका गोयनका थी। इस दौरान आगामी सत्र के लिए नवनियुक्त अध्यक्षा कंचन पोद्दार, सचिव के रूप में संगीता अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष के रूप में स्वाति चौधरी को पूर्व जिलापाल व इंस्टॉलेशन अधिकारी श्री चौधरी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने अपने

संबोधन में क्लब की सभी सदस्याओं के सहयोग की कामना करते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान क्लब को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने का भरपूर प्रयास करेंगी। इस दौरान आठ नए लोगों को क्लब की सदस्यता का शपथ पाठ इंडक्शन अधिकारी श्री पोद्दार ने कराया। इस अवसर पर लिओ उमंग के नवनियुक्त अध्यक्ष के रूप में रिद्धि जैन, सचिव दीपक शर्मा व कोषाध्यक्ष अमित शर्मा को भी शपथ पाठ कराया गया। इससे पूर्व निवर्तमान अध्यक्षा सीमा सोनी के नेतृत्व में समारोह का शुभारंभ किया गया। सचिव कंचन पोद्दार ने क्लब के विभिन्न कार्यों की जानकारी सभा के समक्ष रखी। वहीं कोषाध्यक्ष कुसुम जैन ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पारित किया। तत्पश्चात श्रीमती सोनी ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग हेतु क्लब की सदस्याओं को सम्मानित किया। लायन ऑफ द ईयर का पुरस्कार रितु बंका व कंचन पोद्दार को दिया गया, जबकि मदर टरेसा अवार्ड जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका तथा कर्मवीर अवार्ड कुसुम जैन को दिया गया। इसके अलावा क्लब की अन्य सदस्याओं को भी उनके सहयोग हेतु अध्यक्षीय पुरस्कार से नवाजा गया। साथ ही क्लब की ओर से निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती सोनी का सामूहिक रूप से अभिनंदन किया गया। लियो उमंग के निवर्तमान अध्यक्ष अनीश मोर ने अपने क्लब के सदस्यों के बीच अध्यक्षीय पुरस्कार का वितरण किया। निर्वमान सचिव प्रतीक जैन ने गत सत्र में किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती बंका ने बताया कि समारोह को विशेष रूप से असम की पारंपरिक कला-संस्कृति के मद्देनजर आयोजित किया गया, जिसमें सभी सदस्याएं पारंपरिक परिधान में नजर आईं। इस दौरान क्लब की सदस्या मुक्ता कसेरा द्वारा बिहू गीत गाया गया, जबकि बिहू नृत्य का भी सभी ने जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन पायल चड्ढा ने बड़े से सुंदर तरीके से किया। शपथ विधि समारोह को सफल बनाने के लिए क्लब की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन नवनियुक्त सचिव श्रीमती अग्रवाल ने दिया।

इसरो के 'मिशन गगनयान' की क्रू रिकवरी टीम को नौसेना ने दिया पहला प्रशिक्षण

- गोताखोरों और समुद्री कमांडो की टीम ने क्रू मॉड्यूल को प्रशिक्षित किया
- आने वाले महीनों में इसरो की लॉन्चिंग टीम में शामिल होगी प्रशिक्षित टीम

नई दिल्ली, (हि.स.)। इसरो के मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच को भारतीय नौसेना की टीम ने पहले चरण का प्रशिक्षण दिया है। कोच्चि में नौसेना की जल जीवन रक्षा प्रशिक्षण सुविधा (डब्ल्यूएसटीएफ) में यह प्रशिक्षण दिया गया है। नौसेना के गोताखोरों और समुद्री कमांडो की एक टीम ने विभिन्न समुद्री परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल को प्रशिक्षित किया। यह प्रशिक्षित टीम अब आने वाले महीनों में इसरो के मिशन गगनयान की लॉन्चिंग टीम में शामिल होगी। कोच्चि स्थित डब्ल्यूएसटीएफ भारतीय नौसेना की एक जल जीवन रक्षा परीक्षण सुविधा है, जहां विमान चालक दल को कई दुर्घटना परिदृश्यों और मौसम की स्थिति के तहत फंसी हुई उड़ान से बचने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसमें किसी भी प्रकार की समुद्री या पर्यावरणीय परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षित किये जाने की क्षमता है, ताकि चालक दल को हर परिस्थिति के लिए अच्छी तरह से तैयार किया जा सके। मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच ने डब्ल्यूएसटीएफ में प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा किया है। यह प्रशिक्षित टीम अब आने वाले महीनों में इसरो के मिशन गगनयान की लॉन्चिंग टीम में शामिल होगी। मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच ने भारतीय नौसेना के गोताखोरों और समुद्री कमांडो की टीम से विभिन्न समुद्री परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल का प्रशिक्षण लिया। दो सप्ताह के प्रशिक्षण कैप्सूल में मिशन के संचालन, चिकित्सा अत्यावश्यकताओं के दौरान की जाने वाली कार्रवाइयों और विभिन्न विमानों और उनके बचाव उपकरणों से परिचित होने के बारे में जानकारी दी गई। भारतीय नौसेना और इसरो की संयुक्त टीम ने इस प्रशिक्षण को मान्य किया। समापन दिवस पर इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के निदेशक डॉ. मोहन एम ने प्रदर्शन देखा और टीम के साथ बातचीत की।

क्या है मिशन गगनयान – गगनयान परियोजना में 3 दिनों के लिए 3 सदस्यों के दल को 400 किमी. की कक्षा में लॉन्च करने के बाद उन्हें भारतीय समुद्री जल में उतारने और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है। गगनयान मिशन के लिए चालक दल को सुरक्षित रूप से अंतरिक्ष में ले जाने को लेकर चालक दल को पृथ्वी जैसा वातावरण प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास शामिल है। वास्तविक मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन को अंजाम देने से पहले प्रौद्योगिकी तैयारी के स्तर को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न पूर्ववर्ती मिशनों की योजना बनाई गई है। इन प्रदर्शनकारी मिशनों में इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी), पैड एबॉर्ट टेस्ट (पीएटी) और टेस्ट व्हीकल (टीवी) उड़ानें शामिल हैं। मानवयुक्त मिशन से पहले मानव रहित मिशनों में सभी प्रणालियों की सुरक्षा और विश्वसनीयता सिद्ध की जाएगी।

दिल्ली के भजनपुरा में अनधिकृत जमीन पर बने मंदिर और मजार को हटाया गया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भजनपुरा चौक में वजीराबाद रोड पर आज तड़के कड़ी सुरक्षा के बीच अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत अनधिकृत जमीन पर बने एक मंदिर और एक मजार को हटा दिया गया। यह कार्रवाई लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने की है। इस दौरान भारी पुलिस बल और सुरक्षा बल के जवान तैनात रहे। सबसे पहले बुलडोजर से सड़क किनारे अनधिकृत जमीन पर बनी मजार और इसके बाद मंदिर को हटाया गया। यह मजार करीब तीस साल पुरानी बताई गई है। डीसीपी (नॉर्थ ईस्ट) जॉय एन तिर्की ने बताया कि भजनपुरा चौक पर एक हनुमान मंदिर और सड़क के दूसरी तरफ एक मजार को हटाने का फैसला दिल्ली की धार्मिक समिति ने लिया था। यहां सड़क को चौड़ा किया जाना है। यहां के स्थानीय नेताओं ने प्रशासन से कुछ मोहलत मांगी थी। हमने सभी के साथ बातचीत कर दोनों धार्मिक स्थलों को हटाया है। इसमें सभी का सहयोग मिला है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीडब्ल्यूडी की इस कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए ड्रोन से भी निगरानी की गई। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। सुरक्षा कारणों से इस दौरान भजनपुरा से खजूरी और कश्मीरी गेट होते हुए गंतव्य की ओर जाने वाली डीटीसी की बसों का रूट भी डायवर्ट किया गया। डीटीसी के नियमित यात्रियों ने बताया कि इस रूट पर भजनपुरा से सुबह 6:15 बजे चलने वाली 207 नंबर की बस (नीली) को वाया सीलमपुर (विपरीत दिशा) से गुजारा गया। साथ ही आनंद विहार से आनंद पर्वत तक चलने वाली रूट नंबर 212 की बस को भी सीलमपुर से वाया कश्मीरी गेट गंतव्य के लिए भेजा गया। इस बस का रूट दिलशाद गार्डन, भजनपुरा और वजीराबाद पुल से दिल्ली विश्व विद्यालय से होते हुए निर्धारित है।

सहकारिता आंदोलन से किसान व मजदूरों के जीवन में आया बड़ा बदलाव : ओम बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को नई दिल्ली में 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। बिरला ने कहा कि सहकारिता की भावना हमारे मूल स्वभाव में है, हमारे चिंतन में है, हमारे व्यवहार में है। सहकारिता का भाव हमारे राष्ट्र-नायकों की सोच में रहा है। हमारा राष्ट्रीय आंदोलन सहकारिता का एक उत्तम उदाहरण है, जिसमें हर वर्ग, हर समुदाय, हर जाति, क्षेत्र और समूह के व्यक्ति ने भागीदारी की। बिरला ने कहा कि इस आंदोलन से किसान और मजदूरों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। पहले जो 16 पर्सेंट, 18 पर्सेंट पर किसान को ऋण लेना पड़ता था, वही आज देश के कई राज्यों में एक से डेढ़ लाख रुपये का ऋण जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर सहकारिता के माध्यम से ही मिलना संभव हो पाया है। साथ ही किसानों को सहकारी समितियों से खाद, बीज और उर्वरक सस्ते दर पर मिल पा रहा है। बिरला ने कहा कि सहकारी चीनी मिलों की स्थापना से देश में एक आमूलचूल परिवर्तन हुआ, जिससे किसानों को गन्ने का उचित दाम मिलने लगा और गन्ना खरीद की एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया तैयार हुई। इस तरह सहकारिता के क्षेत्र ने किसानों के जीवन में एक बड़ा परिवर्तन लाने का काम किया है। मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी, छोटे, लघु, कुटीर उद्योग, महिला स्वयं सहायता समूह, बुनकर सोसाइटीज, इन सारे सेक्टरों में सहकारिता के माध्यम से बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार मिला है और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने उपभोक्ता सहकारी समितियों और आवास सहकारी समितियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला और बताया कि उन्होंने लोगों को कैसे लाभान्वित किया है। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी हमारी सहकारी समितियां आज मेक इन इंडिया को साकार कर रही हैं। सहकारिता सेक्टर हमारे देश का निर्यात बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय बनाने की प्रधानमंत्री की पहल से प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सहकारिता से आर्थिक परिवर्तन का नया युग शुरू होगा। बिरला ने यह आह्वान भी किया कि सहकारिता क्षेत्र में डिजिटलीकरण के द्वारा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ का मुख्य उद्देश्य देश में सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देना और विकसित करना है। इसके अतिरिक्त सहकारी क्षेत्र के निर्माण एवं विस्तार के लिए लोगों को शिक्षित करना, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना तथा सहकारी अधिनियम की पहली अनुसूची में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार सहकारी राय के प्रतिपादक के रूप में कार्य करना हैं। इसके अतिरिक्त सहकारिता की उपलब्धियों का प्रचार करना, सहकारी नीति के मामलों पर राय व्यक्त करना और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सहकारी आंदोलन के मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना तथा सहकारी महासम्मेलन, संगोष्ठियां, बैठकें, सम्मेलन और प्रदर्शनियां आदि आयोजित करना है।

तीन माह में दिल्ली वाले पी गए 6800 करोड़ रुपये की शराब

-एक्साइज विभाग ने दिए ब्रिकी के आंकड़े, एक तिमाही में 62 करोड़ बोतलें बिकीं

अजय कुमार

नई दिल्ली। आबकारी विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि दिल्ली वालों ने तीन महीने में 6800 करोड़ रुपये की शराब पी डाली। वहीं इससे दिल्ली सरकार का खजाना भी भर गया है। हालांकि इतनी शराब पीने पर यकीन करना मुश्किल हो रहा है। लेकिन यह सच है कि दिल्लीवासियों ने 62 करोड़ बोतलें तिमाही में खाली कर दी। एक्साइज से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में साल 2023-24 की पहली तिमाही में 6821 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई है। शराब की इस बिक्री से दिल्ली सरकार मालामाल हो गई। इस जबरदस्त बिक्री के आधार पर, दिल्ली सरकार के एक्साइज विभाग ने 2023-24 की पहली तिमाही में एक्साइज ड्यूटी और मूल्य वर्धित कर (वेट) के रूप में लगभग 1,700 करोड़ रुपये जुटाए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कमाई वित्त वर्ष 2022-23 के बराबर थी जब विभाग ने 62 करोड़ से अधिक शराब की बोतलें बेचकर 6,821 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। इस राशि में एक्साइज शुल्क के रूप में 5,548.48 करोड़ रुपये और वैट के रूप में 1,272.52 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस बार चार सरकारी निगमों की तरफ से अधिक शराब की दुकानें खोली गई हैं। साथ ही शराब परोसने के लिए नए होटलों और रेस्ट्रॉ के एक्साइज लाइसेंस लेने से राजस्व बढ़ने की उम्मीद है। निगम के एक अधिकारी ने कहा कि गर्मियों के दौरान बीयर, जिस पर तुलनात्मक रूप से कम एक्साइज ड्यूटी लगती है। इस वजह से स्पिरिट की तुलना में यह अधिक बिकती है। यही कारण है कि वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही की तुलना में पहली छमाही में रेवेन्यू कलेक्शन हमेशा अपेक्षाकृत कम होता है। उस दौरान व्हिस्की अधिक बिकती है। दिल्ली सरकार के चार निगम - दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम, दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम और दिल्ली उपभोक्ता सहकारी थोक स्टोर - मिलकर 574 शराब की दुकानें चलाते हैं। वहीं, शहर में 930 से अधिक होटल, क्लब और रेस्तरां शराब परोसी जाती है। दिल्ली सरकार ने अपने 2023-24 के बजट में वित्तीय वर्ष में कुल स्टेट एक्साइज ड्यूटी कलेक्शन 7,365 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया है। एक्साइज डिपार्टमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्साइज पॉलिसी जिसे पुरानी एक्साइज पॉलिसी भी कहा जाता है, के तहत बिक्री अपेक्षाकृत कम होने पर भी सरकार को अधिक राजस्व मिलता है। हालांकि, अब वापस ली गई नई शराब पॉलिसी में, विभिन्न योजनाओं और डिस्काउंट्स के कारण सेल में तेजी से बढ़ोतरी होने पर भी सरकार का रेवेन्यू फिक्स था। इसीलिए 2022-23 की आखिरी तिमाही में बिक्री कम हो सकती है, लेकिन वास्तविक रेवेन्यू अभी भी अधिक था।

ट्विटर ने काम करना किया बंद, लोग एलन मस्क को कह रहे भला-बुरा

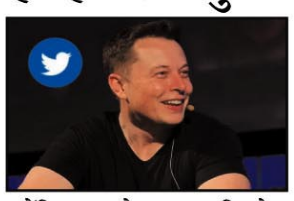

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सहित दुनिया भर में सोशल प्लेटफार्म ट्वीटर ने काम करना बंद कर दिया, इसे लेकर यूजर्स परेशान हो गए। इस दौरान लाखों उपयोगकताओं ने एलन मस्क को भला-बुरा कहा। क्योंकि उनके माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को वैश्विक स्तर पर एक बड़ी खराबी का सामना करना पड़ा, जिससे हजारों उपयोगकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंचने से बच गए। लगभग 7,000 से अधिक उपयोगकताओं ने ट्विटर के साथ समस्याओं की सूचना दी। एक ट्विटर यूजर ने पोस्ट किया कि कोई एलन को जगाए और उसे बताए कि उसका 44 बिलियन डॉलर ऐप काम नहीं कर रहा!। एक अन्य यूजर ने लिखा कि मैं यह देखने के लिए ट्विटर पर आ रहा हूं कि यह क्यों कहता है रेट लिमिट पार हो गई। लोग ट्विटर पर डाउन हैशटैग भी ट्रेंड कर रहे थे। इससे पहले शनिवार को, ट्विटर ने बिना अकाउंट वाले लोगों के लिए अपने वेब प्लेटफॉर्म पर ब्राउज़िंग एक्सेस बंद कर दी थी, क्योंकि मस्क ने कहा था कि डेटा स्क्रैपिंग के अत्यधिक स्तर के कारण यह कठोर कार्रवाई जरूरी थी। यह स्पष्ट नहीं था कि नवीनतम आउटेज पिछली चाल को निष्पादित करने के लिए बैकएंड परिवर्तनों का परिणाम था। इस संबंध में मस्क ने कहा कि यह एक अस्थायी आपातकालीन उपाय था। ट्विटर के मालिक ने पोस्ट किया, हमारा डेटा इतना लूटा जा रहा था कि यह सामान्य उपयोगकताओं के लिए अपमानजनक सेवा थी। उन्होंने दावा किया, एआई का काम करने वाली लगभग हर कंपनी, स्टार्टअप से लेकर पृथ्वी के कुछ सबसे बड़े निगमों तक, बड़ी मात्रा में डेटा स्क्रैप कर रही थी। हालांकि, ट्विटर उपयोगकर्ता शाम 6 बजे के आसपास शुरू हुए नवीनतम आउटेज से परेशान थे।

अब तक 7,900 लोगों ने की अमरनाथ यात्रा, एक और जत्था रवाना

श्रीनगर(ईएमएस)। रविवार को अमरनाथ यात्रा के लिए 4,903 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू-कश्मीर के जम्मू शहर से घाटी के लिए रवाना हुआ। यहां तैनान अधिकारियों ने कहा कि शनिवार को 7,900 यात्रियों ने मंदिर के अंदर दर्शन किए, जबकि चार हजार नौ सो से अधिक यात्री आज सुबह उत्तरी कश्मीर बालटाल और दक्षिण कश्मीर पहलगाम में शिविरों से पवित्र गुफा के लिए रवाना हुए। यात्रियों का एक और जत्था आज सुबह भगवती नगर यात्री निवास से सुरक्षा काफिले में घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि इनमें 3790 पुरुष, 847 महिलाएं, तीन बच्चे, 251 साधु, आठ साध्वियां और चार ट्रांसजेंडर शामिल हैं। 62 दिनों तक चलने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई और 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी। समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित, गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है, जिसके बारे में भक्तों का मानना है कि यह भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यहां पर बर्फ के स्टैलेग्माइट की संरचना घटती और बढ़ती रहती है।

एनआईए ने की "गजवा-ए-हिंद" के संबंध में तीन राज्यों में कई स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान स्थित संदिग्धों द्वारा चलाए जा रहे कट्टरपंथी मॉड्यूल "गजवा-ए-हिंद" के संबंध में तीन राज्यों में कई स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए ने बिहार के दरभंगा में एक और पटना में दो, सूरत (गुजरात) में एक और बरेली (उत्तर प्रदेश) में एक जगह सहित कुल पांच स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान डिजिटल डिवाइस, सिम कार्ड और दस्तावेजों सहित आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। यह मामला बिहार पुलिस द्वारा पटना के फुलवारीशरीफ क्षेत्र केमरगूब अहमद दानिश उर्फ ताहिर की गिरफ्तारी के बाद प्रकाश में आया था। पिछले साल 14 जुलाई को मामला दर्ज किया गया था। एनआईए ने 22 जुलाई, 2022 को मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मरगूब के विरुद्ध 6 जनवरी, 2023 को आईपीसी और यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया गया था। आरोपित गजवा-ए-हिंद मॉड्यूल का सदस्य था। गजवा-ए-हिंद का मकसद प्रभावशाली युवाओं को कट्टरपंथी बनाना था। इसे पाकिस्तान स्थित गुर्गों द्वारा संचालित किया गया था। जांच से पता चला कि मरगूब एक व्हाट्सएप ग्रुप "गजवा-ए-हिंद" का एडमिन था, जिसे जैन नाम के एक पाकिस्तानी नागरिक ने बनाया था। उसने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए देश में स्लीपर सेल स्थापित करने के उद्देश्य से कई भारतीयों, पाकिस्तानियों, बांग्लादेशियों और यमनी नागरिकों को समूह में जोड़ा था। आरोपित ने व्हाट्सएप, टेलीग्राम और बीआईपी मैसेंजर पर "गजवा-ए-हिंद" के विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप बनाए थे। उसने "बीडीगजवा ए हिंदबीडी" के नाम से एक और व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया था और इसमें बांग्लादेशी नागरिकों को जोड़ा था।

एमएमबी समंदर से निकालेगी रास्ता, मुंबई वासियों को ट्रेफिक जाम से मिलेगी मुक्ति

-लोकल ट्रेन, बेस्ट बस और मेट्रो के बाद अब वॉटर ट्रांसपोर्ट पर रहेगा फोकस

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र मेरी टाइम बोर्ड यानिकी एमएमबी ट्रेफिक जाम से मुंबईवासियों को निजात दिलाने एक नया रास्ता निकाल रही है। वॉटर ट्रांस्पोर्ट के जरिए अब यह रास्ता समंदर से होकर निकाला जाएगा। गौरतलब है कि यहां लोकल ट्रेनें न होतीं, तो ये शहर कभी देश की आर्थिक राजधानी न बनता। बेस्ट की बसें न होती, तो लोकल से उतरने के बाद मुंबईकर वक्त पर दफ्तर या घर नहीं पहुंचते। पिछले कुछ सालों में मुंबई की ये दोनों लाइफ लाइन का लोड बढ़ा, तो मेट्रो का जाल बिछाना शुरू किया गया, जो मुंबईकरों के लिए तीसरी लाइफ लाइन का काम करेगी। अब सरकार ने चौथी लाइफ लाइन पर काम करना शुरू कर दिया क्योंकि सात द्वीपों को जोड़कर बने इस शहर का संकट समंदर से ही हल होगा। मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई को मिलाकर बने मुंबई मेट्रोपोलिटन रीजन को जोड़ने के लिए सरकार ने बेलापुर (नवी मुंबई) और घोडबंदर (ठाणे) में वॉटर टर्मिनल बनाने का फैसला लिया है। वॉटर ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र मेरी टाइम बोर्ड (एमएमबी) ने ठाणे के घोड़बंदर रोड और नवी मुंबई के बेलापुर मे जेट्टी पार्किंग और यात्री टर्मिनल तैयार करने का निर्णय लिया है।

इस काम को डेढ़ साल में पूरा करने का दावा किया जा रहा है। टर्मिनल के निर्माण के लिए एमएमबी ने कॉन्ट्रैक्टर की तलाश शुरू कर दी है। इन दो स्थानों पर पैसेंजर टर्मिनल, जेट्टी पार्किंग समेत अन्य सुविधा के निर्माण पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एमएमबी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बेलापुर में ग्राउंग प्लस एक मंजिला यात्री टर्मिनल तैयार किया जाएगा। यहां वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, रेस्ट रूम होगा। टर्मिनल की पहली मंजिल पर ऑफिस होंगे। बेलापुर में यात्री टर्मिनल समेत अन्य सुविधा के निर्माण पर करीब 6.09 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ठेकेदार को बेलापुर यात्री टर्मिनल का निर्माण कार्य 18 महीने में पूरा करना होगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के क्षेत्र में जेट्टी और यात्री टर्मिनल इमारत एक साल में तैयार हो जाएगी। ठाणे के घोड़बंदर रोड पर जेट्टी पार्किंग और टर्मिनल इमारत के निर्माण पर करीब 3.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पिछले कुछ सालों में ठाणे का तेजी से विकास हुआ है।

अमरिंदर व रंधावा से वसूले जाएंगे गैंगस्टर अंसारी पर खर्च हुए 55 लाख

पंजाब सरकार ने गैंगस्टर अंसारी पर खर्च हुए 55 लाख देने से किया इनकार
राशि न देने पर कैप्टन और रंधावा की पेंशन और अन्य लाभ बंद किये जाएंगे

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य की जेलों में खतरनाक अपराधी मुख़्तार अंसारी की आरामदायक ठहरने पर खर्च किये गए 55 लाख रुपये का राज्य सरकार भुगतान नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि यह पैसा पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिन्दर सिंह रंधावा से वसूल किया जायेगा। रविवार को चंडीगढ़ में एक बयान जारी कर मुख्यमंत्री मान में कहा कि कैप्टन और रंधावा ने बदनाम गैंगस्टर को पंजाब की जेलों में ऐश के साथ रहने की छूट दी, जिसके कारण वह बेहतर ढंग से जानते होंगे। यह राज्य और इसके लोगों के विरुद्ध एक गंभीर अपराध है और इसमें शामिल लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि राज्य सरकार करदाताओं का पैसा इस तरह बर्बाद क्यों होने दे, जबकि उस समय सत्ता में रहने वालों ने अंसारी के साथ अपनी साझेदारी बनायी हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोगों के पैसे की बेशर्मी से की गई लूट है, जिसको बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें ही इस संबंधी भली-भांति जानती होंगी कि इस कुख्यात अपराधी को रोपड़ जेल में पूरी सुख-सहूलतों के साथ क्यों रखा गया था। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार ने आरामदायक ठहराव को यकीनी बनाने के अलावा यह यकीनी बनाया कि इस कुख्यात अपराधी को जेल के अंदर किसी किस्म की मुश्किल का सामना न करना पड़े और उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई से बचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैरानी की बात है कि उस समय की सरकार ने रोपड़ जेल में बंद इस अपराधी के हित महफूज रखने के लिए टैक्स भरने वालों के 55 लाख रुपये खर्च किये थे। मान ने कहा कि लोगों के पैसे की बेरहमी से की जाने वाली ऐसी लूट पूरी तरह गैरवाजिब है। उन्होंने कहा कि आम लोगों के पैसे की सरेआम लूट को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कैप्टन और रंधावा को यह पैसा अपनी जेब से भरना पड़ेगा नहीं तो इस राशि की वसूली के लिए उनकी पेंशन और अन्य लाभ बंद कर दिए जाएंगे।

महाराष्ट्र में 2 दिनों में 7 बड़े सड़क हादसे, 45 लोगों की मौत

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में हुए 7 बड़े सड़क हादसों में 45 लोगों की मौत हो गई है। सबसे बड़ा हादसा शनिवार को तडके बुलढ़ाणा जिले के सिंदखेड़ाराजा शहर में हुआ, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई। रविवार को बुलढाणा हादसे के सभी मृतकों का सामूहिक दाह संस्कार किए जाने की तैयारी जिला प्रशासन कर रहा है। इस हादसे के लिए जिम्मेदार बस ड्राइवर दानिश इस्माइल शेख को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुलढाणा सड़क हादसे में नागपुर से पुणे जा रही विदर्भ ट्रैवेल्स की निजी बस में आग लगने से 25 लोगों की जलकर मौत हो गई। इस घटना में आठ लोग बस का शीशा तोड़कर बाहर कूदकर निकले। इन सबका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। इस घटना में मृतकों के आश्रितों के परिजनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2-2 लाख रुपये, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 5-5 लाख रुपये और कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार ने 2-2 लाख रुपये देने की घोषणा की है। इस घटना के साथ ही बुलढाणा के मलकापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग 6 पर भी एक आयशर टैम्पो और बस की आमने-सामने टक्कर में एक गर्भवती महिला समेत 4 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनका मलकापुर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह बस सूरत से नागपुर जा रही थी। हादसे में आयशर के ड्राइवर और क्लीनर की भी मौके पर ही मौत हो गई। इसी तरह समृद्धि हाईवे पर अहमदनगर जिले के कोपरगांव तहसील में शुक्रवार को हुए एक हादसे में क्रूजर जीप से गुजर रहे संतोष राठोड़, उनकी पत्नी और उनकी डेढ़ साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए हैं। इसी तरह शुक्रवार शाम को सोलापुर के अक्कलकोट में एक क्रूजर और टैंकर की टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गयी और सात लोग घायल हो गए हैं। ये सभी देवदर्शन के बाद अपने गृहनगर कर्नाटक लौट रहे थे। घायलों को अक्कलकोट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नासिक के वाणी-सतापुड़ा हाईवे पर खोरीफट्या में शनिवार शाम को 6 बजे मारुति सुजुकी और क्रूजर के बीच हुए भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज नासिक ग्रामीण अस्पताल में किया जा रहा है। इसी तरह पुणे-सोलापुर हाईवे पर एक ट्रक दुर्घटना में 65 वर्षीय महिला की मौत हो गई और 70 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सड़क पर कीचड़ होने के कारण बस पलट गई और यह हादसा हो गया। गोंदिया में शनिवार को हुए एक हादसे में पिकअप वैन में सवार 40 महिला मजदूर घायल हो गई है। हादसा दावकी से कुक्कीमेटा मार्ग पर बोरगांव के पास हुआ। घायल महिलाओं का इलाज गोंदिया के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। धुले जिले के डोंडाई में शिंदखेड़ा रोड पर नायरा पेट्रोल पंप के पास कल शनिवार को दोपहर 1.30 बजे आयशर टैम्पो सड़क पर खड़ी कार से टकरा गया। इस घटना में रास्ते पर चल रही दो महिलाओं की मौत हो गई और एक डाकिया लक्ष्मण चौधरी घायल हो गया। डाकिया का इलाज धुले के जिला अस्पताल में हो रहा है।

मोदी सरकार ने पिछड़ा समाज को दी संवैधानिक मान्यता : अमित शाह

लखनऊ, (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि आजादी के बाद कभी भी किसी ने पिछड़ा समाज को संवैधानिक मान्यता नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग गठित कर पिछड़ा समाज को संवैधानिक मान्यता दी है। राजधानी लखनऊ के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद भजपा के नेतृत्व में एनडीए का मंत्रिमंडल है, जिसमें सबसे ज्यादा 27 केंद्रीय मंत्री पिछड़े समाज से हैं। सबसे ज्यादा दलित और पिछड़ा समाज के सांसद चुनकर मोदी के नेतृत्व में आये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़ी समाज के लोगों को आरक्षण देने का काम किया है। ओबीसी बच्चों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसा भेजने का काम नरेंद्र मोदी सरकार ने किया है। सुहेलदेव राजभर के नाम पर विश्वविद्यालय और सोने लाल पटेल के नाम पर मेडिकल कॉलेज बना है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले चारों चुनाव भाजपा और

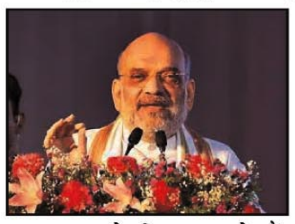

अपना दल ने मिलकर लड़े हैं। मिलकर जीते हैं। सपा, बसपा के विघटनकारी नीतियों का जवाब दिया है। 24 में भी अपना दल और निषाद पार्टी के साथ मिलकर भाजपा चुनाव लड़ेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया। 9 साल में 3 करोड़ से अधिक आवास बनाकर दिया। करीब 10 करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन दिया। अमित शाह ने केंद्र की मोदी सरकार की अन्य योजनाओं को भी गिनाया। कहा कि सरकार ने 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे बड़ा काम भारत को सुरक्षित करने का काम किया। सोनिया, मनमोहन की सरकार में कोई भी हमला कर देता था। जब मोदी सरकार बनी, तब भी आतंकी हमले की हिमाकत किये। वह भूल गए कि अब मौनी बाबा की सरकार नहीं है, देश का नेतृत्व मोदी के हाथों में है। हमारी सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर मारा। सर्जिकल स्ट्राइक किया। इसके साथ ही अमित शाह ने कार्यक्रम में मौजूद जन समूह से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का अपील की और संकल्प दिलाया। इस अवसर पर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपना दल संस्थापक सोनेलाल पटेल ने समाजिक न्याय का जो सपना देखा था, वह देश में पिछले नौ वर्षों से पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रतापगढ़ में सोनेलाल पटेल के नाम पर मेडिकल कालेज स्थापित कर रही है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर को मुख्य धारा से जोड़ा गया है। 70 से अधिक जनपद नक्सलवाद से पीड़ित थे। आज छह से सात जनपद बचे हैं। जल्द ही वे जिले भी नक्सल से मुक्त हो जाएंगे। पूर्व में समारोह को प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री योगी करेंगे गोरखनाथ व एम्स थानों का लोकार्पण

- मुख्यमंत्री योगी करेंगे गोरखनाथ व एम्स थानों का लोकार्पण

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखनाथ थाना अब नए भवन और नए कलेवर में प्रदेश के सबसे अत्याधुनिक और हाईटेक थानों में शुमार हो गया है। इसका लोकार्पण सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। वह इसी थाना परिसर में आयोजित समारोह से नवनिर्मित एम्स थाना भवन का भी लोकार्पण करेंगे। उल्लेखनीय है कि गोरखनाथ थाने के आगे का हिस्सा गोरखनाथ-सोनौली सड़क के चौड़ीकरण की वजह से निकल गया था। जर्जर भवन की चहारदीवारी टूटने लगी थी। थाने के कार्यालय के सामने भी पर्याप्त जगह नहीं थी। इस वजह से थाने के लिए नये भवन का निर्माण की योजना बनी। अब इसको तोड़कर नया बहुमंजिला भवन बनाया गया है। यह सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशंड है। इसके निर्माण पर 17 करोड़ 10 लाख 94 हजार रुपये की लागत आई है।

क्या है सुविधा - गोरखनाथ थाने का प्रशासनिक भवन तीन मंजिल तक विस्तारित है। बेसमेंट एरिया में पार्किंग व्यवस्था है। भूतल पर फीमेल हेल्पडेस्क, पूछताछ व स्वागत कक्ष, पुरुष लॉकअप, महिला लॉकअप, शस्त्रागार, एसएचओ रूम, मालखाना, कार्यालय, मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक, इंट्रोगेशन रूम बनाया गया है। प्रथम तल पर विवेचना कक्ष, सीसीटीएनएस रूम, मीटिंग हाल, फीमेल सब इंस्पेक्टर केबिन व मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक स्थित है। द्वितीय तल पर किचेन, मेल सब

इंस्पेक्टर केबिन, वाशिंग लॉबी, पैंट्री युक्त डायनिंग हाल तथा मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक की सुविधा है और तृतीय तल पर कांस्टेबल के लिए 3 अलग-अलग बैरक, मेल सब इंस्पेक्टर केबिन, मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक हैं।

एम्स थाना का भी करेंगे लोकार्पण - नवसृजित एम्स थाना जनपद के नवसृजित थानों में भूतल व दो मंजिल तक निर्मित है। इसके प्रशासनिक भवन पर 05 करोड़ 41 लाख 95 हजार रुपये खर्च की गयी है।

यह है सुविधा - भूतल पर स्वागत कक्ष, टॉयलेट सुविधायुक्त शिकायत कक्ष, टॉयलेट सुविधायुक्त एसओ रूम, एसआई रूम, स्टाफ रूम, मेल लॉकअप, फीमेल लॉकअप, मालखाना, कार्यालय, मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक बनाया गया है। प्रथम तल पर एसआई रूम, पैंट्री, ड्रेसिंग रूम व टॉयलेट की सुविधा से युक्त फीमेल रेस्ट रूम, मीटिंग हाल, सर्विलांस रूम, मालखाना, कम्प्यूटर व सर्वर रूम, डायल 100 कंट्रोल रूम व मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण हुआ है। द्वितीय तल पर बैरक, हेड कांस्टेबल रूम, एसआई रूम, स्टोर युक्त किचन, डायनिंग हाल, लॉबी व मेल-फीमेल टॉयलेट ब्लॉक की सुविधा है।

चंद्रशेखर आजाद के उल्टे-सीधे बयान से आहत होकर हमलावरों ने बनाई थी जान से मारने की योजना: डीआईजी

सहारनपुर, (हि.स.)। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के उल्टे-सीधे बयानों से आहत होकर उनको जान से मारने की योजना बनाई थी। उन पर जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपितों ने पुलिस की पूछताछ में यह बात स्वीकार किया है। इन चारों आरोपितों को उत्तर प्रदेश पुलिस ने शनिवार को हरियाणा के अंबाला से गिरफ्तार किया था। चंद्रशेखर आजाद और उनके साथियों पर 28 जून को सहारनपुर जिले के देवबंद में कार सवार बदमाशों ने जानलेवा हमला किया था। इसमें चंद्रशेखर घायल हुए थे। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त सहानपुर के ग्राम रणखंडी निवासी विकास उर्फ विक्की, प्रशांत, लविश उर्फ अभिषेक और हरियाणा के गोंदर गांव निवासी विकास उर्फ विक्की हैं। इनके पास से दो तमंचा मय कारतूस और घटना में प्रयोग की गई कार बरामद की गई है। पूछताछ में अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि घटना वाले दिन वह करनाल निवासी अपने दोस्त विक्की को मेरठ से लेकर लौट रहे थे। रोहाना कोल टोल के पास खाना खाने के लिए एक ढाबे

पर रुके। उन्होंने वहां देखा कि क्षेत्र में बड़ी भीड़ एकत्र है। पता करने पर यह जानकारी मिली कि इस मार्ग से चंद्रशेखर आजाद अपने समर्थकों के साथ देवबंद में किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। चंद्रशेखर ने दिल्ली और आसपास के कई इलाकों में उल्टे-सीधे बयान दिए थे। इससे वे लोग काफी आहत थे और उसी दौरान उनकी हत्या की योजना बना ली। इसके बाद कार्यक्रम की रेकी की गई और जैसे ही चंद्रशेखर अपने काफिले के साथ गाड़ी में बैठकर निकले और कूछ दूर जाकर स्पीड ब्रेकर पर गाड़ी धीमी हुई तो तीनों ने फायर कर दिया। तीन राउंड गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली चंद्रशेखर को भी लग गई। इसके बाद हम लोग भाग निकले। कुछ दूर जाने के बाद तेल खत्म होने पर वाहन को मिरगपुर में छोड़कर जंगलों के रास्ते से दो दिन में अंबाला पहुंचे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस ऑपरेशन में उत्तर प्रदेश पुलिस की पांच टीमें और और हरियाणा की एसटीएफ की भी मदद ली गई थी। पुलिस महानिदेशक ने ऑपरेशन को 72 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करने वाली टीम को 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है।

यूसीसी का सबको समर्थन करना चाहिए : रामदास आठवले

लखनऊ, (हि स.)। सोनेलाल पटेल की जयंती के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जन स्वाभिमान दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि समान नागरिक संहिता(यूसीसी) का सभी को समर्थन और स्वागत करना चाहिए। यूजीसी का लंबे समय से देश को इंतजार था। यह किसी एक दल, बिरादरी और धर्म के लिए नहीं है। यह देश के प्रत्येक नागरिक के लिए लाया जा रहा है। उल्लेखनीय है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल में

यूनिफॉर्म सिविल कोड पर आए बयान के बाद देश भर में विपक्षी विरोध जता रहे हैं। अपना दल एस के कार्यक्रम में जब रविवार को केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले से पत्रकारों ने सवाल किए तो उन्होंने कहा कि सभी को इसका समर्थन करना चाहिए।

पीएम-सीएम तक पहुंचा लाखों लीटर शुद्ध पानी सड़क पर बहाने का मामला

- भाजपा के क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी निमित्त ने मुरादाबाद में सीवर लाइन खुदाई के दौरान लाखों लीटर शुद्ध पानी जमीन पर नाले-नालियों में बहाए जाने की शिकायत पीएम-सीएम को पत्र भेजकर कर की

मुरादाबाद (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी निमित्त ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड डाक से पत्र व फोटो भेजकर मुरादाबाद में एमडीए कालोनी में सीवर लाइन के खुदाई कार्य के चलते प्रतिदिन करीब लाखों लीटर शुद्ध पानी सड़क पर व नाले-नालियों में बहाये जाने की शिकायत की है। उन्होंने जनसुनवाई पोर्टल पर भी इसकी शिकायत दर्ज कराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में निमित्त ने कहा कि मुरादाबाद में मुरादाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित कॉलोनी आशियाना और रामगंगा विहार में काफी समय से सीवर लाइन डालने का कार्य चल रहा है, लेकिन विगत 20-25 दिन से रामगंगा विहार स्थित सेल टैक्स चौराहे से सेवा नियोजन कार्यालय आशियाना कॉलोनी जाने वाली मुख्य रोड (डिवाइडर वाली सड़क) पर आशियाना कॉलोनी व रामंगगा विहार में एक तरफ की सड़क पर सीवर लाइन डालने का कार्य प्रगति पर है। सेल टैक्स चौराहे से सेवा नियोजन कार्यालय को जाने वाली रोड से

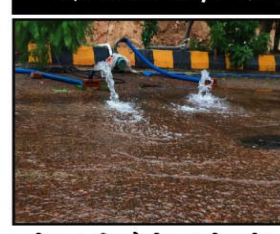

करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर रामगंगा नदी बह रही है। सीवर लाइन डालने हेतु जगह-जगह खोदे जा रहे वहद गड्ढों में खुदाई के दौरान रामगंगा नदी का पानी न आ जाए, इसीलिए वहां पर प्रत्येक गड्ढे के किनारे चार से पांच बोरिंग कर दिए गए हैं। निमित्त ने पत्र में आगे कहा कि वहां कार्य कर रहे मजदूरों का कहना है कि सीवर लाइन खुदाई के दौरान इन बोरिंगों के माध्यम से अंधाधुंध पानी निकाला जा रहा है। इस प्रकार इन बोरिंगों में से प्रतिदिन करीब लाखों लीटर शुद्ध पानी जमीन पर और नाले-नालियों में बहाया जा रहा हैं, जिससे शुद्ध जल का प्रतिदिन दुरुपयोग हो रहा है। सड़क पर बह रहे पानी के कारण दोपहिया वाहन चालक भी हादसे के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के द्वारा जल का अपव्यय रोकने, जल का संरक्षण करने के लिए लाखों करोड़ों रुपये लोगों को जागरूक करने के लिए व्यय किए जाते हैं। निमित्त ने आगे कहा कि जमीन पर और नाले-नालियों में बहाये जाने वाले इस शुद्ध पानी को पाइप आदि के माध्यम से रामगंगा नदी में पहुंचाया जा सकता है या इस शुद्ध पानी को टैंक इत्यादि में स्टोरेज कर मुरादाबाद या आस-पास के जिले में सूख रहे तालाबों में डलवाया जा सकता है। इससे जमीन पर और नाले-नालियों में बह रहे शुद्ध पानी का सदुपयोग हो सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस मामले में उचित कार्रवाई कर संबंधित विभाग को निर्देशित करने की कृपा करें।

दरोगा के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में लगे डीजे की धुन पर ठुमके

जालौन, (हि.स.)। जालौन में खाकी वर्दी का बल्ले बल्ले डांस सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। वर्दी पहनकर डीजे की धुन पर डांस करते हुए वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वही अधिकारियों का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है, जांच की जाएगी। उक्त मामला जालौन कोतवाली परिसर का है। यहां पर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक शिव भूषण वर्मा 30 जून को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो गए थे।

उनके सेवा निवृत्त होने के मौके पर पुलिसकर्मियों ने कोतवाली में पार्टी रखी और इस रिटायरमेंट पार्टी में पुलिस के आला अधिकारी भी मौजूद रहे। पार्टी में डीजे की धुन की शुरूआत हुई तो पुलिसकर्मी अपने पैर नहीं रोक सके और कोतवाली परिसर में जमकर डीजे की धुन पर नाच गाना हुआ। रिटायरमेंट पार्टी के दौरान क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार गौतम व कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक के साथ अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।आला अधिकारियों ने उपनिरीक्षक के रिटायरमेंट होने पर बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना भी की। कार्यक्रम के समापन के बाद पुलिस कर्मियों के द्वारा डीजे की धुन पर डांस शुरू हुआ जिसमें कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक समीर कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी वर्दी में फिल्मी गानों की धुन पर डांस करते हुए नजर आए। पुलिसकर्मियों का डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडियापर जमकर वायरल हुआ जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले की जांच करने की बात कही है।

बीएयू में कृषि वैज्ञानिकों के दल ने खरीफ शोध के कार्यों को देखा, दिए निर्देश

रांची, (हि.स.)। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह एवं डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों के दल ने वेस्टर्न सेक्शन फार्म के खेतों में खरीफ शोध से संबंधित कार्यों का आकलन किया। पौधा प्रजनक वैज्ञानिकों के दल ने पिछले चार-पांच दिनों की बारिश को देखते हुए अगले एक-दो दिनों में टांड़ एवं मध्यम भूमि की तैयारी पूरी करने और खरीफ फसलों की बोआई शुरू करने की योजना बनायी। मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह ने वैज्ञानिकों को करीब 55 एकड़ में फैले इस शोध फार्म में खरीफ शोध से जुड़ी फसलों में मडुआ, मकई, अरहर, उरद, मूंग, सरगुजा, मूंगफली एवं सोयाबीन आदि का बुवाई कार्य को एक सप्ताह में पूरी करने को कहा। शोध कार्य में बीएयू द्वारा विकसित एवं हाल में विकसित किस्मों के गुणात्मक बढ़ोतरी को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने पौधा प्रजनक वैज्ञानिकों को राज्य के तीन कृषि पारिस्थितिकी में अवस्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, दुमका, चियांकी एवं दारीसाई का दौरा करने और विकसित किस्मों तथा शोध कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। डॉ सिंह ने वैज्ञानिकों को विभिन्न आईसीएआर परियोजना के अधीन संचालित अनुसंधान कार्यक्रमों के तहत किसानों के खेतों में खरीफ फसलों का अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण ससमय शुरू करने का निर्देश दिया। साथ ही बीजोत्पादन एवं अन्य कार्यक्रमों में राज्य के कृषि विज्ञान केन्द्रों की सहभागिता एवं सहयोग पर बल दिया। डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही ने बोवाई से पूर्व खेतों में खाद एवं उर्वरक प्रबंधन तथा दलहन एवं तिलहन फसलों में राइजोबियम कल्चर के उपयोग पर प्रकाश डाला। आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग की अध्यक्षा डॉ मणिगोप्पा चक्रवर्ती ने बताया कि वेस्टर्न सेक्शन फार्म में 8 आईसीएआर-अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं एवं 12 राज्य योजनाओं से संबंधित खरीफ शोध कार्यक्रम होंगे।

यूनिफार्म सिविल कोड पर झारखंड में गरमाई सियासत, सत्ता पक्ष ने कानून को विभाजनकारी करार दिया

रांची, (हि.स.)। झारखंड में भी यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) का मुद्दा गरमा गया है। सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों को विभाजनकारी करार दिया है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने यूसीसी लागू करने के मोदी सरकार के प्रयासों को विभाजनकारी बताता। उन्होंने कहा कि देश इसे स्वीकार नहीं करेगा। साथ ही कहा कि यह मोदी सरकार का सिर्फ चुनावी एजेंडा भर है और बेहद गंभीर मुद्दा भी है। सुप्रियो ने कहा कि जब भाजपा और उसके नेता यूसीसी की बात करते हैं तो उन्हें बताना चाहिए कि आदिवासी समुदाय को लेकर उनकी सोच क्या है। उन्होंने जनजातीय समुदायों के रीति रिवाजों को संविधान के आर्टिकल 5 और आर्टिकल 6 का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान से उसे प्रोटेक्शन मिला हुआ है, उसे कैसे चेंज करेंगे? क्या आदिवासी और मूलवासियों को बाहर निकाल दिया जाएगा, यह आज एक बड़ा सवाल है। साथ ही कहा कि ट्राइबल सोसाइटी को लेकर भाजपा की सोच क्या है, यह उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए। सरना धर्म कोड का क्या हुआ, यह बताना चाहिए। सुप्रियो ने कहा कि यूसीसी एक मनुवादी सोच भर है और देश उसे स्वीकार नहीं करेगा। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने यूसीसी लागू किए जाने के प्रयासों को चुनावी लाभ लेने की भाजपा की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि जब मणिपुर जल रहा था, तब प्रधानमंत्री अपना बूथ मजबूत कर रहे थे और गृहमंत्री का कहीं अता पता नहीं था। ऐसे में जब भोपाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूसीसी की बात अपने कार्यकताओं से कही, तब देशवासी समझ गए कि कहीं ना कहीं चुनाव होने वाला है। राकेश ने कहा कि अभी यूसीसी को लेकर देशवासियों से राय मांगी गई है। राय आने दीजिए। कांग्रेस सही समय पर अपनी बात देश की जनता के सामने रख देगी। राष्ट्रीय जनता दल की प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने बहुत सोच समझ कर संविधान की रचना की थी। उन्होंने सभी धर्म और पंथ के लोगों को अपने-अपने तरीके से रहने की आजादी दी थी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने संगठन सशक्तिकरण अभियान की समीक्षा की

रांची, (हि. स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रविवार को संगठन सशक्तिकरण अभियान की समीक्षा की। साथ ही वर्चुअल बैठक में प्रखंड, पंचायत एवं बूथ स्तर तक की गठित कमेटी की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी महासचिव प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि अविलंब प्रखंड अध्यक्षों और विधानसभा प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पंचायत एवं बूथ स्तर तक की कमेटी का सत्यापन करें। क्योंकि, पंचायत और बूथ कमेटी के जरिए हम आने वाले लोकसभा के चुनावों में मजबूती के साथ चुनाव लड़ने का

काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश, देश में बढ़ती नफरत का वातावरण को हम तभी खत्म कर सकते हैं जब हम बूथ स्तर के एक-एक व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, शहजादा अनवर सहित सभी जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी उपस्थित थे।

एम्स, ओवरब्रिज की मांग को लेकर सैकड़ों छात्र जाप कार्यकर्ता महाधरना में होंगे शामिल

सहरसा, (हि.स.)। जन अधिकार छात्र परिषद की बैठक होटल कोशी विहार मत्स्यगंधा में रविवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर छात्र अध्यक्ष शंकर ने बताया कि जन अधिकार पार्टी लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर जिले में एम्स निर्माण और हवाई अड्डे जैसे ज्वलंत मुद्दों को चालू करने की मांग को लेकर के जन अधिकार पार्टी द्वारा कोशी के तीनों जिले के मुख्यालय में 5 जुलाई को महाधरना दिया जाएगा। इस महाधरना को सफल बनाने के लिए हमारी छात्र परिषद की पूरी टीम निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। जिलाध्यक्ष ने बैठक को संबोधित कर कहा कि एम्स निर्माण के लिए सहरसा में जमीन उपलब्ध है।जिला प्रशासन द्वारा कई बार जमीन मापी कर के रिपोर्ट भेज दी गई है। लेकिन फिर क्यों सरकार नजर अंदाज कर रही है। राज्य में सबसे गरीब और पिछड़ा हुआ इलाका सहरसा ही है। जहां आए दिन सत्तरकटैया प्रखंड क्षेत्र में सेकड़ों केंसर

पीड़ित रोगी की मृत्यु हो चुकी है। अभी भी सैकड़ों बीमार पड़े हैं। एम्स निर्माण और हवाई अड्डे चालू होने से सहरसा सहित कोशी के तीनों जिलेवासियों के गरीब मजदूर किसान छात्र युवाओं को ईलाज में काफी सुविधाओं व रोजगार का अवसर मिलेगा। इस दौरान कई छात्र नेताओं ने बैठक में अपनी अपनी बातें रखी। किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अरबिंद यादव ने कहा कि एम्स और हवाई अड्डा के मामलों को लेकर के पूर्व सांसद पप्पू यादव के विचार को जन जन तक पहुचाने लिए हर घर दस्तक अभियान के साथ साथ गांव गांव में पदयात्रा करने की बात कही। बैठक में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अध्यक्ष नंदन कुमार,वरिष्ठ छात्र नेता आजाद कुमार, एस एन एस कॉलेज अध्यक्ष अंशु कुमार सिंह, जिला महासचिव आशीष कुमार, छात्र नेता अफसर राइन, छात्र प्रखंड अध्यक्ष सत्तरकटैया नीतीश कुमार, छात्र प्रखंड अध्यक्ष नवहट्टा महादेव यादव, छात्र नेता पंकज कुमार, नरेश ऐंगल, गुड्डू कुमार,चांद सिद्दिकी, नरेश कुमार, अनुज कुमार पटेल, अमर कुमार, विनय कुमार, विलास यादव,कुणाल कुमार, प्रिंस कुमार,हैप्पी साहू, सुशील कुमार,सतीश कुमार, प्रिंस यादव, शिवबालक कुमार छात्र नेता आदि बैठक में शामिल थे।

17 करोड़ 68 लाख की लागत से गंगा नदी में कराए गए कटाव रोधी कार्य की खुली पोल

भागलपुर, (हि.स.)। जिले में हुई मुसलाधार बारिश ने इंग्लिश गांव के समीप गंगा नदी में 17 करोड़ 68 लाख की लागत से कराये गए कटाव रोधी कार्य की पोल खोल कर रख दी है। उल्लेखनीय है कि सबौर प्रखंड के इंग्लिश गांव में बीते वर्ष गंगा किनारे तेज कटाव हुआ था। जिसके बाद कई घर गंगा में समाहित हो गए थे। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने कटाव रोधी कार्य के लिए 17 करोड़ 68 लाख रुपये दिए। गंगा किनारे जियो बैग डाल दिया गया। अब बारिश होते ही ऊपर लगाई गयी बोरियां तास के पत्तों की नदी में ढह कर समा गया। इसके बाद आनन फानन में फिर इंजीनियर द्वारा उस हिस्से में बोरी लगाया जा रहा है। अब

सवाल यह है कि आखिर जनता की गाढ़ी कमाई कब तक सरकार के अधिकारी पानी में मिलाते रहेंगे। करोड़ों का काम का जब बारिश में यह हाल है तो आगे गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी होने के बाद क्या हालात होंगे। जल संसाधन विभाग के इंजीनियर से इसको लेकर सवाल किया गया तो इंजीनियर जवाब नहीं दे पाए। ग्रामीणों में अब डर है कि कहीं इस बार फिर उनके आशियाने न उजड़ जाए।

बिहार के विकास का विजन लेकर प्रशांत किशोर ने शुरू की जन सुराज पदयात्रा

पटना, (हि.स.)। प्रशांत किशोर ने एक बार फिर रविवार को जन सुराज पदयात्रा का आगाज किया।समस्तीपुर के मोरवा प्रखंड में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जन सुराज पदयात्रा का उद्देश्य नए बिहार की बुनियाद रखना है। साथ ही कहा कि जमीनी स्तर पर लोगों से बातचीत के जरिए बेरोजगारी, पलायन, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर 15 वर्षों के लिए पंचायत स्तर पर बिहार के विकास का प्लान तैयार करना है। प्रशांत किशोर ने कहा कि एक अच्छी सोच व व्यवस्था को लेकर पदयात्रा शुरू कर रहे हैं। मेरी सोच ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिससे अच्छे समाज का निर्माण हो सके। समाज में अच्छी सोच वाले व्यक्ति की तलाश कर उन्हें प्रेरित करेंगे। बिहार आजादी के 75 साल बाद भी सबसे पिछड़ा राज्य है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चलते लोगों का बुरा हाल है। उन्होंने

पदयात्रा के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य बिहार के लोगों को जमीनी स्तर पर मदद करनी है। लोगों से संवाद के जरिए उनकी समस्याओं को जानना है। बिहार के लोगों के लिए, बिहार के विकास के लिए अगले 15 वर्ष में विकास का विजन भी तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि प्रशांत किशोर ने पिछले साल 2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती पर बिहार में जन सुराज पदयात्रा की शुरूआत गांधी आश्रम भितरिहवा से की थी लेकिन बीते 15 मई को स्वास्थ्य कारणों से यात्रा को कुछ दिनों के लिए इस वादे के साथ स्थगित कर दिया था कि वापस वहीं से शुरूआत करूंगा, जहां रोक रहा हूं। प्रशांत किशोर अब तक 7 जिलों में 2800 किलोमीटर से अधिक पैदल चल चुके हैं। पिछले साल पदयात्रा की जब शुरूआत हुई थी तब प्रशांत किशोर ने बताया था पदयात्रा 3500 किलोमीटर की होगी लेकिन जैसे-जैसे जनता का जुड़ाव होता गया, उसी के साथ जिलों में पदयात्रा का सफर बढ़ता गया।

संपादकीय

राजभवन की गफलत

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने अचानक जिस तरह से राज्य के एक मंत्री वी सेंथिल बालाजी को बर्खास्त करने का आदेश दिया, वह सकते में डालने वाला है। हालांकि इसके थोड़ी ही देर बाद, संभवतः गृह मंत्रालय के सुझाव पर, राज्यपाल ने यह कहते हुए अपने उस आदेश पर अमल रुकवा दिया कि वह इस पर कानूनी राय लेना चाहते हैं। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। राज्यपाल का आदेश निकल चुका था, जिससे हतप्रभ राज्य सरकार को समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा कैसे हो गया? क्या वाकई राजभवन से मंत्रिमंडल की सलाह के बगैर ऐसा आदेश दिया जा सकता है? आदेश की पुष्टि होने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही। गनीमत रही कि गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को समझा और उसकी सलाह पर राज्यपाल ने अपने कदम पीछे खींच लिए। लेकिन यह सवाल रह ही गया कि आखिर राज्यपाल कार्यालय अपनी कार्यसीमा, अधिकार क्षेत्र और संवैधानिक प्रक्रियाओं को समझने में इतनी बड़ी गलती कैसे कर सकता है? यह कोई राज की बात तो है नहीं कि देश में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था को अपनाया गया है, जिसमें शासन की असल शक्तियां जनता द्वारा निर्वाचित संसद और विधानसभाओं में निहित होती हैं। रोजमर्रा के कामकाज के लिए मंत्रिमंडल इसका इस्तेमाल करता है, लेकिन वह अपने सभी फैसलों के लिए पूरी तरह संसद या विधानसभाओं के प्रति जवाबदेह होता है। राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर राज्य में होता है और कुछ खास स्थितियों को छोड़कर प्रशासनिक कार्यों में उसका कोई दखल नहीं होता। वह मंत्रिमंडल की सलाह पर ही फैसले करता है। यह व्यवस्था देश में शुरू से चली आ रही है। समय-समय पर कुछ जटिलताएं या अनिश्चितताएं सामने आती हैं, उस वजह से फैसले में या फैसले लेने की प्रक्रिया में गड़बड़ियां होती हैं तो उनके निपटारे के लिए न्यायपालिका है, जो अपना काम बखूबी करती रही है। राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी समय-समय पर आए सुप्रीम कोर्ट के तमाम फैसले हैं, जो किसी बड़ी गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहने देते। इसके बावजूद अगर तमिलनाडु में राज्यपाल कार्यालय से इस तरह की गलती हो जाती है तो संबंधित पक्षों के लिए यह चिंता की बात है। हालांकि राज्यपाल के फैसले पर विवाद का यह कोई पहला मामला नहीं है, अतीत में तमाम दलों की सरकारों के कार्यकाल में ऐसे विवाद सामने आते रहे हैं, लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ समय से खास तौर पर उन राज्यों के राज्यपालों की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं, जहां गैर-बीजेपी दलों का शासन है। ऐसे में केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ दल को शायद इस समस्या पर ज्यादा गंभीरता से गौर करने की जरूरत है।

> राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर राज्य में होता है और कुछ खास स्थितियों को छोड़कर प्रशासनिक कार्यों में उसका कोई दखल नहीं होता। वह मंत्रिमंडल की सलाह पर ही फैसले करता है। यह व्यवस्था देश में शुरू से चली आ रही है। समय-समय पर कुछ जटिलताएं या अनिश्चितताएं सामने आती हैं, उस वजह से फैसले में या फैसले लेने की प्रक्रिया में गड़बड़ियां होती हैं तो उनके निपटारे के लिए न्यायपालिका है, जो अपना काम बखूबी करती रही है। राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी समय-समय पर आए सुप्रीम कोर्ट के तमाम फैसले हैं, जो किसी बड़ी गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहने देते। इसके बावजूद अगर तमिलनाडु में राज्यपाल कार्यालय से इस तरह की गलती हो जाती है तो संबंधित पक्षों के लिए यह चिंता की बात है।

गुरु पूर्णिमा- 3 जुलाई 2023 पर विशेष

राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वर-तुल्य गुरु

ललित गर्ग

> हमारी प्राचीन गुरुकुल परम्परा एवं गुरुकुल संस्कृति ने महर्षि, तपस्वी, राष्ट्रभक्त, चक्रवर्ती सम्राट और जगद्गुरु तक के सुयोग्य महापुरुष उपलब्ध कराए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने भी गुरु महिमा को सर्वोपरि माना है। जनकपुरी में ऋषि विश्वामित्र की सेवा इसका प्रमाण है। भारतीय संस्कृति में गुरु आश्रय रहित व्यक्ति को अत्यंत हेय माना गया है। हमारे देश के ऋषि–महर्षि, तीर्थंकर और महात्मा गौतम बुद्ध, महावीर जैसी दिव्य विभूतियों ने गुरु पद से अपने उपदेशों से उदार भावना स्थापित की। भौतिकवादी युग में गुरु के प्रति आस्था में न्यूनता आई है, जिसके परिणाम स्वरूप जीवन में अशांति, असुरक्षा और मानवीय गुणों का अभाव हो रहा है।

भारतीय संस्कृति में गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व है, यह गुरु-पूजन का पर्व है। सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पर्व, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। पर्वों, त्यौहारों और संस्कारों की भारतभूमि में गुरु का स्थान सर्वोपरि माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है, हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन से ऋतु परिवर्तन भी होता है। इसदिन शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और अपने गुरु को यथाशक्ति दक्षिणा, पुष्प, वस्त्र, उपहार आदि भेंट करते हैं। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा? गुरु ही शिष्य का मार्गदर्शन करते हैं और वे ही जीवन को ऊर्जामय बनाते हैं। हमारी प्राचीन गुरुकुल परम्परा एवं गुरुकुल संस्कृति ने महर्षि, तपस्वी, राष्ट्रभक्त, चक्रवर्ती सम्राट और जगद्गुरु तक के सुयोग्य महापुरुष उपलब्ध कराए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने भी गुरु महिमा को सर्वोपरि माना है। जनकपुरी में ऋषि विश्वामित्र की सेवा इसका प्रमाण है। भारतीय संस्कृति में गुरु आश्रय रहित व्यक्ति को अत्यंत हेय माना गया है। हमारे देश के ऋषि-महर्षि, तीर्थंकर और महात्मा गौतम बुद्ध, महावीर जैसी दिव्य विभूतियों ने गुरु पद से अपने उपदेशों से उदार भावना स्थापित की। भौतिकवादी युग में गुरु के प्रति आस्था में न्यूनता आई है, जिसके परिणाम स्वरूप जीवन में अशांति, असुरक्षा और मानवीय गुणों का अभाव हो रहा है। गुरु पूर्णिमा के मौके पर वे लोग परेशान होते हैं जिनके कोई गुरु नहीं हैं कि वे किसकी पूजा करके आशीर्वाद प्राप्त करें। ऐसे लोगों की चिंता का समाधान तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में किया है कि ...जै जै जै हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई। उन्होंने कहा है कि अगर किसी का गुरु नहीं है तो वह हनुमानजी को अपना गुरु बना सकता है। श्री गुरु चरण के स्मरण मात्र से ही आत्मज्योति का विकास हो जाता है। भारतीय संस्कृति में गुरु पद को सर्वोपरि माना गया है। गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन

कृतार्थता से भर उठता है। क्योंकि गुरु बिना न आत्म-दर्शन होता और न परमात्म-दर्शन। गुरु भवसागर पार पाने में नाविक का दायित्व निभाते हैं। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके। यह त्योहार गुरु-शिष्य के आत्मीय संबंधों को सचेतन व्याख्या देता है। काव्यात्मक भाषा में कहा गया है- गुरु पूर्णिमा के चांद जैसा और शिष्य आषाढ़ी बादल जैसा। गुरु के पास चांद की तरह जीए गये अनुभवों का अक्षय कोष होता है। इसीलिये इस दिन गुरु की पूजा की जाती है इसलिए इसे 'गुरु पूजा दिवस' भी कहा जाता है। 'आचार्य देवोभवः' का स्पष्ट अनुदेश भारत की पुनीत परंपरा है और वेद आदि ग्रंथों का अनुपम आदेश है। ऐसी मान्यता है कि हरिशयनी एकादशी के बाद सभी देवी-देवता चार मास के लिए सो जाते है। इसलिए हरिशयनी एकादशी के बाद पथ प्रदर्शक गुरु की शरण में जाना आवश्यक हो जाता है। परमात्मा की ओर संकेत करने वाले गुरु ही होते है। गुरु एक तरह का बांध है जो परमात्मा और संसार के बीच और शिष्य और भगवान के बीच सेतु का काम करते हैं। इन गुरुओं की छत्रछाया में से निकलने वाले कपिल, कणाद, गौतम, पाणिनी आदि अपने विद्या वैभव के लिए आज भी संसार में प्रसिद्ध है। गुरुओं के शांत पवित्र आश्रम में बैठकर अध्ययन करने वाले शिष्यों की बुद्धि भी तद्नुकूल उज्ज्वल और उदात्त हुआ करती थी। योग दर्शन नामक पुस्तक में भगवान श्रीकृष्ण को जगतगुरु कहा गया है क्योंकि महाभारत के युद्ध के दौरान उन्होंने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश दिया था। माता-पिता केवल हमारे शरीर की उत्पत्ति के कारण है लेकिन हमारे जीवन को सुसंस्कृत करके उसे सर्वांग सुंदर बनाने का कार्य गुरु या आचार्य का ही है। पहले गुरु उसे कहते थे जो विद्यार्थी को विद्या और अविद्या अर्थात आत्मज्ञान और सांसारिक ज्ञान दोनों का बोध कराते थे लेकिन बाद में आत्मज्ञान के लिए गुरु और सांसारिक ज्ञान के लिए आचार्य-ये दो पद अलग-अलग हो गए। भारत के महान्‌ दार्शनिक ओशो ने जब यह कहा कि हमारी शिक्षण संस्थाएं अविद्या का प्रचार कर रही हैं तो लोगों ने आपत्ति की लेकिन वे बात सही कह रहे थे। आज हमारे विद्यालयों में ज्ञान का नहीं बल्कि सूचनाओं का हस्तांतरण हो रहा है। विद्यार्थियों का ज्ञान से अब कोई वास्ता नहीं रहा इसलिए आज हमारे पास डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, न्यायाधीश, वैज्ञानिक और वास्तुकारों की तो एक बड़ी भीड़ जमा है लेकिन ज्ञान के अभाव में चरित्र और चरित्र के बिना सुंदर समाज की कल्पना दिवास्वप्न बन कर रह गई है। पाठ्य पुस्तकों में कुछ नीतिपरक श्लोकों को जोड़ने अथवा बच्चों को तोते की तरह गायत्री मंत्र रटाने या अंग्रेजी शैली में योग को 'योगा' करने से न तो चरित्र निर्माण होता है और न भावी पीढ़ी में ज्ञान का हस्तांतरण ही संभव है। ज्ञान तो गुरु से ही प्राप्त हो सकता है लेकिन गुरु मिलें कहां? अब तो ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं पर गुरु नदारद हैं। गुरु के प्रति अविचल आस्था ही वह द्वार है जिससे ज्ञान का हस्तांतरण संभव है। हमें इन तथ्यों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह सत्य है कि आज हम जिस सामाजिक और आर्थिक परिवेश में सांस ले रहे हैं वहां इन पुरानी व्यवस्थाओं की चर्चा निरर्थक हैं परंतु इनके सार्थक और शाश्वत अंशों को तो हम ग्रहण कर ही सकते हैं। आज नकली, धूर्त, ढोंगी, पाखंडी, साधु-संन्यासियों और गुरुओं की बाढ़ ने असली गुरु की महिमा को घटा दिया है। असली गुरु की पहचान करना बहुत कठिन हो गया है। भगवान से मिलाने के नाम पर, मोक्ष और मुक्ति दिलाने के नाम पर, कुण्डलिनी जागृति के नाम पर, पाप और दुःख काटने के नाम पर, रोग-व्याधियां दूर करने के नाम पर और जीवन में सुख और सफलता दिलाने के नाम पर हजारों धोखेबाज गुरु पैदा हो गये हैं जिनको वास्तव में कोई आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं है। जो स्वयं आत्मा को नहीं जानते वे दूसरों को आत्मा पाने का गुर बताते हैं। तरह-तरह के प्रलोभन देकर धन कमाने के लिए शिष्यों की संख्या बढ़ाते हैं। जिसके बाड़े में जितने अधिक शिष्य हों वह उतना ही बड़ा और सिद्ध गुरु कहलाता है। मूर्ख भोली-भाली जनता इनके पीछे-पीछे भागती है और दान-दक्षिणा देती है। ऐसे धन-लोलुप अज्ञानी और पाखंडी गुरुओं से हमें सदा सावधान रहना चाहिए। कहावत है कि 'पानी पीजै छान के और गुरु कीजै जान के।' सच्चा गुरु ही भगवान तुल्य है।

हिंसा की आग में सुलगता फ्रांस?

> निश्चित रूप से सारे घटनाक्रम की वजह फ्रांस की पुलिस और वहां का असहिष्णु कानून है जिसकी वजह से देश हिंसा की आग में जल रहा है। ट्रैफिक नियमों का कथित रूप से अनुपालन न करने पर एक किशोर को जांच की आड़ में गोली मार दी गई। कार चालक 17 वर्षीय किशोर नाहेल एम पर आरोप था कि उसने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस पर रिवाल्वर तान दिया था। निश्चित रूप से इसकी जितनी आलोचना की जाय वह कम है। दुनिया भर में मानवीय और उसके अधिकार सर्वोपरी होना चाहिए। मीडिया की खबारों और उसके विश्लेषण से पता चलता है कि पुलिस अपनी नाकामी छुपाने के लिए निर्दोष युवक पर इस तरह का आरोप मढ रही है। नाहेल ने अगर ट्रैफिक नियम को तोड़ा था तो उसे दूसरे तरीके से भी सजा दी जा सकती थी। यह जुर्म इतना बड़ा नहीं था कि उसे गोली मार दी जाय। निश्चित रूप से पुलिस ने फ्रांस के लचीले कानून का दुरुपयोग किया है। गोली मारने की यह पहली घटना नहीं है इसके पूर्व भी कई लोग शिकार हुए हैं। मीडिया मे यह तथ्य भी सामने आए हैं कि पुलिस नस्लीय मानसिकता में भी बेगुनाहों को निशाना बनाती है।

फ्रांस इस समय दुनिया की सुर्खियों में है। देश भर में लोग हिंसक और उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंक्रो सरकार हाशिए है। प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। निश्चित रूप से सारे घटनाक्रम की वजह फ्रांस की पुलिस और वहां का असहिष्णु कानून है जिसकी वजह से देश हिंसा की आग में जल रहा है। ट्रैफिक नियमों का कथित रूप से अनुपालन न करने पर एक किशोर को जांच की आड़ में गोली मार दी गई। कार चालक 17 वर्षीय किशोर नाहेल एम पर आरोप था कि उसने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस पर रिवाल्वर तान दिया था। निश्चित रूप से इसकी जितनी आलोचना की जाय वह कम है। दुनिया भर में मानवीय और उसके अधिकार सर्वोपरी होना चाहिए। मीडिया की खबारों और उसके विश्लेषण से पता चलता है कि पुलिस अपनी नाकामी छुपाने के लिए निर्दोष युवक पर इस तरह का आरोप मढ रही है। नाहेल ने अगर ट्रैफिक नियम को तोड़ा था तो उसे दूसरे तरीके से भी सजा दी जा सकती थी। यह जुर्म इतना बड़ा नहीं था कि उसे गोली मार दी जाय। निश्चित रूप से पुलिस ने फ्रांस के लचीले कानून का दुरुपयोग किया है। गोली मारने की यह पहली घटना नहीं है इसके पूर्व भी कई लोग शिकार हुए हैं। मीडिया मे यह तथ्य भी सामने आए हैं कि पुलिस नस्लीय मानसिकता में भी बेगुनाहों को निशाना बनाती है। फ्रांस एक संप्रभु और लोकतान्त्रिक देश है। उसे ऐसे विवादित और कठोर कानून से बचना चाहिए। क्योंकि कानूनी आड़ में इसका दुरुपयोग किया जाता है। सरकार ट्रैफिक नियमों को इतना कठोर बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों का दुरुपयोग कर रही हैं। अगर पुलिस के आरोप को ही सच मान लिया जाए। कि किशोर नाहेल ने ट्रैफिक नियमों का दुरूपयोग किया था तो पुलिस उसे सबक सिखाने के लिए दूसरे संवैधानिक अधिकार का भी प्रयोग किया जा सकता था। किसी की हत्या इसका समाधान नहीं था। देश के ट्रैफिक नियमों के मुताबिक उसकी गिरफ्तारी हो सकती थी। किशोर अधिनियम के तहत उसे जेल भी भेजा जा सकता था। उसे समझाने की कोशिश भी पुलिस कर सकती थी। वाहन चलाने पर प्रतिबंधित किया जा सकता था। लेकिन सिर्फ क्या जान लेना ही किसी कानून का संरक्षण है। भारत जैसे देश में अगर ऐसे कानून बना दिया जाए तो यहां पांच मिनट भी नहीं टिक सकते हैं। क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में आम नागरिकों की सुरक्षा कैसे की जाती है यह भारत से बेहतर कोई नहीं जानता। यहां हर नागरिक को संवैधानिक अधिकारों के इतर जाकर उसके व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण किया जाता है। सुसंगत कानून होने के बावजूद भी लोगों को दंड नहीं दिए जाते। यहां की पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को गांधीगिरी के जरिए गुलाब का फूल भेंट करती है। क्योंकि सिर्फ कानून से देश को नहीं चलाया जा सकता है। भारत में बाल एवं किशोर हितों का पूरा ख्याल किया जाता है। पुलिस के खिलाफ पेरिस के बाहरी हिस्सों हिंसा भड़क गयीं है। सरकार स्थिति नियंत्रित नहीं कर पा रहीं है। सरकार और पुलिस में शीतयुद्ध की स्थित है। लोग सड़क पर उतर कर उग्र और हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। वाहनों को आग के हवाले किया जा रहा है। किशोर की हत्या को लेकर लोगों में बेहद आक्रोश है। मानवाधिकार संगठन इस घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं। हालात को नियंत्रित करना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है। देश के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। नाहेल की हत्या करने वाले आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को फ्रांस के राष्ट्रपति मैंक्रो ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने पुलिस की तीखी आलोचना की है। वैसे उनके बयान को लेकर पुलिस संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि इससे पुलिस का मनोबल गिरेगा। लेकिन देश में बढ़ती हिंसा को रोकने की पहली प्राथमिकता सरकार की है। आक्रोशित लोग प्रदर्शन के दौरान सरकारी इमारतों, पुलिस स्टेशन, स्कूलों और दूसरे संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस पर आरोप लग रहे हैं कि ट्रैफिक नियमों की जांच के दौरान जानबूझकर निर्दोष किशोर को गोली मारी गई।

हालांकि यह जांच विषय है। फ्रांस का गृह मंत्रालय भी पुलिस की करतूत पर बेहद नाराज है। दोषी पुलिस के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की घोषणा किया है। किशोर की मां मानिया इस घटना से बेहद दुखी है। क्योंकि उसका बेटा नाहेल इकलौती संतान थी। जिसे वह बेहद प्यार करती थी। घटना के दिन मां से लाड प्यार कर वह निकला था, लेकिन एक घंटे बाद गोली का शिकार बन गया। इस घटना से उसकी मां सदमे में है। उसका आरोप है कि पुलिस ने जानबूझकर उसके बेटे की हत्या की। फ्रांस सरकार ने 2017 में गोली मारने के कानून में ढील देने का फैसला किया था। अब इस तरह का लचीला कानून उसी लिए भारी पड़ रहा है। जबकि उसी दौरान मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से इस कानून को वापस लेने का दबाव बनाया था। फ्रांस की मीडिया के मुताबिक जबसे इस कानून में संशोधन हुआ है इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक 13 लोग शिकार बने है। पुलिस पर यह भी आरोप लग रहे हैं कि गोलियां काले और अरब के मूल लोगों पर चलाई जाती है। जिसकी वजह से निर्दोष किशोर की जान गई है। नाहेल का संबंध भी फ्रांसीसी-अल्जीरिया मूल से बताया गया है। फ्रांस सरकार को इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। ट्रैफिक नियमों में तत्काल सुधार किया जाना चाहिए। वाहनों की चेकिंग के लिए गोली चलाने पर प्रतिबंध लगना चाहिए। फ्रांस के आम नागरिक अधिकारों का खुली तरह संरक्षण होना चाहिए। दुनिया भर में लोकतांत्रिक देश में हरहाल में मानवीय अधिकारों का संरक्षण होना चाहिए और ऐसे निर्मम कानून पर रोक लगनी चाहिए दोषी पुलिसकर्मी को निर्दोष किशोर की हत्या के लिए कठोर दंड दिया जाना चाहिए।

देश दुनीया से

समान नागरिक संहिता हकीकत बनती है तो यह हमारे संविधान निर्माताओं का बड़ा सम्मान होगा

> हमारे संविधान निर्माताओं ने समान नागरिक संहिता का पक्ष लेते हुए इसे मूर्त रूप देने का जो दायित्व आने वाली सरकारों पर छोड़ा था, उस संकल्प को यदि मोदी सरकार सिद्ध करती है तो निश्चित ही यह हमारी संविधान सभा के सदस्यों का सम्मान भी होगा। देखा जाये तो संविधान सभा ने जो संवैधानिक प्रावधान किये थे, उन सभी का पालन देश आरम्भकाल से करता आ रहा है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे भी थे जिस पर संविधान सभा में सहमति तो थी लेकिन उस पर फैसला करने का दायित्व भविष्य की सरकारों के लिए छोड़ दिया गया था। यह गौर करने योग्य बात है कि उस दायित्व को पूरा करने का साहस पहली बार कोई सरकार दिखा रही है।

समान नागरिक संहिता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान के बाद उम्मीद की जा रही है कि देश की बरसों पुरानी मांग जल्द ही पूरी होगी। देखा जाये तो समान नागरिक संहिता यदि हकीकत बनती है तो इससे देश की आकांक्षाएं ही पूरी नहीं होंगी बल्कि हमारे संविधान निर्माताओं की अपेक्षाएं भी पूरी होंगी। हमारे संविधान निर्माताओं ने समान नागरिक संहिता का पक्ष लेते हुए इसे मूर्त रूप देने का जो दायित्व आने वाली सरकारों पर छोड़ा था, उस संकल्प को यदि मोदी सरकार सिद्ध करती है तो निश्चित ही यह हमारी संविधान सभा के सदस्यों का सम्मान भी होगा। देखा जाये तो संविधान सभा ने जो संवैधानिक प्रावधान किये थे, उन सभी का पालन देश आरम्भकाल से करता आ रहा है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे भी थे जिस पर संविधान सभा में सहमति तो थी लेकिन उस पर फैसला करने का दायित्व भविष्य की सरकारों के लिए छोड़ दिया गया था। यह गौर करने योग्य बात है कि उस दायित्व को पूरा करने का साहस पहली बार कोई सरकार दिखा रही है।

समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग के समक्ष रोजाना ढेरों सुझाव आ रहे हैं। 14 जुलाई सुझाव और विचार भेजने की अंतिम तिथि है, तब तक यह संख्या लाखों में पहुँच सकती है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता को लेकर देश में गली-मोहल्लों से लेकर टीवी चैनलों की डिबेटों और राजनीतिक जनसभाओं के मंचों तक जो चर्चा और बहस का दौर चल रहा है वह दर्शा रहा है कि पूरा देश इस समय इस गंभीर मुद्दे पर मंथन कर रहा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में किसी कानून के निर्माण में जितनी ज्यादा भागीदारी होगी वह कानून उतना ही सशक्त होगा। अभी जनता संभावित कानून को लेकर बहस कर रही है। जब मसौदा प्रस्ताव सामने आयेगा तब वह उसके लाभ हानि से जुड़े मुद्दों पर बहस करेगी और जनभावना को ध्यान में रखते हुए संसद में सांसद भी प्रस्तावित विधेयक पर बहस करेंगे। इसलिए जो लोग यह भ्रम फैलाने का अभियान चला रहे हैं कि समान नागरिक संहिता को थोपा जा रहा है उन्हें देखना चाहिए कि जब किसी कानून को बनाने से पहले संपूर्ण प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है तब वह थोपा हुआ कैसे हो सकता है? इसके अलावा, समान नागरिक संहिता के विरोध में तमाम तरह के तर्क दे रहे, समान नागरिक संहिता आने पर तूफान आने की चेतावनी दे रहे और समान नागरिक संहिता आने पर धार्मिक आधार पर विभाजन बढ़ने की बात कह रहे लोगों को देखना चाहिए कि यह देश के लिए नई चीज नहीं है। गोवा में आजादी के बाद से ही समान नागरिक संहिता लागू है। क्या किसी ने सुना है कि वहां पर धार्मिक आधार पर भेदभाव होता है? क्या किसी ने सुना है कि गोवा में समान नागरिक संहिता की वजह से अल्पसंख्यकों को किसी भी प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ा? क्या किसी ने सुना है कि समान नागरिक संहिता की वजह से किसी को अनावश्यक लाभ या किसी को नुकसान हुआ? जाहिर है इन सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं में ही होगा। इसलिए जब हमारे समक्ष गोवा जैसा जांचा परखा और खरा उदाहरण है तो समान नागरिक संहिता का विरोध करना सिर्फ 'राजनीति' से प्रेरित कदम ही लगता है। इसके साथ ही हमें यह भी देखना चाहिए कि दुनिया के कई देशों में पहले से ही समान नागरिक कानून हैं। साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय की ओर से भी इस संबंध में कानून लाने के लिए सरकार को कहा जा चुका है। इसलिए समय आ गया है कि इस मुद्दे को टालने की बजाय इसका हल निकालना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों को उन राजनीतिक विवादों को नहीं झेलना पड़े जिसका आज की पीढ़ी ने सामना किया या कर रही है। दुनिया जब तेजी से आगे बढ़ रही है, ऐसे में हम पीछे नहीं छूट जायें, इसके लिए जरूरी है कि देश के विकास और एकता को बाधित करने वाले दशकों पुराने मुद्दों का हल जल्द से जल्द निकाला जाये ताकि सरकार पुरानी दुश्वारियों को दूर करने में ऊर्जा लगाने की बजाय देश के भविष्य को सुनहरा बनाने में ही पूरी तरह प्रयत्नशील रहे।

कुछ अलग

अरे इमली है, कच्चा आम है क्यों परेशान हैं टमाटर के दामों पर

किसी इलाहाबादी आईएएस अफसर से पूछिए तो वह कहेगा- ठीक वैसा ही इश्क जैसा, अरहर की दाल में टमाटर-प्याज के तड़के का। तुअर दाल या येलो दाल भी बोलेंगे तो इस तड़के वाली दाल का स्वाद नहीं बदलने वाला। फिर भी जाने क्यों जबसे टमाटर सौ रुपये किलो के पार पहुंचा है, तबसे एक घनघोर राष्ट्रवादी मित्र रोजाना टमाटर के इतिहास को खोद रहे हैं। उनका कहना है कि भारतीयों को टमाटर जैसे लैटिन अमेरिकी फल या सब्जी से परहेज करना चाहिए, क्योंकि यह टमाटर फिलहाल अपने दामों से देश के आम लोगों की चटनी बनाए दे रहा है। टमाटर का इतिहास, भारतीय क्लाइमेट में सेहत पर इसका प्रभाव और इसके साथ हो रहे जेनेटिक इनोवेशन से बिगड़े स्वाद की बात तो बाद में। पहला सवाल तो यह है कि टमाटर उगाने वाले किसान को अभी दो महीने पहले तक ही फसल के इतने कम दाम मिल रहे थे कि बेचारे सड़क पर फेंकने को मजबूर थे। दूसरी तरफ आम जनता है कि बेचारी सौ रुपये में एक किलो टमाटर खरीदने के बजाय दो किलो आम खरीदकर घर वापस चली आ रही है। यानी किसान को दाम नहीं मिल रहे और कस्टमर को टमाटर इतने महंगे पड़ रहे कि खरीदने की हिम्मत नहीं हो रही। अब सवाल यह है कि इस महंगाई का फायदा उठा कौन रहा है। छोटे सब्जी वाले तक परेशान हैं, क्योंकि उन्हें खुद महंगा मिल रहा है और ग्राहकों का गुस्सा उन्हें झेलना पड़ रहा है। टमाटर के इस हाल पर धूमिल की मशहूर कविता याद आती है- 'एक आदमी रोटी बेलता है, एक आदमी रोटी खाता है, एक तीसरा आदमी भी है, जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है, वह सिर्फ रोटी से खेलता है, मैं पूछता हूं-यह तीसरा आदमी कौन है? मेरे देश की संसद मौन है।' धूमिल साहब के जमाने में कोई रोटी से खेल रहा था, आज टमाटर से खेल रहा है। इसलिए अब संसद, देश की सरकारों और शासन-प्रशासन के पास मौका है कि वह मौन न रहें। जानें कि वो बिचौलिया कौन है, जो न टमाटर पैदा करता है और न खाता है, वह सिर्फ इसके दामों से खेलता है। बीच के इस आदमी को ढूंढना बहुत जरूरी है, क्योंकि आज टमाटर हो या प्याज, आलू हो या गेहूं, यह बीच में रहकर खेलने वाला ही सबसे ज्यादा खा रहा है। अब वापस आते हैं टमाटर से जुड़े अतरंगी विचारों पर। जैसे टमाटर का विदेशी होना। देश के लिए यह फिक्र वाली बात होनी ही चाहिए कि जब राष्ट्रवाद का उभार अपने चरम पर हो तो देसी लोग सबसे ज्यादा चाउमिन और मोमो के ठेलों पर नजर आते हैं। जिनकी हालत थोड़ी बेहतर है वह खान मार्केट में जैपनीज़, वियतनामी, कोरियन और इटैलियन फूड के लिए देर शाम रेस्तरां के बाहर लाइन में लगकर इंतजार करते हैं। टमाटर का महंगा होना और उसके लिए फिक्रमंद होना वाकई में कई बार लोगों के राष्ट्रवाद पर सवाल उठाता है। अरे भाई, कच्चा आम अपना है, इमली अपनी है। डालो न सब्जी में और चाहे चटनी बनाओ। दोनों अभी सस्ते भी हैं और हमारे शरीर के लिए टमाटर के मुकाबले कहीं ज्यादा फायदेमंद हैं। कई साल पहले नैशनल बॉटनिकल रिसर्च सेंटर में एक साइंटिस्ट डॉ.पुष्पांगदन अपने मित्र थे। वह अक्सर समझाते थे कि भाई, टमाटर क्यों खाते हो? तीन-चार सौ साल पहले ही यह लैटिन अमेरिका, मैक्सिको और पुर्तगाल होते हुए भारत पहुंचा था। बाद में जब यह अंग्रेजों को भाया तो उन्होंने इसकी खेती शुरू करा दी। फिर पाकिस्तान से इधर आए सिंधी पंजाबी भाइयों ने आजादी के समय प्याज-टमाटर के तड़कों से सारी दिल्ली में खुशबू फैला दी और यहां से उड़ी खुशबू सारे देश तक फैल गई। खैर जब फैली थी, तब फैल गई। काल, खंड और परिस्थितियों के हिसाब से शौक, स्वाद और मिजाज़ सब बदलता है। प्रखर राष्ट्रवाद के इस दौर में विद्वानों का यह फर्ज बनता है कि वह राष्ट्रवादी सब्जियों और फलों की लिस्ट अलग से बनाएं। उन्हें ही देसी माना जाए, जिनको अपने यहां खाए जाने का इतिहास कम से कम पांच हजार साल पुराना तो हो ही। इतिहास बदलने के इस दौर में इस दिशा पर भी काम हो। जो भी लोग विदेश से आए या अपने यहां ही उगाए जा रहे एग्जोटिक फल-सब्जी खाते पाए जाएं, उन पर टैक्स भी लगा देना चाहिए, जीएसटी के साथ। इससे होने वाली आमदनी से देसी फल-सब्जी खानेवालों को सब्सिडी दी जा सकती है। वैसे भी, लैटिन अमेरिका से चले वहां के देसी टमाटर के स्वाद में इतना ज्यादा बदलाव हो चुका है कि क्या असली है और क्या नकली, इसका पता करना ही मुश्किल है। हमारे बचपन वाला टमाटर तो अब मिलता ही नहीं। इलाहाबाद में कमरा लेकर सिविल्स की तैयारी करनेवालों को भी अपनी दाल का तड़का अब बदल ही लेना चाहिए। वह टमाटर अब रहा ही कहां, जिसमें पान में महंगे किमाम जैसे इश्क का अहसास हो।

नागरिक बोध

महिलाओं से आकाश छीनता पितृसत्ता विश्वास

पितृसत्ता एक सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें प्रभुत्व और विशेषाधिकार के पदों पर मुख्य रूप से पुरुषों का वर्चस्व है। यह अनिवार्य रूप से जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे नैतिक अधिकार, सामाजिक विशेषाधिकार, निर्णय लेने, संपत्ति पर नियंत्रण और राजनीतिक नेतृत्व में पुरुष वर्चस्व की एक प्रणाली है। महिलाओं की अधीनता कई मायनों में स्पष्ट है, निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में, जहां महिलाओं को उन अधिकारों और उन चीजों तक पहुंच से वंचित रखा जाता है, जो पुरुषों के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। इसने अतीत की लंबी प्रथाओं और महिलाओं की अधीनता के कारण समकालीन समय में भारत में मध्यवर्गीय कामकाजी महिलाओं की स्थिति में बाधा उत्पन्न की है। भारतीय समाज में पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण के अस्तित्व के कारण देखें तो पहले, महिलाओं को एक पुरुष-प्रधान, पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था, पुरानी पारंपरिक मान्यताओं के पालन, और इसी तरह के परिणामस्वरूप कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। महिलाओं की जिम्मेदारियां बच्चे पैदा करने और बच्चों के पालन-पोषण जैसे पारंपरिक कार्यों तक ही सीमित थीं। उदाहरण के लिएः मनु स्मृति के अनुसार, विवाह को कभी भी तोड़ा नहीं जा सकता, तलाक की कल्पना नहीं की जा सकती थी और विधवाओं को पुनर्विवाह की अनुमति नहीं थी। जाति व्यवस्था ने भारत में, पितृसत्ता और जाति व्यवस्था के बीच गठजोड़ को ऐतिहासिक रूप से शोषक और परस्पर एक दूसरे के आहार के रूप में पाया गया है। समाजीकरण की प्रक्रिया में पितृसत्तात्मक मूल्यों और विचारों का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरण होता है। समाजीकरण, समाज के मानदंडों और विचारधाराओं को आत्मसात करने की प्रक्रिया है। समाजीकरण की यह प्रक्रिया समाज में पितृसत्ता के सामान्यीकरण का आधार बनाती है। परिवारों और विवाह में, पितृसत्ता सूक्ष्म रूप से परिलक्षित होती है, जैसे कि बहू पहली व्यक्ति होती है, जिससे घर के कामों में मदद की उम्मीद की जाती है। बहू को नौकरी पर रखना चाहिए या नहीं, इस पर नियंत्रण और यदि हां, तो पेशे के चयन अधिकार भी पति और ससुराल वालों के पास होता है। रूढ़िवादिता के अस्तित्व से भारत में बालिकाओं को अक्सर पारंपरिक मान्यताओं के कारण शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित रखा जाता है, क्योंकि उनसे परिवार में भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। चूंकि लड़कियां घरेलू कर्तव्यों का पालन करने में अधिक समय बिताती हैं और इससे भारत के ग्रामीण हिस्सों में महिला और पुरुष समानता के बीच की खाई बढ़ जाती है और यह मिथक कायम रहता है कि शिक्षा लड़की के लिए कोई आवश्यक नहीं है और उसका प्राथमिक काम घर के काम की देखभाल करना होगा, जल्दी शादी करो, बच्चे पैदा करो और फिर उनकी परवरिश करो।

रूस में जासूसों की भर्ती का मौका देख रही सीआईए, एजेंसी प्रमुख बोले– सशस्त्र विद्रोह पुतिन के लिए चुनौती

मॉस्को।
रूस–यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर अमेरिकी एजेंसी सीआईए जासूसों की भर्ती का अवसर देख रही है। अमेरिकी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने शनिवार को कहा कि भाड़े के समूह वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन का सशस्त्र विद्रोह रूस के लिए एक चुनौती थी, जिसने यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध का संक्षारक प्रभाव दिखाया था। राष्ट्रपति पुतिन ने इस सप्ताह सेना और सुरक्षा बलों को उस बात को टालने के लिए धन्यवाद दिया, जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि यह गृहयुद्ध में बदल सकती थी, और उन्होंने इस विद्रोह की तुलना उस अराजकता से की है, जिसने 1917 में रूस को दो क्रांतियों में धकेल दिया था।

महीनों से प्रिगोझिन खुलेआम पुतिन के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों का अपमान कर रहे थे। विभिन्न प्रकार के भद्दे अपशब्दों और जेल संबंधी अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे शीर्ष रूसी अधिकारी हैरान थे, लेकिन पुतिन ने उन्हें सार्वजनिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया।

बर्न्स ने इंग्लैंड के ऑक्सफोर्डशायर में ब्रिटेन के डिचले फाउंडेशन, जो यूएस–ब्रिटिश संबंधों पर केंद्रित एक गैर–लाभकारी फाउंडेशन है, के एक व्याख्यान में कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि प्रिगोझिन ने अपने कार्यों से पहले यूक्रेन पर आक्रमण के लिए क्रेमलिन के मिथ्या तर्क और रूसी सैन्य नेतृत्व के युद्ध संचालन पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, उन शब्दों और उन कार्यों का प्रभाव कुछ समय तक रहेगा, लेकिन रूस–यूक्रेन युद्ध में पुतिन के अपने समाज और उनके स्वयं के शासन पर संक्षारक प्रभाव का एक ज्वलंत उदाहरण दिखा। बर्न्स ने 2005 से 2008 तक रूस में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्य किया था और 2021 में सीआईए निदेशक नियुक्त किए गए थे। उन्होंने प्रिगोझिन के विद्रोह को रूस के लिए सशस्त्र चुनौती बताया।उन्होंने कहा कि विद्रोह एक आंतरिक रूसी मामला था जिसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी और न ही होगी। चूंकि विद्रोह को समाप्त करने के लिए एक सप्ताह पहले एक समझौता हुआ था, क्रेमलिन ने शांति दिखाने की कोशिश की है, जिसमें 70 वर्षीय पुतिन पर्यटन विकास पर चर्चा कर रहे थे, दागेस्तान में भीड़ से मिल रहे थे और आर्थिक विकास के विचारों पर चर्चा कर रहे थे।रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को कहा था कि असफल विद्रोह के बाद रूस मजबूत होकर उभरेगा इसलिए पश्चिम को दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्ति में स्थिरता के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन बर्न्स ने कहा कि युद्ध पहले से ही रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता थी, जिसने अपनी सैन्य कमजोरी को उजागर कर दिया और आने वाले वर्षों में रूसी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया, जबकि नाटो सैन्य गठबंधन बड़ा और मजबूत हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गुलामों के व्यापार को लेकर नीदरलैंड के राजा ने मांगी माफी, कहा- यह मानवता के खिलाफ

नीदरलैंड । नीदरलैंड के राजा विलेम–अलेक्जेंडर ने दासता उन्मूलन की वर्षगांठ पर गुलामी और दास व्यापार में देश की ऐतिहासिक भूमिका के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं व्यक्तिगत तौर पर इसके लिए मांफी मांग रहा हूं। बता दें, पिछले साल के अंत में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रुटे ने भी माफी मांगी थी। राजा अलेक्जेंडर ने अपने भावनात्मक भाषण में कहा कि आज मैं आपके सामने खड़ा हूं। इस मौके पर मैं आपके राजा के रूप में, सरकार के सदस्य के रूप में और स्वयं यह माफी मांगता हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने दिल एवं आत्मा में शब्दों का भार महसूस करता हूं। वहीं, दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम और कैरेबियाई द्वीपों अरूबा, बोनेयर और कुराकाओ के हजारों गुलामों के वंशजों ने शाही माफी का स्वागत किया। हालांकि, इनमें से कई लोगों कहना था कि उन्हें माफी के साथ मुआवजा भी दिया जाए। राजा ने नीदरलैंड में गुलामी में ऑरेंज–नासाउ के शाही घराने की सटीक भूमिका पर एक अध्ययन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि आज स्मरण के इस दिन, मैं मानवता के खिलाफ इस अपराध के सामने कार्रवाई करने में स्पष्ट विफलता के लिए माफी मांगता हूं। एम्स्टर्डम पार्क में देश के राष्ट्रीय गुलामी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने से पहले अपना भाषण पूरा करते समय विलेम–अलेक्जेंडर की आवाज भावनाओं से भरी हुई प्रतीत हुई। उल्लेखनीय है कि एक जुलाई, 1863 को सूरीनाम और कैरेबियन में डच (नीदरलैंड) उपनिवेशों में दासता को समाप्त कर दिया गया था, लेकिन अधिकतर गुलाम मजदूरों को अगले 10 वर्षों तक पौधारोपण पर काम करना जारी रखने के लिए विवश किया गया था। शनिवार के कार्यक्रमों और भाषण के साथ एक जुलाई 1873 से लागू हुए दासता उन्मूलन की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए साल भर होने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई।

अमेरिका में दो भारतवंशी कोरोना की दवा के गैरकानूनी व्यापार में फंसे, अवैध लाभ कमान के लगे आरोप

न्यूयॉर्क । फाइजर के पूर्व कर्मचारी अमित डागर और उनके करीबी दोस्त और बिजनेस पार्टनर अतुल

भिवापुरकर पर गुरुवार को अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने अंदरूनी व्यापार के माध्यम से अवैध लाभ कमाने की उनकी योजना के लिए आरोप लगाया। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने भी दोनों के खिलाफ आपराधिक आरोपों की घोषणा की। अमित डागर को न्यू जर्सी से गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था और उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी के चार मामलों का आरोप लगाया गया था जिनकी अधिकतम सजा 20 साल हो सकती है वहीं कैलिफोर्निया के मिलपिटास से भिवापुरकर को भी गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था और उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी के दो मामलों और प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश रचने के एक मामले का आरोप लगाया गया। अधिकारियों का आरोप है कि नवंबर 2021 में, डागर और भिवापुरकर ने कोविड–19 के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा पैक्सलोविड के नैदानिक परीक्षणों के परिणामों के बारे में अंदरूनी जानकारी के आधार पर अवैध व्यापार कर कमाई की। उस समय डागर को फाइजर ने एक बड़े पद पर नियुक्त किया था। एसईसी की शिकायत के अनुसार, दोनों ने फाइजर की पांच नवंबर, 2021 की घोषणा से पहले व्यापार किया था, उस समय फाइजर का अध्ययन सफल हुआ। उन्होंने अपनी विज्ञप्ति में यह भी आरोप लगाया गया है किडागर और भिवापुरकर के व्यापार ने लगभग 214,395 अमेरिकी डॉलर और 60,300 अमेरिकी डॉलर का अवैध मुनाफा कमाया।

भारतीय मूल की अमेरिकी महिला कार्यकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया

वॉशिंगटन। अमेरिका के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एशियाई लोगों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली भारतीय मूल की एक अमेरिकी महिला ने सरकार के फैसले को रद्द करने के अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। मंगा अनंतमुला एशियाई भेदभाव के खिलाफ मुकदमे में 2015 से स्टूडेंट्स फॉर फेयर एडमिशन (एसएफएफए) के एडवर्ड ब्लम और एशियन अमेरिकन कोएलिशन फॉर एजुकेशन (एसीई) के बोर्ड सदस्य के रूप में मजबूती से खड़ी थीं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अनंतमुला ने एशियाई छात्रों को न्याय दिलाने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय और उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय की भेदभावपूर्ण नीतियों को शिक्षा विभाग और ट्रंप प्रशासन के समक्ष पेश करने वाले भारतीय समुदाय का लगातार प्रतिनिधित्व किया।

पुलिस फायरिंग में मारे गए किशोर को नम आंखों से दी अंतिम विदाई, हिंसा की आग कैरिबियाई देशों तक पहुंची

पेरिस ।
फ्रांस के नंतेरे शहर में पुलिस अधिकारी की गोली से मारे गए 17 वर्षीय किशोर नाहेल को शनिवार को दफनाया गया। नाहेल के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए और नम आंखों से अलविदा कहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैकड़ों युवकों का समूह मस्जिद से कब्रिस्तान तक गया। इस दौरान लोगों ने जस्टिस फॉर नाहेल प्रिंटेड शर्ट पहनी थी।

बीते 27 जून को पुलिस अधिकारी ने पेरिस के उपनगर नैनटेरे में अल्जीरियाई मूल के 17 वर्षीय नाहेल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। नाहेल कार चला रहा था, पुलिस अधिकारी ने उसका पीछा किया और ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने के दौरान उसे सीने में गोली मार दी। बाद में नाहेल की हत्या करने वाले पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया था। नाहेल की हत्या के बाद पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन और दंगे हुए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकारी टाउन हॉल, स्कूल और पुलिस स्टेशनों के साथ–साथ सुपरमार्केट जैसी अन्य इमारतों को निशाना बनाया। साथ ही सैकड़ों वाहनों को आग के हवाले कर दिया।

हिंसा की आग कैरिबियाई देशों तक पहुंची

वहीं, फ्रांस के कई शहरों में भारी पुलिस बल की तैनाती के बावजूद चौथी रात भी दंगे भड़के। यहां कई इमारतों और कारों में आग लगा दी गई और दुकानों को लूट लिया गया। अब यह हिंसा अब फ्रांस के बाहर कैरिबियाई देशों में भी पहुंच गई है। फ्रेंच गुयाना में एक 54 वर्षीय व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई। यहां सबसे ज्यादा हिंसा भड़की है। दक्षिण अफ्रीका के केयेन में आसपास के क्षेत्र में कई जगह आगजनी के चलते धुएं के गुबार उठते देखे गए। आग की चपेट में यहां एक पुलिस अफसर भी आ गया।

चौथे दिन 1,300 से ज्यादा गिरफ्तार

उधर, फ्रांस में रात भर जारी हिंसक उपद्रवों में कई दुकानों पर लूट हुई। गृह मंत्रालय ने शनिवार सुबह तक चौथे दिन फ्रांस में 1,311 गिरफ्तारियों की घोषणा की। पूर्वी शहर स्ट्रासबर्ग में एपल स्टोर को लूट लिया गया, एक मॉल में फास्ट–फूड आउटलेट तोड़ दी गई। दंगाईयों ने ल्योन में आग लगा दी और पुलिस पर पथराव किया।

फ्रांस में शनिवार तक 500 इमारतों को निशाना बनाया गया, 2,000 वाहनों को जला दिया गया और 2,500 से ज्यादा दुकानों में तोड़फोड़ की गई।

मैक्रों ने आपातकाल की स्थिति घोषित करने के बजाय वैकल्पिक प्रयास किए

फ्रांस में बढ़ते संकट को देखते हुए सैकड़ों गिरफ्तारियों और बड़े पैमाने पर पुलिस की तैनाती के बाद भी हालात काबू में नहीं हैं। राष्ट्रपति मैक्रों ने आपातकाल की स्थिति घोषित करने पर रोक लगाते हुए कानून प्रवर्तन प्रक्रिया तेज कर दी। इसका इस्तेमाल 2005 में भी दंगा नियंत्रण के लिए किया गया था। सरकार ने रात भर में 45,000 पुलिस बल की तैनाती कर दी। कुछ को छुट्टियों से वापस बुलाया गया है। इस बीच, देश भर में सभी सार्वजनिक बसों और ट्रामों को रात के समय बंद करने का आदेश दिया गया है। दंगों में 300 पुलिस अधिकारी और अग्निशमक घायल हुए हैं।

मैक्रों का सोशल मीडिया पर निशाना...

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हिंसक हालात के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया ने हिंसा की नाटकीय तस्वीरें प्रसारित कीं, इस कारण दंगा भड़क गया। स्नैपचैट और टिकटॉक पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, इनका इस्तेमाल अशांति फैलाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने संवेदनशील सामग्री हटाने को कहते हुए जिम्मेदारी की भावना से काम की अपील की।

कोई हमारे बच्चों को यूं ही नहीं मार सकता : नाहल की मां...

फ्रांस में जिस 17 वर्षीय किशोर नाहल की हत्या की गई उसकी जड़ें अल्जीरिया से हैं। नाहल की मां मौनिया एम. ने कहा कि उनका गुस्सा उस पुलिस कर्मी पर है जिसने उनके बेटे को गोली मारी, न कि पूरे पुलिस बल से। उन्होंने कहा, एक पुलिस अधिकारी बंदूक लेकर हमारे बच्चों पर गोली नहीं चला सकता, हमारे बच्चों की जान नहीं ले सकता।

फुटबालर म्बापे ने की हिंसा रोकने की अपील

फ्रांस के कप्तान काइलिन म्बापे ने उपद्रवियों से हिंसा रोकने की अपील की है। चौबीस साल के म्बापे ने कहा कि हिंसा से कोई हल नहीं निकलता है। विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। माना जा रहा है कि म्बापे की अपील पूरी फुटबाल टीम की ओर से है। बयान में कहा गया है कि युवा नाहेल के निधन से हर फ्रांसीसी की तरह फुटबालर भी दुख, शोक और पीड़ा में हैं। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

नेपाल पीएम प्रचंड बोले- मौजूदा गठबंधन सरकार पूरे पांच साल तक चलेगी, भ्रष्टाचार के खिलाफ तेज होंगी जांच

काठमांडू ।
नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने शनिवार को कहा कि वर्तमान गठबंधन सरकार पूरे पांच साल के कार्यकाल पूरा करेगी क्योंकि यह सर्वसम्मति से बनी सरकार है। उन्होंने कहा कि देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच और तेज की जाएंगी, चाहे वह भूटानी शरणार्थी घोटाला हो या ललिता निवास जमीन हड़पने का मामला हो, सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

ओली की सरकार जाने के बाद प्रचंड पिछले साल 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी, सरकार में करीब 10 गठबंधन शामिल हैं। लेकिन यह बात जगजाहिर है कि 1990 में लोकतंत्र की बहाली के बाद से हिमालयी राष्ट्र नेपाल में एक भी सरकार पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने में कामयाब नहीं हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की

प्रचंड ने मीडिया से बात करते हुए भारत की अपनी यात्रा को ऐतिहासिक बताया और कहा कि सीमा मुद्दे के समाधान के लिए भारतीय प्रधानमंत्री की घोषणा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। इससे पहले, भारत के किसी भी प्रधान मंत्री ने ऐसा नहीं कहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि चूंकि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए वे सीमाओं से संबंधित सभी मुद्दों को हल करेंगे।

पूरा ध्यान लोगों की समस्याओं के समाधान पर

प्रधानमंत्री प्रचंड ने कहा कि हमने अपना पूरा ध्यान लोगों की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित किया है। साथ ही कहा कि विदेश में काम करने वाले हजारों नेपालियों को सामाजिक सुरक्षा कोष के तहत लाया गया है, जिसका दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव होगा। नेपाल भारत के लिए एक महत्वपूर्ण देश माना जाता है क्योंकि यह पांच राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किमी से अधिक की सीमा साझा करता है। यह देश वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर है।

कैलिफ़ोर्निया के समुद्र में फैला जहरीला शैवाल, सैकड़ों डॉल्फ़िन और समुद्री शेरों की हुई मौत

कैलिफ़ोर्निया।
रिपोर्ट के अनुसारदक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के समुद्र तटों पर सैकड़ों समुद्री शेर डॉल्फ़िन फैले हुए हैं जो या तो मृत हैं या बीमार हैं और असामान्य व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं।अधिकारियों को हाल के सप्ताहों में समुद्र तट पर जाने वालोंपर्यटकों और निवासियों से 1000 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं। एनओएए फिशरीज स्ट्रैंडिंग समन्वयक जस्टिन ग्रीनमैन के अनुसार मृत या बीमार जानवरों की लहर सी लग गई है।

कैलिफ़ोर्निया में जहरीले शैवाल के फैलने के बीच सैकड़ों डॉल्फ़िन, समुद्री शेर मृत या बीमार बहकर आते हैं

दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के समुद्र तटों पर सैकड़ों समुद्री शेर, डॉल्फ़िन मरे हुए पाए गए हैं। अधिकारियों को हाल के सप्ताहों में समुद्र तट पर जाने वालों, पर्यटकों और निवासियों से 1,000 से
अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं, जो सांता बारबरा से सैन डिएगो काउंटी तक समुद्र तट पर आए बीमार, मरने की स्थिति में और मृत समुद्री स्तनधारियों की रिपोर्ट कर रहे हैं, क्योंकि

तट के पानी में जहरीले शैवाल खिल रहे हैं।

एनओएए फिशरीज स्ट्रैंडिंग समन्वयक जस्टिन ग्रीनमैन के अनुसार, मृत या बीमार जानवरों की लहर सी लग गई है।और, ग्रीनमैन ने कहा, यह जल्द ही समाप्त होता नहीं दिख रहा है।

समुद्री जीवन विशेषज्ञों का मानना है कि हानिकारक शैवाल का समुद्र में फैलना समुद्री शेरों और डॉल्फ़िन के मौत इसके लिए जिम्मेदार है, हालांकि वे इसकी पुष्टि के लिए परीक्षण परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

दुनिया का सबसे कम शांतिपूर्ण देश अफगानिस्तान, ग्लोबल पीस इंडेक्स 2022 की रिपोर्ट पर तालिबान ने दी प्रतिक्रिया

काबुल।
अफगानिस्तान लगातार पांचवें साल दुनिया का सबसे कम शांतिपूर्ण देश रहा है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस ने ग्लोबल पीस इंडेक्स 2022 में इसकी जानकारी दी है। अफगनानिस्तान के बाद यमन, सीरिया, रूस और दक्षिण सूडान इस लिस्ट में शामिल हैं। ये सभी देश पिछले तीन वर्षों से दस सबसे कम शांतिपूर्ण देशों की लिस्ट में बने हुए हैं। इस लिस्ट पर अब तालिबान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईईपी के ग्लोबल पीस इंडेक्स 2022 की लिस्ट को तालिबान ने काफी अन्यायपूर्ण बताया है।

सबसे कम शांतिपूर्ण देश- अफगानिस्तान

अफगानिस्तान में 2022 में सशस्त्र संघर्ष से होने वाली मौतों में सबसे बड़ी कमी दर्ज की गई, जिसमें संघर्ष में होने वाली मौतें लगभग 43,000 से घटकर 4,000 से अधिक हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान ने 2023 जीपीआई में शांति में पांचवां सबसे बड़ा सुधार दर्ज किया। हालांकि, यह दुनिया का सबसे कम शांतिपूर्ण देश बना हुआ है। वहीं, पूरे देश में हिंसा अभी भी व्यापक है, अगस्त में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से अफगानिस्तान में संघर्ष का स्तर काफी कम हो गया है। आईईपी ने नोट किया कि अफगान नागरिकों की आपराधिकता के संबंध में थोड़ा सुधार हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें कहा गया है कि अकेले चलने में असुरक्षित महसूस करने वाले लोगों की संख्या 84 प्रतिशत से घटकर 77 प्रतिशत हो गई है।

इंडेक्स में यह भी कहा गया है कि 2022 में अफगानिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में 75 प्रतिशत की कमी आई और आतंकवाद से होने वाली मौतों में 58 प्रतिशत की कमी आई है। आईईपी ने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। आईएसके और तालिबान के बीच संघर्ष बढ़ने की प्रबल संभावना बनी हुई है। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि रिपोर्ट में जो कहा गया है की तुलना में आतंकवादी घटनाओं में 99 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है।

पाकिस्तान में पिछली जनगणना के आधार पर आम चुनाव कराए जाने की संभावना, तारीख अब तक नहीं हुई तय

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में आम चुनाव को लेकर तैयारी तेज हो गई है। आगामी आम चुनाव पिछले साल अगस्त में किए गए परिसीमन अभ्यास के आधार पर कराए जाने की संभावना है। गणना के बाद की प्रक्रिया 8 जुलाई से शुरू होगी और 31 जुलाई तक काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स (सीसीआई) को एक रिपोर्ट पेश करने की योजना है।

पहली बार आयोजित की गई डिजिटल जनगणना

यह पहली बार हुआ है कि पाकिस्तान में डिजिटल जनगणना आयोजित की गई। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि इसे कब पब्लिश किया जाएगा। चुनाव की कोई निश्चित तारीख की भी घोषणा नहीं की गई है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने आगामी चुनावों में सीट समायोजन की योजना शुरू कर दी है।

अक्टूबर में चुनाव होने की संभावना

पाकिस्तान के एक संघीय मंत्री ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अगले आम चुनाव के संबंध में हाल के हफ्तों में अब तक कोई गहन विचार–विमर्श नहीं हुआ है, लेकिन आधिकारिक तौर पर देश में अक्टूबर में चुनाव होंगे। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन सरकार राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के संबंध में कोई संवैधानिक उल्लंघन नहीं करेगी। पिछली बार हुए परिसीमन के अनुसार चुनाव होने पर भी उन्हें खुशी होगी। हालांकि, कुछ अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने बयानों में कहा कि आम चुनाव संबंधित प्रक्रिया पूरी करने के बाद नई सीमाओं के आधार पर होंगे और वास्तव में उस स्थिति में चुनाव में

देरी होगी।

पिछले साल के परिसीमन के आधार पर होगा चुनाव

संघीय मंत्री के अनुसार, पाकिस्तान में नए सिरे से परिसीमन के आधार पर चुनाव कराए जाने की संभावना बहुत कम है। इसकी काफी संभावनाएं हैं कि पिछले साल के परिसीमन का पालन किया जाएगा। ईसीपी अधिकारी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 51(5) और चुनाव अधिनियम, 2017 की धारा 17(2) के तहत अंतिम पब्लिश डेटा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के उद्देश्य के लिए आवश्यक था और जनगणना परिणाम आधिकारिक रूप से प्रकाशित होने के बाद आयोग निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन शुरू करने के लिए बाध्य था।

आगामी आम चुनाव के लिए केवल एक ही विकल्प

नेशनल असेंबली में सीटें संविधान के अनुच्छेद–51(3) के तहत पब्लिश अंतिम जनगणना के अनुसार जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक प्रांत और संघीय क्षेत्र को आवंटित की जाती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जनगणना के नतीजों के प्रकाशन के बाद एक संवैधानिक संशोधन करना होगा, जो पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) सांसदों के इस्तीफे के बाद अब तकनीकी रूप से असंभव है। उन्होंने आगे कहा कि इन परिस्थितियों को देखते हुए, आयोग के पास आगामी आम चुनाव पिछले परिसीमन के आधार पर कराने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा।

19 जुलाई तक आवेदन होंगे जमा

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने राजनीतिक दलों से देश में अक्टूबर के बाद होने वाले आम चुनावों से पहले चुनाव चिन्हों के आवंटन के लिए अपने आवेदन जमा करने को कहा है। ईसीपी ने कहा कि आवेदन 19 जुलाई तक पार्टी नेता के हस्ताक्षर के साथ जमा किए जा सकते हैं। चुनावी निगरानी संस्था ने आगे कहा कि आवेदन पर पार्टी नेता का हस्ताक्षर होना जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक,प्रत्येक आवेदन में राजनीतिक दल के मुख्य कार्यालय का पता शामिल होना चाहिए। आवेदन मिलने के बाद वह पार्टी की पात्रता की जांच करेगी।

पूर्व सीएम चन्नी के खिलाफ विजिलेंस को अब तक नहीं मिली कोई शिकायत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों में नया मोड़ आ गया है। पूर्व सीएम के खिलाफ आज तक विजिलेंस ब्यूरो के पास कोई लिखित शिकायत नहीं पहुंची है और न ही मामला दर्ज किया गया है। आरोप लगाने वाले क्रिकेटर को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान प्रेस कांफ्रेंस तक कर चुके हैं। आरटीआई कार्यकर्ता मानिक गोयल ने एक सूचना के आधार पर दावा किया है कि कहा कि खिलाड़ी से रिश्वत मांगने की कोई शिकायत विजिलेंस के पास नहीं पहुंची है और न ही मामला दर्ज किया गया है। गोयल के मुताबिक यदि कोई शिकायत विजिलेंस के पास होती, तो अब तक जांच शुरू हो चुकी होती। बिना किसी शिकायत या जांच के पूर्व सीएम पर आरोप लगे हैं। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जसइंद्र सिंह नामक क्रिकेटर को मीडिया के सामने पेश करके कहा था कि चन्नी के सीएम रहने के दौरान उनके भतीजे जश्न ने नौकरी के लिए दो करोड़ मांगे। इसके जवाब में चन्नी चमकौर साहिब के गुरुद्वारा कत्लगढ़ साहिब पहुंचे। वहां चन्नी ने कहा कि यदि मैंने किसी से भी एक पैसा लिया हो तो मेरा कुछ न रहे।

लद्दाख में बम निरोधक दस्ते ने 11 मोर्टर शेल निष्क्रिय किए

लद्दाख (हिंस)। लद्दाख के कारगिल जिले के अग्रिम गांव में सेना के बम निरोधक दस्ते ने 11 मोर्टर शेल निष्क्रिय कर दिए। सैन्य अधिकारी ने रविवार को बताया कि सैपर्स ऑफ फॉरएवर इन ऑपरेशंस डिवीजन के नेतृत्व वाली इकाई ने कुर्बाथांग क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। यह अभियान कारगिल के तहसीलदार और पश्कुम के सरपंच के साथ चलाया गया। इस दौरान मौके पर 11 मोर्टर शेल देखे गए। सेना ने तुरन्त बम निरोधक दस्ते को सूचना दी। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर शेल को समय रहते निष्क्रिय कर दिया।

दरबार साहिब लंगर की जूठन व सूखी रोटियों में एक करोड़ का घोटाला

दो कर्मचारी निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। विश्व के सबसे बड़े लंगर में जूठन व सूखी रोटियों का घोटाला सामने आया है। अमृतसर स्थित हरिमंदिर साहिब में हुए इस घोटाले के बाद एसजीपीसी ने रविवार को जांच बिठाकर दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। यह पहला मौका है जब दरबार साहिब में चलने वाले लंगर की जूठन व बचत में घोटाला सामने आया है। दरबार साहिब में 24 घंटे लंगर चलता है। यहां रोजाना औसतन एक लाख से अधिक लोगों के लिए खाना बनता है। लंगर में सूखी रोटियों, जूठन, चोकर रूला, चढ़ावे के माह और चावल आदि भी बचते हैं, जिसकी बकायदा नीलामी की जाती है। एक अप्रैल, 2019 से दिसंबर, 2022 के बीच हुई नीलामी और बिक्री की हुई जांच में सबसे पहले 25 लाख का घोटाला सामने आया, जो बाद में 65 लाख तक पहुंच गया। एसजीपीसी ने जब अपने स्तर पर जांच शुरू की, तो यह घोटाला एक करोड़ को पार कर गया। एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि लंगर में हुई प्रशासनिक अनियमितताओं का सच पारदर्शी तरीके से संगत

के सामने रखा जाएगा। जांच पता चला कि नीलामी के बाद जो पैसा जमा होना चाहिए था, वे जमा ही नहीं करवाया गया। फ्लाइंग विभाग की तरफ से आरोपी ठहराए गए दो स्टोरकीपरों से लाखों रुपए वसूलने का आदेश दिया है। दोनों स्टोरकीपर अगर पैसे जमा नहीं करवाते तो हेराफेरी के वाउचरों पर जिन मैनेजरों के साइन हैं, उन्हें पैसे जवा करवाने होंगे। फ्लाइंग टीम की तरफ से की गई जांच में करीब 18 लोग जिम्मेदार ठहराए गए हैं, जिनमें मैनेजर, स्टोरकीपर, सुपरवाइजर, इंस्पेक्टर आदि हैं।

मुख्यमंत्री के ट्वीट से बढ़ रहा सस्पेंस

बस थोड़ा इंतजार, आने वाला है कुछ शानदार लिखकर बढ़ाया कौतुहल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चौंकाने के लिए जाने जाते हैं। गुजरे कुछ दिनों से एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक के बाद एक संस्पेंस भरे ट्वीट कर सियासी हलकों से लेकर आम लोगों तक में कौतुहल पैदा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में एक सस्पेंस भरा ट्वीट किया। इसमें लिखा कि फिर खुलेगा पिटारा-चमकेगा नया सितारा और उसके बाद एक वेबसाइट का लिंक दिया। यह वेबसाइट जन सम्मान राजस्थान के नाम से बनाई गई है। इस पेज के सोशल मीडिया अकाउंट भी बनाए गए हैं। फेसबुक, इंस्टा और ट्विटर से लेकर यूट्यूब तक पर पेज बनाया गया है। इसे कांग्रेसी ग्रुपों में शेयर भी किया जा रहा है। जन सम्मान वेबसाइट पर क्लिक करने पर एक पेज खुल कर आता है, जिसमें लिखा हुआ है जल्द आ रहा है, आपके लिए कुछ खास। इसके बाद इस वेबसाइट में नाम ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर मांगे गए हैं। इसके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी एक रील भी शेयर की गई है, जिसमें लिखा है जब खुलेगा पूरा झरोखा गहलोत देंगे नया तोहफा अभी दिल थामें। इसके बाद मुख्यमंत्री ने शनिवार को इंतज़ार का धुआं छटने वाला है, पर्दा बस हटने वाला है लिखकर अलादीन के जिन्न सरीखी फोटो पोस्ट की। इसे लेकर भी आमजन में कौतुहल बढ़ गया। मुख्यमंत्री ने रविवार को सवेरे बस थोड़ा इंतजार, आने वाला है कुछ शानदार टवीट कर नया सस्पेंस खड़ा कर दिया। इस पोस्ट के साथ एक तस्वीर भी शेयर की गई है, जिसमें पर्दा थोड़ा उठ रहा है और उसके नीचे कुछ लिखा हुआ है। मुख्यमंत्री के इन ट्वीट्स को लेकर सियासी हलकों में चर्चा का बाजार गर्म हो गया है। पहले भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने फैसलों से कई बार चौंकाते आ रहे हैं और इस बार वे सोशल मीडिया पोस्ट और वेबसाइट के जरिए कुछ सरप्राइज देने जा रहे हैं। इसे लेकर आम लोगों में कौतुहल है। लोगों में इसके बारे में जानने की जिज्ञासा बढ़ गई है। पिछले दिनों भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अचानक कहा था कि रात को 9.45 पर कुछ बड़ी घोषणा करेंगे और उसके बाद उन्होंने मुफ्त बिजली का दायरा बढ़ाकर आमजन को बड़ी राहत दी थी।

राजस्थान के बाड़मेर सीमा के पास 11 पैकेट हेरोइन बरामद

बाड़मेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान के बाड़मेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तारबंदी के पास जमीन में छिपाकर रखे गए हेरोइन के 11 पैकेट बरामद किए। इसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 55 करोड़ रुपए आंकी गई है। गुजरात फ्रंटियर बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार शनिवार को बाड़मेर सेक्टर में सीमा पार हेरोइन की खेप पार करने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ विशेष संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। इसमें सीमावर्ती क्षेत्र के बिजराड़ थाना अंतर्गत हूरों का तला गांव के पास तारबंदी के पास एक वृक्ष के नीचे छिपाकर रखे गए दो बैगों में हेरोइन के 11 पैकेट बरामद किए गए। राजस्थान से सटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा के रास्ते लगातार ड्रग्स की सप्लाई हो रही है। अब तक ये मामले श्रीगंगानगर से सटे इलाकों से आ रहे थे, लेकिन अब तस्करों ने बाड़मेर के रास्ते भी अपने गुर्गों को एक्टिव कर दिया है। सीमा से महज 150 मीटर दूर एक खेत में इंटरनेशनल कॉफी ब्रांड के पैकेट में पैक किए हुए हेरोइन से भरे 11 पैकेट बरामद किए।

राजकीय सम्मान के साथ राष्ट्रीय पक्षी मोर को दफनाया

भिवानी (हिंस)। वैसे तो भारत में जब किसी सैनिक या किसी महान हस्ती का निधन हो जाता है तो उनके शव को तिरंगे मे लपेटकर और उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाती है। भिवानी में रविवार को देश के राष्ट्रीय पक्षी मोर को राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया। पर्यटन विकास मंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश गारनपुरा ने गांव गारनपुरा कलां में रविवार सुबह एक पेड़ से राष्ट्रीय पक्षी मोर नीचे गिर गया, जिसके बाद वह घायल हो गया। जिसके बाद वे उस मोर को अपनी घर ले आए, जहां कुछ देर तो मोर जीवित रहा। उसके बाद मोर की मृत्यु हो गई। जिसके बाद राष्ट्रीय पक्षी मोर के पोस्टमार्टम के लिए वन्य प्राणी रक्षक अधिकारी राजूराम, वन दरोगा अजय कुमार व वीएस डॉ. प्रवीण सांगवान पहुंचे तथा मोर का पोस्टमार्टम कर मोर के शव को तिरंगे में लपेटकर राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया। राजेश गारनपुरा ने कहा कि राष्ट्रीय पक्षी का खिताब मोर पक्षी को प्राप्त है। मरने के बाद मोर को यूं ही नहीं दफनाया जा सकता। पूरे प्रोटोकॉल के तहत पहले मोर के शव को भारतीय ध्वज में लपेटा जाता है, जिसके बाद उसकी सम्मान सहित विदाई होती है तथा प्रोटोकॉल को अपनाते हुए मोर को दफनाया गया। उन्होंने कहा कि वन्य जीव भी हमारे जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जीव प्राणियों की प्रजाति धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। इसीलिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, ताकि वन्य जीव प्राणियों को बचाया जा सकें।

भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए होंगे प्रयास : अनुराग वर्मा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के दूरदर्शी नेतृत्व में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए हर संभव प्रयत्न किए जाएंगे। भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां में श्रद्धासमुन अर्पित करने पहुंचे मुख्य सचिव ने कहा कि उनका हर कार्य शहीद-ए-आजम भगत सिंह के आदर्शों से प्रेरणा लेकर ही शुरू होगा। उन्होंने कहा कि धन्य है यह धरती जिसने शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जैसे महान योद्धाओं को जन्म दिया। वर्मा ने कहा कि वह खुशकिस्मत हैं कि उनको इस पवित्र धरती पर जाकर श्रद्धांजलि भेंट करने का मौका प्राप्त हुआ है, जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर राष्ट्रीय आजादी संघर्ष में महान गाथा लिखी। वर्मा ने कहा कि वह राज्य सरकार की जन

हितैषी और विकास समर्थकी नीतियों को उचित ढंग के साथ लागू करके शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सपनों को साकार करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि चाहे महान शहीद के बहुत से सपने पूरे हो चुके हैं परन्तु अभी भी कई सपने बाकाया हैं, जो जल्द ही साकार कर दिए जाएंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि शहीद भगत सिंह की छोटी उम्र हुई शहादत ने नौजवानों को राष्ट्रीय आजादी संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिससे देश आजाद फिजा में सांस लेने के योग्य बन सका। उन्होंने कहा कि शहीद-ए-आजम लाखों नौजवानों के लिए देश की नि:स्वार्थ सेवा करने के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। वर्मा ने यह भी कहा कि विकसित और खुशहाल भारत की सृजना करने के लिए राज्य के नौजवानों को शहीद के नक्शे-कदमों पर चलने की जरूरत है। इससे पहले मुख्य सचिव ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह और उनके पिता स्वर्गीय एस किशन सिंह की समाधि पर जाकर श्रद्धांजलि भी भेंट की।

राजस्थान भाजपा की नई टीम को वरिष्ठ नेताओं ने दी बधाई

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने शनिवार शाम को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी है। जोशी की नई टीम को केंद्रीय विधि कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी समेत कई नेताओं ने बधाई दी है। इन नेताओं ने उम्मीद जताई है कि राजस्थान में भाजपा की नई टीम कांग्रेस सरकार के कुराज के महल को नेस्तनाबूद करेगी। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की नई टीम में 11 प्रदेश उपाध्यक्ष, 5 प्रदेश महामंत्री, 10 महामंत्री, एक कोषाध्यक्ष और 1 सह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के दो महीने से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद अब सीपी जोशी ने अपनी नई टीम का गठन कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश के बाद प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने 2023 के रण के लिए विजय संकल्प टीम की घोषणा की। प्रदेशााध्यक्ष सीपी जोशी ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए विजय संकल्प टीम में कद्दावर सांसदों और नेताओं को दायित्व दिया है। उन्होंने कहा कि इस टीम में संगठननिष्ठ कार्यकर्ताओं, अनुभवी और मजबूत चेहरों को जगह मिली है। टीम में अनुसूचित जाति, जन जाति और ओबीसी वर्ग के कार्यकर्ताओं को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। यह टीम सबको साथ लेकर चलने का काम करेगी। जोशी ने कहा कि यह टीम कांग्रेस के कुशासन, जंगलराज, भ्रष्टाचारी और तुष्टिकरण वाली सरकार को जड़-मूल से उखाड़ फेंकने का काम करेगी। प्रदेशाध्यक्ष जोशी की 29 लोगों की टीम में 11 प्रदेश उपाध्यक्ष बाबा बालक नाथ, सुखबीर जौनपुरिया, सीआर चौधरी, नारायण पंचारिया, सरदार अजय पाल, मुकेश दाधीच, संतोष अहलावत, चुन्नीलाल गरासिया, प्रभु लाल सैनी, जितेंद्र गोठवाल, श्रवण सिंह बगड़ी बनाए गए हैं। जबकि, पांच प्रदेश महामंत्री में भजनलाल, दीया कुमारी, जगबीर छावा, दामोदर अग्रवाल, मोतीलाल मीणा का नाम शामिल है। वहीं, 10 महामंत्री में विजेंद्र पूनिया, प्रियंका मेघवाल, वासुदेव चावला, भानु प्रताप सिंह, नीलम गुर्जर, महेंद्र कुमावत, हीरालाल नागर, सांवलाराम, अनंतराम बिश्नोई, कृष्णा कटारा, पिंकेश पोरवाल का नाम शामिल है। इसके साथ ही पंकज गुप्ता को कोषाध्यक्ष और डॉ. श्याम अग्रवाल को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया है। टीम में अजयपाल सिंह, मुकेश दाधीच को उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया है, जबकि भजन लाल शर्मा, दीया कुमारी को महामंत्री पद बरकरार रखा गया है। वहीं, जितेंद्र गोठवाल और श्रवण सिंह को प्रदेश मंत्री से सीधा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

पुंछ (हिंस)। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास रविवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद बालाकोट सेक्टर के डाबी धरती इलाके में सेना और पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने आने-जाने सभी रास्तों को बंद कर दिया है। खबर लिखे जाने तक सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी था।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर असंभव को संभव करके दिखाया है : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि भारत आजादी के 100वें वर्ष तक दुनिया में हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ देश होगा। भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है और वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री गुर्जर रविवार को सेक्टर-28 में दो करोड़ चौदह लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन का उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। गुर्जर ने इस भव्य इमारत को सीनियर सिटीजन को समर्पित किया। इसके साथ ही पौधरोपण भी किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश प्रदेश बदल रहा है। भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है और वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते है कि देश आगे तभी बढ़ेगा, जब देश को आगे बढ़ाने की सोच के साथ कार्य होंगे। विपक्ष के लिए तो परिवार पहले है, उसने न देश को आगे बढ़ाया न देश की प्रतिष्ठा को। केंद्रीय राज्यमंत्री ने बताया कि सामुदायिक भवन पहले काफी छोटा था, जिसका जीणोद्धार कर इसको दोबारा बनाया गया है और जिससे सीनियर सिटीजन व अन्य क्षेत्रवासियों को इसका लाभ मिलेगा। गुर्जर ने कहा कि दशकों के बाद आज देश बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है क्योंकि मोदी के पास देश को आगे ले जाने का विजन है। मोदी कहते हैं कि जब मेरा भारत वर्ष 2047 में आजादी का सौंवां साल मनाए तो मेरा भारत विकसित भारत होना चाहिए, दुनिया सबसे का सर्वश्रेष्ठ देश और विश्व गुरु होना चाहिए। इस अवसर पर पार्षद अजय बैंसला, सराय मंडल अध्यक्ष नरेंद्र यादव, नागर, बीके बक्शी, पीपी सिंह, विक्की कपूर, सुनील चोपड़ा, नरेश अग्रवाल, विनीश अग्रवाल, एसआर रुंगटा, बीएस अग्रवाल, डॉ. कौशल बाटला सहित औद्योगिक संगठनों के प्रधान, सामाजिक धार्मिक संस्थानों के प्रधान व अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

चंद्रशेखर आजाद की जेड प्लस सुरक्षा के लिए किया प्रदर्शन, पीएम को भेजा ज्ञापन

हिसार (हिंस)। भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी मुखिया चंद्रशेखर आजाद पर देवबंद में हुए गोलीकांड के बाद देशभर में उनकी सुरक्षा को लेकर धरने-प्रदर्शन हो रहे है। इसी कड़ी में रविवार को हिसार की सड़कों पर भी भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी ने मिलकर रोष प्रदर्शन किया। परिजात चौक से लेकर आईजी कार्यालय तक हुए इस प्रदर्शन में दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, किसान, खिलाड़ी और महिलाएं शामिल हुई। एडीजीपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया और वहां के अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर देश के पीएम को भेजा गया। प्रदीप भानखड, विक्की टाक, बजरंग इंदल, प्रदीप राजौरिया, संतलाल अंबेडकर, कुलदीप-दीपक वाल्मीकि, मुन्ना वाल्मीकि, अमित जाटव, पास्टर बीरूराम, हवासिंह धानक, संदीप सिवाच ने इस दौरान कहा कि भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी चीफ चंद्रशेखर आजाद बहुजन समाज की आए दिन देशभर में न्याय की आवाज उठा रहे हैं, उनकी लोकप्रियता से सरकारे घबराई हुई है। देशभर के लाखों दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर, खिलाड़ी उन्हें अपना नेता मानते है और उनसे प्यार करते है। एक राजनीति साजिश के तहत सरकार के इशारे पर उन पर हमला करवाया गया है। व्यवस्था पोषित ताकतों को आज चंद्रशेखर आजाद बर्दाश्त नहीं हो

रहे, इसलिए उन पर जानलेवा हमला किया गया है। भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी ज्ञापन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री से मांग करती है चंद्रशेखर आजाद पर हुए जानलेवा हमले की जांच एनआईए से करवाई जाए तथा उन्हें तत्काल जेड प्लस सुरक्षा दी जाए। इस अवसर पर इस दौरान मुख्य रूप से भीम आर्मी हिसार जिला अध्यक्ष प्रदीप भानखड़, विकी टांक, आजाद समाज पार्टी हिसार जिला प्रधान एडवोकेट बजरंग इंदल, प्रवक्ता संतलाल अंबेडकर, आजाद समाज पार्टी प्रभारी प्रदीप राजौरिया, प्रभारी विजय अठवाल, प्रधान जितेंद्र शोयरण, मुन्ना वाल्मीकि हलका अध्यक्ष हिसार, संजय चौहान, कुलदीप वाल्मीकि, दीपक वाल्मीकि, भोला वाल्मीकि सचिव, अनु, संतलाल, इंद्रसिंह, राहुल, पास्टर बीरू राम, पास्टर हरपाल सिंह, बिलू प्रधान, आजाद, मनीष, शेखर, रुघबीर प्रधान, प्रवीन, अक्षय, कुलदीप बौद्ध, व कई अन्य मौजूद रहे।

बांसवाड़ा : पांच सौ बेटियों ने लाडली उपवन में किया पौध रोपण

बांसवाड़ा (हिंस)। कहते हैं कि एक बेटी दो घरों की पीढ़ियों को संवारती है, उसी तरह एक पेड़ हजारों लोगों को ऑक्सीजन देकर जीवित रखता है। कमोबेश इसी ध्येय को लेकर बांसवाड़ा की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर डॉ. रक्षा सराफ ने एक मुहिम शुरू की है जिसकी थीम रखी गई है एक बेटी एक पेड़। इसी को लेकर रविवार को शहर के कागदी पीकप वियर पर लाडली उपवन स्थापित किया गया है जिसमें शहर के पांच सौ अभिभावकों ने अपनी लाडली बेटियों के साथ पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर प्रकाश चंद्र शर्मा, पार्षद चंदा डामोर, अरविंद सीता डामोर, अंकुर संस्थान सचिव शैलेंद्र सराफ सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी अभिभावकों ने चौदह वर्ष तक की अपनी लाडली बेटी के साथ लाडली उपवन में एक एक पौधा लगाया और उसको जब तक वह बड़ा न हो जाए तब तक एक बहन के रूप में संरक्षण और सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर प्रकाश चंद्र शर्मा ने सभी लोगों से आह्वान किया की वह अपनी लाडली बेटी के साथ एक पौधा जरूर लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस दौरान संस्थान सचिव शैलेंद्र सराफ ने कहा कि भविष्य में भी इस लाडली उपवन को और अधिक विकसित किया जाएगा और इसको हरा भरा बनाया जाएगा। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सिख धर्म में भी गुरु को भगवान माना जाता है। इस कारण गुरु पूर्णिमा सिख धर्म का भी अहम त्योहार है। सिख धर्म केवल एक ईश्वर और अपने दस गुरुओं की वाणी को ही जीवन का वास्तविक सत्य मानता है। आषाड़ की पूर्णिमा को चुनने के पीछे गहरा अर्थ है कि गुरु तो पूर्णिमा क` चंद्रमा की तरह हैं। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आषाड़ के बादलों की तरह। आषाड़ में चंद्रमा बादलों से घिरा रहता है जैसे बादल रूपी शिष्यों से गुरु घिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चांद की तरह चमक सके। उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है। इसलिए

आषाड़ की पूर्णिमा का महत्व है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रति वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव अपनी सभी शाखाओं पर मनाता है। संघ के छह उत्सवों में से एक गुरु पूर्णिमा भी है। गुरु पूर्णिमा के दिन देश में संघ की सभी शाखाओं पर स्वयंसेवक इस उत्सव को मनाएंगे। संघ के स्वयंसेवक किसी व्यक्ति को नहीं बल्कि भगवा ध्वज को अपना गुरु मानते हैं। उस दिन भगवा ध्वज की पूजा करने के साथ-साथ गुरु के प्रति जो भी बनता है समर्पण भी करते हैं। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयंसेवकों के लिए गुरु पूजा प्रारंभ की। यह गुरु कोई व्यक्ति नहीं बल्कि भगवा ध्वज है। संघ तत्व पूजा करता है व्यक्ति पूजा नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने गुरु के स्थान पर भगवाध्वज को स्थापित किया है। भगवाध्वज त्याग, समर्पण का प्रतीक है। स्वयं जलते हुए सारे विश्व को प्रकाश देने वाले सूर्य के रंग का प्रतीक है। संपूर्ण जीवों के शाश्वत सुख के लिए समर्पण करने वाले साधु, संत भगवा वस्त्र ही पहनते हैं। इसलिए भगवा, केसरिया त्याग का प्रतीक है। महान संत कबीरदास जी ने गुरु के महत्व को इस तरह बताया है- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागु पांय, बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय। अर्थात यदि भगवान और गुरु दोनों सामने खड़े हो तो गुरु के चरण पहले छूना चाहिये क्योंकि उसने ही ईश्वर का बोध करवाया है। गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा है। प्रसिद्ध सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य को अपना गुरु बनाकर ही राज सिंहासन पाया था। इतिहास में हर महान राजा का कोई न कोई गुरु जरूर था। प्राचीन भारत में आज की तरह स्कूल, कॉलेज नहीं होते थे। उस समय गुरुकुल प्रणाली द्वारा शिक्षा दी जाती थी। समाज के सभी वर्गों के बालक गुरुकुल जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। वो गुरुकुल (आश्रम) में ही रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। नेपाल में इसे गुहा पूर्णिमा के रूप में मनाते है। छात्र अपने गुरु को विशेष व्यंजन, फूल मालाएं, विशेष रूप से बनाई गई टोपी पहनाकर गुरु का स्वागत करते है। स्कूल में गुरु की मेहनत को प्रदर्शित करने के लिए मेलों का आयोजन किया जाता है। इस दिवस को मनाकर गुरु-शिष्य का रिश्ता और भी मजबूत हो जाता है। गुरु का आशीर्वाद सबके लिए कल्याणकारी व ज्ञानवर्धक होता है।

गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष उत्सव है गुरु पूर्णिमा

भिवानी (हिंस)। वैसे तो भारत में जब किसी सैनिक या किसी महान हस्ती का निधन हो जाता है तो उनके शव को तिरंगे मे लपेटकर और उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाती है। भिवानी में रविवार को देश के राष्ट्रीय पक्षी मोर को राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया। पर्यटन विकास मंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश गारनपुरा ने गांव गारनपुरा कलां में रविवार सुबह एक पेड़ से राष्ट्रीय पक्षी मोर नीचे गिर गया, जिसके बाद वह घायल हो गया। जिसके बाद वे उस मोर को अपनी घर ले आए, जहां कुछ देर तो मोर जीवित रहा। उसके बाद मोर की मृत्यु हो गई। जिसके बाद राष्ट्रीय पक्षी मोर के पोस्टमार्टम के लिए वन्य प्राणी रक्षक अधिकारी राजूराम, वन दरोगा अजय कुमार व वीएस डॉ. प्रवीण सांगवान पहुंचे तथा मोर का पोस्टमार्टम कर मोर के शव को तिरंगे में लपेटकर राजकीय सम्मान के साथ दफनाया गया। राजेश गारनपुरा ने कहा कि राष्ट्रीय पक्षी का खिताब मोर पक्षी को प्राप्त है। मरने के बाद मोर को यूं ही नहीं दफनाया जा सकता। पूरे प्रोटोकॉल के तहत पहले मोर के शव को भारतीय ध्वज में लपेटा जाता है, जिसके बाद उसकी सम्मान सहित विदाई होती है तथा प्रोटोकॉल को अपनाते हुए मोर को दफनाया गया। उन्होंने कहा कि वन्य जीव भी हमारे जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जीव प्राणियों की प्रजाति धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। इसीलिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, ताकि वन्य जीव प्राणियों को बचाया जा सकें।

जून में घटी पेट्रोल-डीजल की बिक्री, एविएशन फ्यूल की मांग में जबरदस्त इजाफा

नई दिल्ली।
देश में पिछले महीने की तुलना में पेट्रोल-डीजल की बिक्री कम हुई है। उद्योग के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मानसून के आगमन से कृषि क्षेत्र में मांग में कमी और वाहनों की आवाजाही कम हुई है। इस वजह से पेट्रोल-डीजल की खपत कम हो गई है। देश में सबसे ज्यादा डीजल की मांग है। इसकी खपत सबसे ज्यादा होती है। सबसे अधिक खपत वाले ईंधन में डीजल का दो-पांचवां हिस्सा है। एक साल पहले की तुलना में जून में 3.7 फीसदी गिरकर 7.1 मिलियन टन हो गई। अप्रैल में 6.7 प्रतिशत और मई में 9.3 प्रतिशत बढ़ गया था। इन महीनों में खेती की मांग बढ़ी थी। इसी के साथ कारों में गर्मी से बचने के लिए एयर कंडीशनिंग का सहारा लिया था। आपको बता दें कि मई में 7.09 मिलियन टन डीजल की खपत की तुलना में महीने-दर-महीने बिक्री लगभग स्थिर रही। जून 2023 में पेट्रोल की बिक्री एक साल पहले की तुलना में 3.4 फीसदी बढ़कर 2.9 मिलियन टन हो गई। आंकड़ों से पता चलता है कि पेट्रोल-डीजल की बिक्री महीने-दर-महीने अपरिवर्तित रही। औद्योगिक और कृषि गतिविधियों में तेजी के कारण मार्च के बाद पेट्रोल और डीजल की बिक्री बढ़ गई है। मानसून के आने के बाद तापमान में गिरावट आई है। इसकी वजह से खेतों की सिंचाई के लिए डीजल जेनसेट चलाने की मांग में भी कमी आई है। इसी के साथ ट्रैक्टरों और ट्रकों की खपत में भी कमी हो गई है। गर्मी के मौसम में एयरलाइन सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। इससे जून में जेट ईंधन (एटीएफ) की मांग में भी बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में जून में 6 फीसदी बढ़कर 587,300 टन हो गई। वहीं, जून 2021 में एटीएफ की खपत 140 प्रतिशत थी जो जून 2019 की तुलना में 4.6 प्रतिशत कम थी। आपको बता दें कि मई 2023 में 6,02,000 टन के मुकाबले महीने-दर-महीने की बिक्री 2.4 प्रतिशत गिर गई है। रसोई गैस एलपीजी की बिक्री सालाना आधार पर जून महीने में गिर गई है। इस महीने एलपीजी की बिक्री 0.8 प्रतिशत घटकर 2.27 मिलियन टन रही। ये आंकड़े जून की तुलना में लगभग स्थिर है। वहीं, प्री-कोविड जून 2019 की तुलना में 28.5 प्रतिशत से ज्यादा है।

न्यूज ब्रीफ

25 हजार करोड़ के 9000 फर्जी जीएसटी नंबरों का पर्दाफाश, बोगस कंपनियों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता

नई दिल्ली । बोगस कंपनियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। जीएसटी अधिकारियों ने 9,000 फर्जी गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स आइडेंटिफिकेशन नंबर (जीएसटीआईएन) वाले 304 सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इन कंपनियों ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिये 25,000 करोड़ का दावा किया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के चेयरमैन विवेक जौहरी ने बताया कॉरपोरेट इनकम टैक्स देने वाले केवल 40 फीसदी लोग जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं। जीएसटी के छह साल पूरे होने के बाद भी केवल 1.39 लाख कारोबारी इसमें पंजीकृत हैं। जीएसटी दिवस पर एक कार्यक्रम में जौहरी ने कारोबारियों से अपील की कि वे जीएसटी में पंजीकरण अवश्य कराएं। इससे उनको ही लाभ होगा। केंद्र और राज्य के अधिकारी दो महीने का विशेष कार्यक्रम चला रहे हैं, जिसमें फर्जी कारोबारियों पर नजर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, जीएसटी के कारण कर के मोर्चे पर अधिक उछाल आया है। इसलिए, केंद्र और राज्य दोनों को लाभ हुआ है। आज, जीएसटी के बाद किसी भी राज्य को राजस्व का नुकसान नहीं हुआ है। जीएसटी लागू होने से पहले, भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली खंडित थी, जहां हर राज्य ग्राहकों के लिए एक अलग बाजार था। इधर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एपी महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक पर 65 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। हैदराबाद पुलिस ने शनिवार को बताया कि रिजर्व बैंक ने प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे के प्रावधानों का अनुपालन न करने पर यह कार्रवाई की है।

मोबाइल-फ्रिज सहित कई होम अप्लायंस सस्ते हुए: इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स पर लगने वाले जीएसटी पर सरकार ने 19प्रतिशत तक कटौती की

मुंबई। मोबाइल, टीवी और रेफ्रिजरेटर सहित कई होम अप्लायंस आज से सस्ते हो गए हैं। वित्त मंत्रालय ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स के 6 साल पूरे होने पर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स पर जीएसटी में 19प्रतिशत तक की कटौती की है। जो लोग नया फोन या इलेक्ट्रिक सामान खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, उन्हें अब 3 से 19प्रतिशत तक टैक्स कम देना होगा और कंपनियां भी अपने प्रोडक्ट्स की कीमत कम कर सकती हैं। वित्त मंत्रालय ने अपने ट्विटर हैंडल से ऐसे प्रोडक्ट्स की लिस्ट जारी की है। जीएसटी की नई दर के मुताबिक, भारत सरकार ने मोबाइल फोन पर लगने वाले जीएसटी में 19.3प्रतिशत कटौती की है। पहले मोबाइल फोन खरीदने पर लोगों को 31.3प्रतिशत का जीएसटी देना होता था, लेकिन अब सिर्फ 12प्रतिशत जीएसटी देना होगा। वहीं, मोबाइल फोन मैनुफैक्चरर्स भी दाम में कटौती कर सकते हैं। पहले किसी भी प्रकार के टीवी खरीदने पर लोगों को 31.3प्रतिशत जीएसटी देना पड़ता था। अब जीएसटी की नई दर के अनुसार, 27 इंच या इससे कम साइज का टीवी खरीदने पर अब 18प्रतिशत जीएसटी देना होगा।

पिछले 12 महीनों में स्विगी को मिले 7.6 करोड़ बिरयानी ऑर्डर!

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने एक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि भारतीयों ने

पिछले 12 महीनों में 7.6 करोड़ बिरयानी ऑर्डर दिए हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के ऑर्डर विश्लेषण से 2023 की पहली छमाही से कुछ दिलचस्प रुझानों का पता चला है। पिछले साढ़े पांच महीनों में 2022 की तुलना में बिरयानी ऑर्डर में 8.26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। देश भर में 2.6 लाख से अधिक रेस्तरां स्विगी के माध्यम से बिरयानी पेश करते हैं। इस साल जून तक 7.2 मिलियन ऑर्डर के साथ हैदराबाद बिरयानी खपत में शीर्ष पर है। कंपनी ने बताया कि बेंगलुरु लगभग 5 मिलियन ऑर्डर के साथ दूसरे स्थान पर और चेन्नई लगभग 3 मिलियन ऑर्डर के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चेन्नई के एक बिरयानी प्रेमी ने एक ऑर्डर पर 31,532 रुपए की रकम खर्च कर दी। लगभग 85 वेरिएंट और 6.2 मिलियन से अधिक ऑर्डर के साथ दम बिरयानी चैंपियन के रूप में उभरी है।

केज फाइट को लेकर एलन मस्क के माता-पिता खुश नहीं

पिता बोले- एलन हारें या जीतें, दोनों ही हालात में मजाक उड़ेगा

वॉशिंगटन।
एलन मस्क ने मार्क जुकरबर्ग को इस महीने ट्वीट कर 'केज फाइट' के लिए चुनौती दी थी। ये पहले तो मजाक लग रहा था, लेकिन दुनियाभर में इस पर हुई प्रतिक्रिया को देखकर लगता है कि इस मैच का होना अब लगभग तय है। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप के प्रेसिडेंट डाना व्हाइट बताते हैं कि जुकरबर्ग का उन्हें ये जानने के लिए मैसेज आया था कि क्या मस्क सच में फाइट करना चाहते हैं। डाना ने जब इसकी पुष्टि की तो जवाब में, जुकरबर्ग ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया: 'मुझे स्थान भेजें।' तभी से फाइट करवाने के लिए डाना, मस्क और जुकरबर्ग आयोजकों से सलाह ले रहे हैं।

वहीं, मस्क के माता-पिता इस फाइट से खुश नहीं हैं। मस्क की मां मैं ने ट्वीट कर इस फाइट को बढ़ावा न देने का आग्रह किया है। पिता एरोल मस्क का कहना है कि इस फाइट में अगर एलन, जुकरबर्ग को हरा देते हैं तो, जुकरबर्ग से आकार में बड़े होने के कारण उन्हें बुली कहा जाएगा और अगर वो हार जाते हैं तो एलन मजाक बन कर रह जाएंगे जो बहुत बड़े अपमान की बात होगी। दूसरी ओर जुकरबर्ग के दोस्त और सलाहकार इस फाइट को देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

रोम के कोलोसियम या वेगास में हो सकती है फाइट

इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ये फाइट होगी। अगर हुई तो ये एक एग्जीबिशन मैच होगा। इसकी कमाई का कुछ हिस्सा चैरिटी में भी जाएगा। वैसे, इस फाइट के लिए पसंदीदा स्थान लास वेगास है, लेकिन, मस्क ने गुरुवार को ट्वीट किया है कि ये फाइट रोमन कोलोसियम में हो सकती है।

केज फाइट के लिए ट्रेनिंग ले रहे हैं मस्क

मस्क ने केज फाइट के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ट्रेनिंग की फोटोज सामने आई हैं। इनमें वो पॉपुलर पॉडकास्टर रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के साथ लड़ रहे हैं। फ्रिडमैन ने ही तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं और लिखा- मस्क की पावर से प्रभावित हूं।

केज फाइट का चैलेंज कैसे शुरू हुआ और ये कहां होगी...

जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। इसके बाद डेली मेल ने एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी- ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा। ऐसी ही एक पोस्ट पर एलन मस्क ने जुकरबर्ग को चिढ़ाने वाली इमोजी पोस्ट की। मारियो नाफवाल नाम के ट्विटर हैंडल से जुकरबर्ग के नए प्लेटफॉर्म से जुड़ी और डीटेल्स शेयर की गई। नाफवाल को एलन मस्क फॉलो भी करते हैं। इसमें कहा गया कि मेटा के नए ऐप का नाम थ्रेड हो सकता है। इस पर एक ट्विटर यूजर ने लिखा- बेहतर होगा मस्क सावधान रहें... मैंने सुना है कि जुकरबर्ग अब जु-जित्सु कर रहे हैं। यहीं से केज फाइट चैलेंज की शुरुआत हुई। मस्क ने पोस्ट पर जवाब दिया- मैं केज फाइट के लिए तैयार हूं। इसके बाद जुकरबर्ग ने मस्क से फाइट की लोकेशन पूछी और मस्क ने जवाब दिया- वेगास ऑक्टागन। मस्क और जुकरबर्ग वेगास ऑक्टागन में लड़ेंगे या नहीं, ये अभी साफ नहीं है। मस्क की पोस्ट पर कमेंट बॉक्स मीम्स से भर गया है। एक यूजर ने मस्क की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह हल्क की तरह दिख रहे हैं।

मस्क स्ट्रीट फाइटर और जुकरबर्ग जु-जित्सू चैंपियन

52 वर्षीय मस्क साउथ अफ्रीका में बड़े हुए हैं। मस्क ने बताया था कि साउथ अफ्रीका में उन्होंने रियल हार्ड-कोर स्ट्रीट फाइट्स में हिस्सा लिया। 39 साल के जुकरबर्ग एक एस्पिरेशनल फाइटर हैं, जिन्होंने पहले ही जु-जित्सु टूर्नामेंट जीते हैं। उन्होंने हाल ही में मर्फ चैलेंज वर्कआउट को 40 मिनट से कम समय में पूरा किया था।

जु-जित्सरू और केज फाइट क्या है

जु-जित्सु अनआर्म्ड कॉम्बैट और फिजिकल ट्रेनिंग की जापानी तकनीक है। केज फाइट में दो फाइटर एक पिंजरे के भीतर लड़ते हैं। फाइटर कई फाइटिंग टेक्नीक्स का इस्तेमाल करते हैं। इसमें मार्शल आर्ट के मिक्स्ड टाइप जैसे बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो, जु जित्सु, कराटे, मय थाई जैसी तकनीकों का इस्तेमाल होता है।

ट्विटर पर पोस्ट पढ़ने की डेली लिमिट तय हुई

अकाउंट वेरिफाइड नहीं है तो रोजाना सिर्फ हजार ट्वीट पढ़ सकेंगे; मस्क बोले- ये कदम अस्थायी

न्यूयॉर्क।
ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने शनिवार को ट्विटर पोस्ट पढ़ने की सीमा तय कर दी। मस्क ने कहा, वेरिफाइड यूजर अब एक दिन में सिर्फ दस हजार पोस्ट पढ़ सकेंगे। अनवेरिफाइड यूजर एक हजार पोस्ट, वहीं नए अनवेरिफाइड यूजर रोजाना सिर्फ 500 पोस्ट ही पढ़ पाएंगे। दरअसल, शनिवार को कई यूजर्स ने शिकायत की कि ट्विटर काम नहीं कर रहा है। वेबसाइट खोलते ही 'कान्ट रिट्रीव ट्वीट्स' और यू आर रेट लिमिटेड का एरर मैसेज दिख रहा है। इसके बाद रात में एलन मस्क ने ट्विटर के इस्तेमाल को सीमित करने की घोषणा की। सबसे पहले ट्वीट में मस्क ने कहा कि डेटा स्क्रैपिंग और सिस्टम मैनिपुलेशन से बचने के लिए ट्विटर पर अस्थायी रूप से लिमिट लगाई गई है।

मस्क ने 2 बार लिमिट बढ़ाई

मस्क ने पहला ट्वीट किया- वेरिफाइड अकाउंट अब रोजाना सिर्फ छह हजार, अनवेरिफाइड यूजर सिर्फ 600 और नए अनवेरिफाइड अकाउंट सिर्फ 300 पोस्ट पढ़ पाएंगे।

कुछ देर बाद एक और ट्वीट करके उन्होंने इस लिमिट को बढ़ाकर 8000 पोस्ट, 800 पोस्ट और 400 पोस्ट किया था।

इसके बाद उन्होंने एक और ट्वीट किया। इसमें उन्होंने वेरिफाइड के लिए लिमिट 10 हजार, पुराने अनवेरिफाइड यूजर के लिए 1 हजार और नए अनवेरिफाइड यूजर के लिए 500 कर दी।

ट्विटर ने लॉगिन न करने वाले यूजर्स को ब्लॉक करना शुरू किया

इससे पहले शुक्रवार को बिना लॉगिन किए ट्वीट देखने वाले लोगों को ब्लॉक कर दिया था। यानी फिलहाल जिन लोगों का ट्विटर पर अकाउंट नहीं है या जो लोग ट्विटर में लॉगिन किए बिना ट्वीट पढ़ लिया करते थे, उन्हें अब ट्वीट नहीं दिखेंगे। यूजर्स को पहले ट्विटर में लॉगिन करना होगा। एलन मस्क ने इस कदम को भी अस्थायी बताया था।

ट्विटर ने कैरेक्टर लिमिट 25,000 की

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने कैरेक्टर लिमिट को 25,000 कर दिया है। साथ ही यूजर अब कैरेक्टर के साथ इमेज भी एड कर सकेंगे। कंपनी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से इसकी अनाउंसमेंट की है। ट्विटर ने बताया कि इन फीचर्स का फायदा सिर्फ ब्लू सब्सक्रिप्शन प्लान लेने वाले यूजर को ही मिलेगा। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने इस पर अपने एक ट्वीट कर कहा कि, लॉन्ग फॉर्म पोस्ट में सुधार किया गया है।

---

4 जुलाई को ओपन होगा सेंको गोल्ड का आईपीओ : 6 जुलाई तक कर सकेंगे अप्लाय, 14 जुलाई को एनएसई - बीएसई पर लिस्ट होंगे शेयर्स

मुंबई।
ज्वेलरी बिजनेस से जुड़ी कंपनी सेंको गोल्ड का आईपीओ इस हफ्ते ओपन होगा। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 405 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस आईपीओ के लिए कंपनी 270 करोड़ के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी करेगी। जबकि 135 करोड़ रुपए के शेयर्स कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। कंपनी इस इश्यू के जरिए जुटने वाले फंड का यूज वर्किंग कैपिटल जरूरतों पूरा करने के लिए करेगी। इसके साथ ही, कंपनी उत्तर भारत में अपने बिजनेस का विस्तार करने और डायमंड ज्वेलरी बिजनेस को बढ़ाने में भी इन पैसों का यूज करेगी।

14 जुलाई को शेयर मार्केट में लिस्ट होगें शेयर्स

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 4 जुलाई से 6 जुलाई तक बिडिंग कर सकते हैं। 14 जुलाई को कंपनी के शेयर्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं सेंको गोल्ड के आईपीओ में

रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 47 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 301-317 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 317 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,899 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 611 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 193,687 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे।

आईपीओ का 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व

कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। कंपनी दुबई, मलेशिया और सिंगापुर में ज्वेलरी एक्सपोर्ट करती है कोलकाता बेस्ड कंपनी के पास भारत के 13 राज्यों के 89 शहरों और कस्बों में 127 शोरूम हैं, जिसमें से 70 शोरूम को कंपनी संचालित करती है और 57 फ्रेंचाइजी हैं।

पहली बार बिजली से दौड़ेंगी बसें : 6 साल में बनेगा दिल्ली-जयपुर इलेक्ट्रिक हाईवे, रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा

नई दिल्ली।
दिल्ली से जयपुर के बीच 225 किमी के रूट पर अगले छह साल में बिजली से चलने वाली बसें दौड़ने लगेंगी। केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय देश का पहला इलेक्ट्रिसिटी इनेबल्ड हाईवे (विद्युत चालित हाईवे) बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए मौजूदा सड़क पर ही आने-जाने वाले रास्तों पर एक डेडिकेटेड लेन बिजली से चलने वाली बसों के लिए तय हो जाएगी। इन बसों की रफ्तार 100 किमी तक होगी। ऐसी 55 सीटर बस का प्रोटोटाइप भी तैयार हो रहा है। दो बसें जोड़कर 95 सीटर पर भी काम चल रहा है।

कैसे होगा... डिवाइडर पर बिजली के पोल लगेंगे, तारों से विद्युत आपूर्ति

अफसरों का कहना है, इलेक्ट्रिक हाईवे के लिए अलग सड़क की जरूरत नहीं है,

एक डेडिकेटेड लेन होगी। इन बसों में तारों से बिजली आपूर्ति होगी। इसके लिए डिवाइडर पर बिजली के पोल लगाए जा सकते हैं। इस प्रोजेक्ट को बीओटी (बिल्ट, ऑपरेट एंड ट्रांसफर) के तहत बनाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार प्रोजेक्ट में टाटा और सिमन्स जैसी कंपनियों को शामिल किया जाएगा। ये इलेक्ट्रिक बसें अलग होती हैं। अन्य इलेक्ट्रिक बस बैटरी से चलती हैं और चार्ज करने की जरूरत पड़ती है, जबकि विद्युत ऊर्जा से चलने वाली बसों में लगातार बिजली की आपूर्ति होती रहती है, इसलिए इन्हें चार्जिंग की जरूरत ही नहीं है। जिस तरह अभी ट्रेन या मेट्रो में विद्युत आपूर्ति की जाती है, उसी तर्ज पर ये बसें भी चलेंगी। इसका मकसद ग्रीन ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

दुनिया; जर्मनी-स्वीडन जैसे कई यूरोपीय देशों में ऐसी बसें चल रहीं...

जर्मनी में प्रति किमी 22 करोड़ रु. के खर्च से इलेक्ट्रिसिटी हाईवे बन चुका है। इससे वहां ट्रकों का करीब 60प्रतिशत ट्रैफिक घटा है। स्वीडन भी इसका इस्तेमाल कर चुका है। मौजूदा समय में कई अन्य यूरोपीय देशों में इस तरह की बसें चलाई जाती हैं।

इलेक्ट्रिक हाईवे होता क्या है

आसान भाषा में समझें तो ऐसा हाईवे जिस पर इलेक्ट्रिक वाहन चलते हों। आपने ट्रेन के ऊपर एक इलेक्ट्रिक वायर देखा होगा। ट्रेन के इंजन से ये वायर एक आर्म के जरिए कनेक्ट होता है, जिससे पूरी ट्रेन को इलेक्ट्रिसिटी मिलती है।

हमारे टॉप-50 अमीरों में 36प्रतिशत सेल्फमेड

वहीं 64प्रतिशत संभाल रहे फैमिली बिजनेस, देश में 57प्रतिशत अरबपति सेल्फमेड

नई दिल्ली।
दुनिया में दो तरीके के अमीर होते हैं, पहला- सेल्फमेड, जो अपने दम पर अपना साम्राज्य खड़ा करते हैं और दूसरा- जो फैमिली बिजनेस को आगे बढ़ाकर तरक्की करते हैं। देश के टॉप-50 अमीरों का विश्लेषण किया तो सामने आया कि 50 में से 17 यानी करीब 36प्रतिशत सेल्फमेड हैं और 33 यानी 64प्रतिशत का फैमिली बिजनेस है। सेल्फमेड अमीरों की औसत उम्र 70 साल और फैमिली बिजनेस वालों की 69 साल है, यानी अंतर नहीं है। सेल्फमेड अमीरों की औसत संपत्ति एक लाख करोड़ रुपए और फैमिली बिजनेस से जुड़े अमीरों की करीब 66 हजार करोड़ रुपए है।

देश; कुल अरबपतियों में 57प्रतिशत सेल्फमेड - हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट-23 के अनुसार, देश में 57प्रतिशत अरबपति सेल्फमेड हैं। इनमें 3 महिलाएं हैं- जोहो की को-फाउंडर राधा वेम्बू, बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार शॉ और नायका की फाउंडर फाल्गुनी नायर। करीब 32 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ राधा टॉप पर। फोर्ब्स की रिच लिस्ट में देश में 103 सेल्फमेड अरबपति पुरुष हैं। इनमें अडाणी के अलावा शिव नाडर, साइरस पूनावाला शामिल है। अदाणी, नाडर और पूनावाला की संयुक्त संपत्ति 8 लाख करोड़ है, जो किरण मजूमदार, फाल्गुनी और राधा की संयुक्त संपत्ति से 14 गुना ज्यादा है। देश के टॉप-10 अमीरों में से सात सेल्फमेड (अदाणी, पूनावाला, शिव नाडर, राधाकृष्ण दमानी, दिलीप संघवी, लक्ष्मी मित्तल, उदय कोटक) और 3 फैमिली बिजनेस (मुकेश अंबानी, सावित्री जिंदल व कुमार बिड़ला) वाले हैं। टॉप-10 अमीरों में सावित्री जिंदल और लक्ष्मी मित्तल का स्टील का बिजनेस है, बाकी सभी अलग-अलग क्षेत्र से आते हैं।

दुनिया; सेल्फमेड महिलाओं में चीन की 81प्रतिशत हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट-2023 के मुताबिक, दुनिया में 70प्रतिशत अरबपति सेल्फमेड और 30प्रतिशत विरासत से अमीर बने हैं। सेल्फमेड वालों में जेफ बेजोस, मार्क जकरबर्ग व गौतम अदाणी टॉप पर हैं। अदाणी करीब 4 लाख करोड़ रु. के साथ देश के सबसे अमीर सेल्फमेड हैं। दुनिया की 247 सेल्फमेड अरबपति महिलाओं में 81प्रतिशत चीन की हैं। अमेरिका की 76 वर्षीय हेंड्रिक्स करीब 1.39 लाख करोड़ रु. की संपत्ति के साथ दुनिया की सबसे अमीर सेल्फमेड महिला हैं। भारत के टॉप-50 अमीरों में कोई सेल्फमेड महिला नहीं है। 33 फैमिली बिजनेस वाले अरबपतियों में भी सावित्री जिंदल और लीना तिवारी समेत दो ही महिलाएं हैं। फैमिली बिजनेस को सबसे तेजी से बढ़ाने वालों में बर्नार्ड अर्नाल्ट और मुकेश अंबानी टॉप पर हैं। बर्नार्ड ने महज 123 करोड़ रु. की पूंजी को 18 लाख करोड़ रु. तक पहुंचा दिया। वहीं, अंबानी ने 82 हजार करोड़ रु. की संपत्ति को 20 साल में करीब 7 लाख करोड़ के करीब पहुंचा दिया।

स्टडी; 10 में से 8 करोड़पति मिडिल क्लास से...

अमेरिका में रैमसे सॉल्यूशंस द्वारा की गई 'नेशनल स्टडी ऑफ मिलियनर्स' में करोड़पतियों के बारे में कई दिलचस्प जानकारियां सामने आईं... 79प्रतिशत करोड़पतियों को विरासत में कोई संपत्ति नहीं मिली। 21प्रतिशत को कुछ राशि मिली। सिर्फ 3प्रतिशत को ही फैमिली से 98 करोड़ से ज्यादा मिले। अमेरिका में करोड़पतियों के लिए टॉप-5 करिअर हैं- इंजीनियर, अकाउंटेंट, टीचर, मैनेजमेंट और अटॉर्नी। 62प्रतिशत करोड़पति सरकारी स्कूलों से ग्रेजुएट हुए। सिर्फ 8प्रतिशत ने किसी नामी निजी स्कूल में पढ़ाई-लिखाई की। 57प्रतिशत करोड़पति लिखित ग्रॉसरी लिस्ट लेकर शॉपिंग करने जाते हैं। 28प्रतिशत लोग लिस्ट से बाहर की चीज नहीं खरीदते। 15प्रतिशत करोड़पति ही लिस्ट नहीं बनाते हैं। अमेरिका में 74प्रतिशत युवा आबादी मानती है कि पारिवारिक संपत्ति के दम पर ही लोग करोड़पति बने हैं। हर 10 में से 8 करोड़पति मध्यम या उससे नीचे आयवर्ग वाले परिवारों से आते हैं। सिर्फ 2प्रतिशत अमीर ही अपर-इनकम फैमिली से ताल्लुक रखते हैं।

लाइव परफॉर्म करने की ख्वाहिश अधूरीः अनिल कपूर

-प्रेस कांफ्रेंस में एक्टर ने की खुलकर बातें, बताई अधूरी ख्वाहिशें

मुंबई (ईएमएस)। द नाइट मैनेजर में बालीवुड एक्टर अनिल कपूर का किरदार सभी को पसंद आया था। पहले सीजन को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली और हर कोई शो के दूसरे सीजन को देखने के लिए बेहद उत्साहित है। शो की कास्ट और क्रू के साथ मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनिल कपूर ने शो, इंडस्ट्री में अपने अब तक के सफर और अन्य विषयों पर विस्तार से बात की। अपनी अधूरी ख्वाहिशों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मुझे सबसे बड़ा अफसोस इस बात का है कि मैं थिएटर नहीं कर सका। काश मैंने अपने करियर में और अधिक थिएटर किया होता। इससे आपको दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करने का शानदार अनुभव मिलता है। ऐसा करने के लिए अधिक थिएटर निश्चित रूप से मेरी बकेट लिस्ट में है। द नाइट मैनेजर में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहाः इस भूमिका के लिए हमारे पास एक किताब थी, हमारे पास देखने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय शो था।

इसके अलावा, हर अभिनेता के पास चरित्र में डूबने का एक अलग तरीका होता है। मुझे भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से चरित्र में ढलना था। मैं भूमिका के बारे में सपने देखता था। मैं वॉयस ओवर रिकॉर्ड करता था और इसे अपने निर्देशक और लेखक को भेजता था। मैं ऐसी फिल्में देखता था जिनमें इस तरह के रोल हों। जब हमने अपना करियर शुरू किया था, उस समय हमें आर्काइव देखने के लिए पुणे जाना पड़ता था। आज सब कुछ आपकी उंगली की क्लिक पर उपलब्ध है। यही कारण है कि आज हमारे अभिनेता अंतर्राष्ट्रीय अभिनेताओं के बराबर हैं। द नाइट मैनेजर के बा अनिल कपूर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में नजर आएंगे।

किंग ऑफ कोठा में गैंगस्टर बनेंगे सलमान

-इसका टीजर चार भाषाओं में जारी

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता दुलकर सलमान अपनी बड़े बजट की फिल्म किंग ऑफ कोठा के लिए तैयार हैं। इसका टीजर चार भाषाओं - मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में जारी किया गया। टीजर में भरपूर एक्शन का वादा किया गया है।फिल्म का निर्माण वेफरर फिल्म्स और जी स्टूडियोज द्वारा किया गया है। फिल्म में दुलकर सलमान एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं। 94 सेकंड का वीडियो एक आवाज के साथ शुरू होता है, लोग राजा की वापसी का इंतजार कर रहे थे। उनका मानना था कि केवल राजा ही उनकी भूमि को उस राक्षस से बचा सकते हैं जो उनके बच्चों को खा गया है। आखिरकार, वह दिन आ ही गया। राजा लौट आये। फिर, एक भित्ति चित्र में राजा दुलकर का चेहरा दिखाया गया है। वीडियो विभिन्न पात्रों को शीघ्रता से दिखाता है और एक्शन से भरपूर दृश्यों का वादा करता है। कोठा के राजा कहते हैं, यह गांधीग्राम नहीं है... यह कोठा है... यहां, जब मैं कहता हूं कि यह दिन है, तो यह दिन है, और जब मैं कहता हूं कि यह रात है, तो यह रात है। किंग ऑफ कोठा जी स्टूडियो की पहली मलयालम फिल्म है। कोठा के राजा दो युगों की कहानी कहते हैं। फिल्म का छायांकन निमिष रवि ने किया है। इसकी पटकथा अभिलाष एन चंद्रन ने लिखी है। संगीत जेक बिजॉय और शान रहमान ने तैयार किया है। अभिलाष जोशी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दुलकर के साथ-साथ ऐश्वर्या लक्ष्मी, शबीर कल्लारक्कल, चेंबन विनोद जोस, नायला उषा, शांति कृष्णा, प्रसन्ना, गोकुल सुरेश, सुधी कोप्पा और अनिखा सुरेंद्रन जैसे बड़े स्टार शामिल हैं।

शीजान के बारे में बताते हुए भावुक हुई बहन फलक

-बिग बॉस ओटीटी 2 में बताया परेशानी भरी जिंदगी के बारे में

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री फलक नाज ने शो में अपने भाई शीजान खान की सह-अभिनेत्री तुनिशा शर्मा की मौत के बाद जेल जाने की परेशानी भरी जिंदगी के बारे में बताया। बिग बॉस ओटीटी 2 में भावुक होते हुए फलक ने बताया कि कैसे उनके भाई के जेल जाने के बाद उनके परिवार को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी। फलक ने कहा, मैं कभी भी अपने परिवार के साथ खड़े होने और उसकी रक्षा करने का श्रेय नहीं लेती। फलक ने कहा कि लोग कहते रहते हैं कि इसके कर्म ही खराब हैं। इंसानियत बिल्कुल नहीं बची है। कुछ लोग तो यहां तक कहते हैं कि मैं यहां शो में अपने परिवार की छवि चमकाने आई हूं। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं है। फलक ने साझा किया कि छोटा भाई शाबी केवल शीजान के बारे में पूछता रहता था, जब वह सलाखों के पीछे था। वह और उसका परिवार शबी को यह नहीं बता सके कि शीजान कब वापस आएगा। उन्होंने आगे कहा कि, एक बार शबी, शीजान से मिलने जेल गए थे। शबी ने खिड़की की दूसरी तरफ रहकर शीजान से फोन पर बात की थी और रोते हुए उन्होंने शीजान से पूछा था कि तुम घर कब आ रहे हो।

अपने फैंस की असामयिक मौत से दुखी हुए जूनियर एनटीआर

मशहूर साउथ स्टार जूनियर एनटीआर की देश-विदेश में तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जूनियर एनटीआर भी अपने फैंस के प्रति खूब प्यार जताते हैं। हाल ही में जूनियर एनटीआर के एक फैन श्याम की असामयिक मौत हो गई, जिसके बारे में जानकर जूनियर एनटीआर को बेहद बुरा लगा और उन्होंने श्याम के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जूनियर एनटीआर ने कहा कि न जाने कैसे और किन परिस्थितियों में उनकी मौत हुई, यह दिल तोड़ने वाली बात है। जूनियर एनटीआर ने सरकारी अधिकारियों से श्याम की मौत की तुरंत जांच करने का अनुरोध किया। बता दें, जूनियर एनटीआर के फैन 25 जून को आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। 23 वर्षीय युवक का शव फांसी पर लटका मिला था। हालाँकि, कई लोगों ने मौत के कारण पर संदेह जताया है।

398 व्यक्तियों को अपने रैंक में शामिल होने दिया का निमंत्रण

-ये फिल्मी हस्तियां होंगी ऑस्कर के लिए वोट करने के पात्र

मुंबई (ईएमएस)। ऑस्कर के पीछे संगठन ने कहा कि उसने इस वर्ष 398 व्यक्तियों को अपने रैंक में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया है। आमंत्रित लोगों में 22 ऑस्कर विजेता और 76 नामांकित व्यक्ति शामिल हैं, जैसे एवरीथिंग एवरीव्हेयर ऑल एट वन्स के लेखक-निर्देशक-निमार्ता डेनियल क्वान और डेनियल शीइनर्ट, जिन्हें तीन शाखाओं में से एक को चुनना होगा, साथ ही अभिनेता पॉल मेस्कल, स्टेफनी सू और केरी कॉन्डन भी शामिल हैं। टेलर स्विफ्ट, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता ऑस्कर विजेता के ह्यु क्वान, एल्विस स्टार ऑस्टिन बटलर, नोप के केके पामर और द वीकेंड को एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस वर्ष के अधिकांश आमंत्रित लोग अमेरिका के बाहर के देशों से हैं, जिनमें आरआरआर अभिनेता राम चरण और एनटी रामाराव जूनियर, होली स्पाइडर स्टार जार अमीर-इब्राहिमी, ट्रायंगल ऑफ सैडनेस ब्रेकआउट डॉली डी लियोन, शॉपलिफ्टर्स सकुरा एंडो, फैंटम थ्रेड स्टार शामिल हैं। विकी क्रेप्स और डिसीजन टू लीव्स पार्क हे-इल। सूची में अन्य हॉलीवुड अभिनेताओं में लशाना लिंच, निकोलस हाउल्ट, बिल हैडर, पॉल रेसर, सेल्मा ब्लेयर और द गोनीज अभिनेता रॉबर्ट जॉन डेवी शामिल हैं। अकादमी ने अपने रैंकों में विविधता लाने के लिए प्रगति करना जारी रखा है। क्या सभी आमंत्रितों को उनके निमंत्रण स्वीकार करने चाहिए, अकादमी के रैंकों में 34 प्रतिशत महिलाएं, 18प्रतिशत कम प्रतिनिधित्व वाले जातीय या नस्लीय समुदायों से और 20प्रतिशत गैर-अमेरिकी देशों से होंगी। अन्य भारतीय शामिल लोगों में निर्देशक शाखा में मणिरत्नम और चैतन्य तम्हाने, निमार्ता शाखा में करण जौहर और सिद्धार्थ रॉय कपूर, सिनेमैटोग्राफर शाखा में केके सेंथिल कुमार, प्रोडक्शन डिजाइन शाखा में साबू सिरिल और डॉक्यूमेंट्री शाखा में शौनक सेन शामिल हैं। निर्देशक की शाखा में शामिल होने के लिए आमंत्रित लोगों में जोसेफ कोसिंस्की (टॉप गनः मेवरिक), एडवर्ड बर्जर (ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट), सैंटियागो मेटर (अर्जेंटीना, 1985), माइकल शोलेटर (द आइज ऑफ टैमी फे) और कार्लोस लोपेज एस्ट्राडा (राया एंड द लास्ट ड्रैगन)। कार्यकारी शाखा के आमंत्रित सदस्यों में वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के सीईओ डेविड जस्लाव, सनडांस इंस्टीट्यूट के सीईओ जोआना विसेंट और एसएक्सएसडब्ल्यू के एमेरिटस निदेशक जेनेट पियर्सन शामिल हैं। संगीत शाखा में, स्विफ्ट के अलावा, जिन्होंने हाल ही में व्हेयर द क्रॉडैड्स सिंग के लिए एक गीत लिखा है, और एबेल मैककोनेन टेस्फेय (द वीकेंड), अन्य उल्लेखनीय लोगों में डेविड बर्न, आरआरआर के एम. एम. शामिल हैं। कीरावनी और चंद्रबोस, और सोन लक्स के रयान लोट और इयान चांग। कुछ निदेशकों को अन्य शाखाओं में आमंत्रित किया गया। मार्सेल द शेल विद शूज ऑन के निर्देशक डीन फ्लेशर-कैंप को एनीमेशन और लघु फिल्म शाखा के लिए निमंत्रण मिला।

स्ट्रॉबेरी बेच रहे एक लड़के की सोनू सूद की मदद

हाल ही में आम आदमी के मसीहा सोनू सूद ने अपने फॉलोअर्स के दिलों पर कब्जा करते हुए हिमाचल प्रदेश में एक युवा स्ट्रॉबेरी विक्रेता को स्पॉटलाइट किया है। सोनू ने हालही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जो उनके वास्तविक उत्साह को दशार्ता है। इसमें सोनू बिहार के स्ट्रॉबेरी विक्रेता के साथ खड़े हैं और उसका उत्साह बढ़ाते हुए जोर से कहते हैं एक बिहारी सब पे भारी। इस वीडियो के जरिये वह दूसरों को छोटे व्यवसायों को सफलतापूर्वक चलाने के लिए अपार क्षमता और कड़ी मेहनत को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अपने सशक्त पहलों के माध्यम से सोनू एक मार्गदर्शक के रूप में अनगिनत व्यक्तियों को अपने सपनों को पूरा करने की राह दिखाते और प्रेरित करते हैं। बता दें कि सोनू सूद ने एक बार फिर खुद को छोटे व्यवसायों के लिए सबसे बड़ा समर्थक साबित कर दिया है। कुछ दिन पहले उन्हें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक सड़क किनारे मकई बेचने वाले को बढ़ावा देते हुए देखा गया था।

हिरानी की संजू के पांच साल हुए पूरे

राजकुमार हिरानी वे फिल्म निमार्ता हैं जिन्होंने हमेशा ही अपनी फिल्मों के साथ सही तालमेल बिठकर बेहतरीन सिनेमा अनुभव दिया हैं। उनकी फिल्में और कहानियां हमेशा समाज के लिए सही दर्पण साबित हुई है,और उनकी महान कलाकृति की ऐतिहासिक फिल्मों में से एक, संजू ने आज अपने पांच साल पूरे कर लिए हैं। हिरानी द्वारा निर्देशित संजू एक बेहद खूबसूरत फिल्म है जो शानदार और तालियां बजाने योग्य क्लाइमेक्स के साथ सटीक ड्रामा और खूबसूरत भावनाएं पेश करती है। यह कहना गलत नहीं होगा कि संजू हिरानी की अब तक की सबसे निपुण प्रोजेक्ट में से एक है। हिरानी की फिल्में अपनी बेहतरीन स्क्रीनप्ले के लिए जानी जाती जो हमेशा दर्शकों को कहानी में शामिल रखते हुए उनकी रुचि को जगाती हैं। फिल्म के सारे किरदार को शानदार रूप से चित्रित किया गया है। वास्तव में, संजू एक शशक्त स्क्रीनप्ले का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जो कहानी की भावनाओं को सहजता से बुनता है। संजू एक उत्कृष्ट रूप से बनाई गई बायोपिक है जिसे हर सिनेमा प्रेमी को देखना चाहिए। संजू के रूप में रणबीर कपूर ने खुद को एक अलग श्रेणी में रखा है।

सुजैन खान ने अर्सलान की बाहों में दिए रोमांटिक पोज

बालीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ और इंटीरियर फैशन डिजाइनर सुजैन खान अपने ब्वायफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ मायानगरी से दूर मैक्सिको में रोमांटिक वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। वहां से कपल का एक वीडियो भी सामने आया है, जो इंटरनेट पर खूब देखा जा रहा है। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि सुजैन खान वेकेशन में खूब मस्ती कर रही हैं अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी की बाहों में इश्क फरमा रही हैं। इस दौरान जहां सुजैन बिकिनी पहने बेहद हॉट लग रही हैं, वहीं उनके बॉयफ्रेंड भी शर्टलेस होकर अपनी लेडीलव पर खूब प्यार उड़ेल रहे हैं और शिप में दोनों खूब मस्ती करते दिख रहे हैं। इस दौरान लवबर्ड्स के साथ उनके फ्रेंड भी नजर आ रहे हैं। यह वीडियो शेयर कर सुजैन खान ने कैप्शन में लिखा, मेरे पसंदीदा लोगों के साथ धूप, हंसी और यादें लॉसकोबास।

वरुण और जाह्नवी की सीरीज "बवाल" का ट्रेलर दुबई में होगा लॉन्च

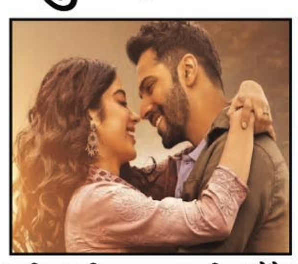

एक्टर वरुण धवन और एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म "बवाल" को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को दंगल के डायरेक्टर नितेश तिवारी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी और हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट और दुबई में होने वाले ग्रैंड इवेंट का ऐलान किया गया है। फिल्म "बवाल" का ट्रेलर 8 जुलाई को भारत में नहीं बल्कि दुबई में रिलीज किया जाएगा। इसके लिए फिल्म की पूरी टीम और लीड कास्ट दुबई के लिए रवाना होगी। इस कार्यक्रम में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, निर्देशक नितेश तिवारी, निमार्ता साजिद नाडियाडवाला शामिल होंगे। दुबई में इस समय फिल्म "बवाल" के भव्य ट्रेलर लॉन्च की तैयारी चल रही है। निमार्ता साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म के लिए अमेजन प्राइम वीडियो के साथ 110 करोड़ की डील साइन की है। "जुड़वा 2" और "कलंक" के बाद अभिनेता वरुण धवन और साजिद नाडियाडवाला तीसरी बार "बवाल" के साथ साथ आएंगे। 8 जुलाई को ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म "बवाल" 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच जान्हवी कपूर की पिछली दोनों फिल्में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी हैं। गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल 2020 में नेटफ्लिक्स पर और गुड लक जेरी 2022 में डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। वहीं "बवाल" वरुण धवन की दूसरी फिल्म है, जो सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी। 2020 की शुरूआत में उनकी "कुली नंबर 1" ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

सुष्मिता सेन की बहुचर्चित "ताली" सीरीज का पोस्टर रिलीज

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपनी आने वाली वेब सीरीज "ताली" को लेकर सुर्खियों में हैं। वेब सीरीज "ताली" में एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने तीसरी श्रेणी की एक्टिविस्ट गौरी सावंत का किरदार निभाया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर "ताली" वेब सीरीज का पोस्टर शेयर किया है। सुष्मिता सेन की वेब सीरीज "ताली" ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। पोस्टर में सुष्मिता माथे पर बड़ा सा लाल टीका लगाए नजर आ रही हैं। सीरीज के पहले मोशन पोस्टर में एक्ट्रेस कहती हैं, "हे भगवान, आप मेरी जिंदगी में इतनी सारी परेशानियां लेकर आएं... मैं उन सभी को आसानी से सुलझा लूंगी, मैं गर्म रेत में एक बगीचा बनाऊंगी, भले ही मुझ पर हजारों बिजली गिरें।", मैं ताली बजती नहीं, बजवाती हूं।"" कहते नजर आती हैं। "ताली" सीरीज के इस मोशन पोस्टर को देखकर फैंस ने एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की जमकर तारीफ की है। एक्ट्रेस को इस नए रोल में देखने के लिए उनके फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक यूजर ने सुष्मिता सेन की तारीफ करते हुए कहा, ""मास्टरपीस...हम निश्चित रूप से इसका इंतजार करेंगे"", वहीं दूसरे ने कहा, ""बॉस लेडी"". इस बीच, गौरी सावंत की जीवन यात्रा को "ताली" में दिखाया जाएगा। सुष्मिता सेन की मुख्य भूमिका वाली "ताली" का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। साथ ही जल्द ही एक्ट्रेस की वेब सीरीज "आर्या 3" भी दर्शकों के सामने आएगी।

सूडोकु नवताल- 6480

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6479 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7227

श	रा	कै	फी	आ	ज	मी	ट	झ	क	न
नौ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	र
शा	र	श	बा	ना	आ	ज	मी	अ	ल	गि
द	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	मि	र	स
ट	क	र	ष	अ	मि	री	चि	ता	र	ट
ह	ह	मा	व	दा	भि	ला	ती	भ	न	ती
ट	ट	बु	ल	र	म	जी	ह	ब	ह	क
बा	जी	वा	ला	अ	छ	स	त	च्च	जू	ट
स	थो	शे	व	ह	म	दा	ने	न	र	द
र	ल	लें	ति	रं	ट	रो	बें	न	रु	थो
र	वीं	द्र	जै	न	ख	बौ	ही	स	मी	र

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 प्रमुख सिने व्यक्तित्व के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

नौशाद, कमाल अमरोही, कैफी आजमी, नरगिस, शेलेंद्र, समीर, अभिजीत, रवींद्र जैन, शबाना आजमी, अमिताभ बच्चन

शब्दजाल - 7226 का हल

प्र	अ	मे	आ	ए	का	धि	का	र	प	क
न	का	क	दि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	री
अ	दा	र	ला	मा	ग	अ	द	ह	प	म
है	द	रा	बा	द	न	स	नं	ह	लि	न
त	अ	अ	द	न	कृ	ष्णा	ह	त	न	ग
ख	म्म	न	र	व	प	का	त	ह	पु	र
ग	मा	ल	मा	व	चि	ला	र	मा	न	र
र	न	भा	र	न	प	तु	रा	ल	वि	ला
क	गु	बा	क	ड	प्पा	प	रु	न	जू	दे
र	टु	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	क	र्नू	ल	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6180

2	3		4		6	7
	30	6	34	2	31	3
5	1	7		6	2	
6	30		33		34	5
	5	2		7	1	6
7	35	4	35		28	
4	7		6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6179 का हल

4	7	5	6	3	2	1
1	31	2	38	6	28	3
5	1	6	3	7	2	4
6	36	3	33	1	28	5
3	5	7	4	2	1	6
7	32	4	31	4	33	2
2	3	1	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत एसएएफएफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में : लेबनान को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया ; अब कुवैत से 4 जुलाई को सामना

बेंगलुरु।
भारतीय फुटबॉल टीम ने साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में लेबनान को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। दोनों ही टीमें मुकाबले में गोल नहीं कर सकीं, ऐसे में नतीजे के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया। टीम इंडिया अब खिताबी मुकाबले में 4 जुलाई को कुवैत से भिड़ेगी। कुवैत ने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 1-0 से हराया। भारत 13वीं बार इस एसएएफएफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम केवल 4 बार खिताबी मुकाबला हारी और 8 बार चैंपियन बनी।

एक्स्ट्रा टाइम में भी गोल नहीं लगा - बेंगलुरु के कंतीरवा स्टेडियम में एसएएफएफ चैंपियनशिप के मुकाबले खेले जा रहे हैं। पहले सेमीफाइनल में कुवैत ने बांग्लादेश को 1-0 से हराया। वहीं भारत और लेबनान के बीच दूसरा सेमीफाइनल मैच 90 मिनट के बाद ड्रॉ रहा। दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। मैच में 30 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम जोड़ा गया, लेकिन एक्स्ट्रा टाइम में भी कोई गोल नहीं लगा। आखिरी में विजेता का फैसला करने के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया।

शूटआउट का रोमांच...

- पेनल्टी 1: भारत से सुनील छेत्री ने गोल दागा और टीम को बढ़त दिलाई; स्कोर 1-0
- पेनल्टी 2: लेबनान के हसन माटुक पेनल्टी चूक गए; स्कोर 1-0
- पेनल्टी 3: भारत के अनवरी अली ने गोल दागा, टीम इंडिया को 2 गोल की बढ़त; स्कोर 2-0
- पेनल्टी 4: लेबनान के वालिद ने गोल दागा, भारतीय गोलकीपर गुरिंदर सिंह संधु फुटबॉल को गोलपोस्ट में जाने से रोक नहीं सके; स्कोर 2-1
- पेनल्टी 5: भारत से महेश सिंह ने गोल दागा। टीम इंडिया को फिर 2 गोल की बढ़त; स्कोर 3-1
- पेनल्टी 6: लेबनान से मोहम्मद सादिक ने गोल दाग दिया; स्कोर 3-2
- पेनल्टी 7: भारत से उदांता सिंह ने चौथी पेनल्टी ली और स्कोर कर दिया; स्कोर 4-2
- पेनल्टी 8: लेबनान के खली बादेर ने शॉट लगाया, गोलकीपर गुरिंदर संधु ने बॉल जज की और बेहतरीन सेव कर लिया। स्कोर 4-2

लेबनान को इस महीने दूसरी बार हराया - भारतीय टीम ने लेबनान को इस महीने दूसरी बार हराया। टीम ने जून में इंटरकॉन्टिनेंटल कप के फाइनल में भी उन्हें हराया था।

9वें खिताब पर भारत की नजरें - टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा खिताब भारतीय टीम ने जीते हैं। टीम इंडिया 8 बार की चैंपियन है। कुवैत को हराते ही टीम इंडिया एसएएफएफ चैंपियनशिप में 9वां खिताब जीत लेगी।

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप से बाहर, कप्तान होप बोले-100प्रतिशत नहीं दिया: पूर्व कप्तान होल्डर ने कहा- बोर्ड में दिक्कतें, आज नहीं तो कल...ये होना ही था

नई दिल्ली । 48 साल में पहली बार वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप नहीं खेलेगा। स्कॉटलैंड के खिलाफ क्वालिफायर में हार के बाद कप्तान शाई होप ने कहा कि खिलाड़ियों ने हर बार अपना 100प्रतिशत नहीं दिया। उन्होंने कहा कि तैयारी भी अच्छी नहीं थी। टीम के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर ने कहा कि खिलाड़ियों को इलाकाई मानसिकता से बाहर निकलना होगा। अपने लिए नहीं, बल्कि टीम की तरह एकजुट होकर खेलना होगा। बोर्ड में दिक्कतें हैं। जो हुआ, वो आज नहीं तो कल, होना ही था। दरअसल, होल्डर का इशारा 6 एसोसिएशन से मिलकर बने वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड की ओर था। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी टीम से पहले अपने एसोसिएशन और इलाके के बारे में सोचते हैं। बता दें कि वेस्टइंडीज बोर्ड में बारबाडोस, गयाना, जमैका, लीवार्ड आईलैंड, त्रिनिदाद × टोबैगो और विंडवार्ड आईलैंड आते हैं। वेस्टइंडीज को स्कॉटलैंड ने शनिवार को खेले गए क्वालिफायर मुकाबले में 7 विकेट से हराया। वेस्टइंडीज ने 182 रन का आसान टारगेट दिया था। जिसे स्कॉटलैंड ने 43वें ओवर में ही हासिल कर लिया। कप्तान होप ने कहा- रातोंरात कोई टीम महान नहीं होती।

काउंटी क्रिकेट खेलने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी होंगे पृथ्वी शॉ , यूके की नॉर्थम्पटनशायर टीम का बनेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारत के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने और अगस्त में शुरू होने वाले रॉयल लंदन वन-डे कप का हिस्सा बनने के लिए नॉर्थम्पटनशायर के साथ अनुबंध कर लिया है। पृथ्वी शॉ दिलीप ट्रॉफी के अंत में नॉर्थम्पटनशायर से जुड़ने की उम्मीद है। गौरतलब हो कि भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने टीम के लिए 5 टेस्ट, 6 वनडे और एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेला है। 25 जुलाई 2021 को उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी टी20 मुकाबला खेला था। उसके बाद से पृथ्वी शॉ किसी भी प्रारूप के लिए नेशनल टीम में वापसी नहीं कर पाए हैं। यह शॉ का पहली बार यूके में घरेलू क्रिकेट खेलने का मौका होगा। वह चेतेश्वर पुजारा (ससेक्स), अजिंक्य रहाणे (लीसेस्टरशायर), अर्शदीप सिंह (केंट) और नवदीप सैनी (वॉस्टरशायर) के बाद 2022-23 सीजन का हिस्सा बनने वाले पांचवें भारतीय बन जाएंगे। पृथ्वी शॉ दिलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन की मजबूत टीम का हिस्सा हैं, जिसके 12 से 16 जुलाई के बीच होने वाले दिलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है।

रविचंद्रन अश्विन आक्रामक गेंदबाजी करें तब कुछ संभव हो: मांजरेकर

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2023 का शेड्यूल बीते दिनों जारी किया गया है। इस विश्व कप के लिए

भारतीय टीम प्रवल दावेदारों में से एक मानी जा रही है। इतना ही नहीं घर में होने वाले इस विश्व कप के लिए भारतीय क्रिकेटरों ने पूरी तरह कमर कस ली है। इस साल के अंत में होने वाले विश्व कप से पहले जहां युवा क्रिकेटर जबरदस्त प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं इसी बीच कई अनुभवी क्रिकेटरों की भी टीम में जगह सुरक्षित नहीं दिख रही हैं। इन्हीं अनुभवी क्रिकेटरों के बीच एक नाम रविचंद्रन अश्विन का भी है, जो लंबे समय से वनडे क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे हैं। अश्विन क्या भारतीय टीम में जगह बना पाएंगे, इस पर विशेषज्ञ अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। इस पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का भी मानना है कि अश्विन भारतीय टीम में जगह तभी बना पाएंगे, जब वह डिफेंसिब बॉलिंग की बजाय अपनी आक्रामक गेंदबाजी पर काम करते हैं, और उन्होंने कहा कि वह बाकी गेंदबाजों से पीछे नजर आ रहे हैं। मांजरेकर ने कहा कि अश्विन की भारतीय विश्व कप टीम में जगह के बारें में आश्वस्त नहीं दिखाई दिए। उन्होंने अश्विन के बारे में बात करते हुए कहा, अश्विन अगर भारतीय टीम को विकेट दिलाने के लिए गेंदबाजी करते हैं, तब ऐसा हो सकता है, लेकिन अश्विन को हमने वाइट बॉल क्रिकेट में गेंदबाजी करते हुए देखा है।

भारत के द्विपक्षीय मैच मोहाली-नागपुर में होंगे

जय शाह बोले- वर्ल्ड कप वेन्यू पर इस सीजन मैच नहीं ; दूसरों को मौका मिलेगा

नई दिल्ली ।
वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करने वाले मैदानों पर इस सीजन टीम इंडिया के द्विपक्षीय मैच नहीं होंगे। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने वर्ल्ड कप शेड्यूल अनाउंस होने से पहले स्टेट बोर्ड से मीटिंग की। जिन शहरों को वर्ल्ड कप मैच नहीं मिले, उन्हें आश्वासन दिया गया कि इस सीजन द्विपक्षीय सीरीज के मैच उन्हें ही मिलेंगे। मोहाली, नागपुर, विशाखापट्टनम और इंदौर जैसे कई शहरों को वर्ल्ड कप के मैच नहीं मिले। ऐसे में उम्मीद है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इन मैदानों पर मैच खेलेगी।

सभी वेन्यू ने शाह की रिक्वेस्ट मानी

जय शाह ने वर्ल्ड कप की मेजबानी करने वाले एसोसिएशन को लेटर लिखकर रिक्वेस्ट की। शाह ने उनसे भारत के घरेलू सीजन के मैच छोड़ने के लिए कहा। सभी वेन्यू ने उनकी रिक्वेस्ट मान ली, इनमें दिल्ली, धर्मशाला, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ शामिल हैं। हालांकि वर्ल्ड कप के वॉर्म अप मैच होस्ट करने वाले वेन्यू गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम को द्विपक्षीय मैचों की मेजबानी में प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी राज्यों को बराबर मौके मिलने चाहिए- शाह

जय शाह ने कहा, देश के सभी मैदानों पर वर्ल्ड कप मैच नहीं हो सकते। इसका सॉल्यूशन निकालने के लिए मैंने वर्ल्ड कप वेन्यू होस्ट करने वाले बोर्ड से रिक्वेस्ट की कि वह अपनी बारी के द्विपक्षीय मैच छोड़ दे। मुझे सभी को बताते हुए खुशी हो रही है सभी राज्यों ने रिक्वेस्ट मानी। अब होम सीजन में उन्हीं शहरों को मैच मिलेंगे, जिन्हें वर्ल्ड कप की मेजबानी नहीं मिली।

मोहाली-नागपुर में होंगे मैच

वर्ल्ड कप के लिए कई बड़े शहरों और मैदानों को छोड़ा गया। इनमें 1996 और 2011 का वर्ल्ड कप सेमीफाइनल होस्ट करने वाला मोहाली का आईएस बिंद्रा स्टेडियम टॉप पर रहा। नागपुर, इंदौर, रांची, राजकोट, रायपुर, कटक और विशाखापट्टनम को भी मैच नहीं मिले। टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले भारत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी। ऐसे में इन शहरों में ही ऑस्ट्रेलिया सीरीज के मैच कराए जाएंगे।

वर्ल्ड कप के बाद टीम इंडिया न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे खेलेगी। फिर 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट होंगे। साथ ही टीम बांग्लादेश के खिलाफ 2 और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 3 टेस्ट खेलेगी। जय शाह की रिक्वेस्ट के बाद इंदौर और रायपुर जैसे शहरों में भारत के अगले मैच हो सकते हैं।

9 वेन्यू में 5-5 मुकाबले, हैदराबाद में 3 मैच होंगे

वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो कर 19 नवंबर तक चलेगा। हैदराबाद को छोड़ बाकी 9 वेन्यू पर 5-5 मैच होंगे। हैदराबाद में 2 वॉर्म-अप मैच होंगे। 4-4 वॉर्म-अप मैच गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम में भी होंगे। 2 सेमीफाइनल मैच मुंबई और कोलकाता में होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

चेन्नई में ओपनिंग मुकाबला खेलेगी टीम इंडिया

वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच पिछली फाइनलिस्ट न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। टीम इंडिया अपना पहला मैच 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी। वर्ल्ड कप का सबसे चर्चित मैच भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा। पाकिस्तान अपना पहला मैच क्वालिफायर-1 टीम के खिलाफ हैदराबाद में 6 अक्टूबर को खेलेगा।

दीपक भोरिया और निशांत देव एशियाई खेलों की टीम में शामिल, अमित पंघाल नहीं बना पाए जगह

नई दिल्ली ।
विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज हरियाणा के हिसार के दीपक भोरिया (51 किग्रा) और हरियाणा के ही करनाल के निशांत देव (71 किग्रा) को शनिवार को चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों की भारतीय मुक्केबाजी टीम में शामिल किया गया है। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक होगा। एशियाई खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता का महत्व इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह मुक्केबाजों के लिए 2024 पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने का पहला क्वालिफायर टूर्नामेंट भी है। मौजूदा एशियाई खेलों के विजेता और 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता अमित पंघाल अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह एक बार फिर दीपक से पिछड़ गए और टीम में जगह नहीं बना पाए। दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता और 2019 के एशियाई चैंपियन पंघाल भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की नई चयन नीति के तहत इस साल की विश्व चैंपियनशिप में भी जगह बनाने के मामले में दीपक से पिछड़ गए थे। बीएफआई अपनी नई चयन नीति के तहत मुक्केबाजों का आकलन दो-तीन सप्ताह तक विभिन्न मापदंडों पर करता है। दीपक और निशांत ने मई में विश्व चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन किया था। दोनों को सेमीफाइनल के करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। पुरुषों में अनुभवी शिव थापा सुपर लाइटवेट वर्ग (63.5 किग्रा) में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्व युवा चैंपियन (2021) सचिन सिवाच विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन की अनुपस्थिति में 54 की जगह 57 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। हुसामुद्दीन मई में विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में लगी चोट से उबर रहे हैं। पूर्व एशियाई चैंपियन संजीत (92 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल भी टीम में जगह बनाने में सफल रहे।

पिछले साल विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता हरियाणा के रुरकी की परवीन हुड्डा (57 किग्रा), राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य विजेता जैस्मीन लंबोरिया (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी और प्रीति पवार को महिला टीम में जगह मिली है जिसमें ओलंपिक पदक विजेता निकहत जरीन (51 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) भी शामिल हैं।

अमेलिया और सोफी डिवाइन के शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने की वापसी, दूसरे वनडे में श्रीलंका को 116 रन से हराया

नई दिल्ली।
पहले वनडे में हार के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में दमदार वापसी की। अमेलिया केर और सोफी डिवाइन के शतकों की मदद से दूसरे वनडे में बदला लेते हुए श्रीलंका को 116 रनों से हराया। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। सीरीज का आखिरी वनडे मैच 3 जुलाई को खेला जाएगा।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने सुजी बेट्स का विकेट जल्दी खो दिया, लेकिन जब अमेलिया केर ने बर्नाडाइन बेजुइडेनहौट के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। दस ओवर के बाद 57 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आईं डिवाइन ने केर के साथ मिलकर श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। केर ने वनडे करियर का अपना दूसरा शतक सिर्फ 98 गेंद पर पूरा किया। वह 108 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, डिवाइन ने 137 रन की पारी खेली।

अमेलिया केर और सोफी डिवाइन ने जड़े शतक

केर और डिवाइन ने तीसरे विकेट के लिए 229 रन जोड़े, जो न्यूजीलैंड के लिए किसी भी विकेट के लिए तीसरा सबसे बड़ा और श्रीलंका में महिला वनडे में सर्वश्रेष्ठ है। दोनों के आउट होने के बाद न्यूजीलैंड ने अंतिम 34 गेंद में केवल 35 रन जोड़े और 7 विकेट पर 329 रन बनाए। ऑफ स्पिनर ओशादी रणसिंघे ने तीन और उदेशिका प्रबोधनी को दो विकेट मिले।

ली ताहुहु ने लिए चार विकेट

लक्ष्य का पीछा करने में श्रीलंका की चुनौती शुरुआत में ही समाप्त हो गई। न्यूजीलैंड की तेजगेंद ली ताहुहु ने श्रीलंका टॉप ऑर्डर की कमर तोड़कर रख दी। ताहुहु ने 8 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए। श्रीलंक की तरफ से ऑलराउंडर कविशा दिलहारी ने 84 रन की पारी खेली। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक जड़ा। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज न्यूजीलैंड की गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सका। पूरी टीम 48.4 ओवर में 213 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

स्टार्क ने कैच लिया, डाइव में जमीन से टकराई बॉल: अंपायर का डिसिजन- नॉटआउट; ग्लेन मैक्ग्राथ बोले- बकवास फैसला

लंदन।
द एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट में अंपायर के फैसले पर विवाद खड़ा हो गया। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने फाइन लेग पर दौड़ते हुए कैच पकड़ा, उनके हाथ में बॉल आई। फिर डाइव मारते वक्त गेंद का एक हिस्सा जमीन से टकराया और दूसरा हिस्सा स्टार्क के हाथ में था। फील्ड अंपायर ने थर्ड अंपायर के पास फैसला भेजा। थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा और नॉटआउट का फैसला दे दिया। ऑस्ट्रेलिया टीम के प्लेयर्स इस फैसले से गुस्साए नजर आए। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्राथ ने कॉमेंट्री करते हुए इस फैसले को बकवास करार दिया।

पवेलियन लौटने लगे थे बेन डकेट

मामला एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट में चौथे दिन का है। लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर दिन का खेल खत्म होने में 2 ही ओवर बाकी थे। इंग्लैंड से दूसरी पारी में बेन डकेट 50 रन बनाकर कप्तान बेन स्टोक्स के साथ बैटिंग कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज कैमरन ग्रीन ने 29वें ओवर की पांचवीं गेंद बाउंसर फेंकी। ग्रीन की बाउंसर पर डकेट ने अपर कट खेला,

लेकिन बॉल बैट के बॉटम पार्ट पर लगकर फाइन लेग की ओर चली गई। जहां फील्डिंग कर रहे स्टार्क तेजी से दौड़ते हुए आए और कैच पकड़ लिया। थर्ड अंपायर ने नो-बॉल चेक की और डकेट पवेलियन लौटने लगे।

फील्ड अंपायर ने बैटर को पवेलियन जाने से रोका

डकेट को पवेलियन लौटते देख फील्ड अंपायर ने उन्हें रोका और थर्ड अंपायर के फैसले का इंतजार करने को कहा। थर्ड अंपायर ने रिप्ले में देखा कि कैच पकड़ने के बाद स्टार्क का हाथ जमीन से टकराया। गेंद का एक हिस्सा पूरी तरह जमीन पर और दूसरा हिस्सा फील्डर के हाथ में था। थर्ड अंपायर ने अपने फैसला दिया और बैटर को नॉटआउट करार दिया। थर्ड अंपायर मरे इरासमस के फैसले से ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स निराश नजर आए। उनके कप्तान पैट कमिंस इस बारे में फील्ड अंपायर से बहस करते भी दिखे। लेकिन थर्ड अंपायर का फैसला कायम रहा और डकेट चौथे दिन का खेल खत्म होने तक नॉटआउट रहे। अगर वे आउट हो जाते तो इंग्लैंड का स्कोर 113 रन पर 5 विकेट हो जाता। क्रिकेट के रूल बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अंपायर के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने बताया, नियम 33.3 के अनुसार, कैच तभी क्लीन माना जाएगा जब गेंद पर फील्डर का पूरा कंट्रोल हो। उससे पहले गेंद जमीन से नहीं टकरानी चाहिए। स्टार्क ने जब कैच लिया तब वह डाइव कर रहे थे, यानी उनका गेंद पर पूरा कंट्रोल नहीं था। डाइव के दौरान गेंद जमीन से टकरा गई, यानी कैच क्लीन नहीं था। इसीलिए थर्ड अंपायर का फैसला सही है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्राथ इस फैसले के दौरान के लिए कॉमेंट्री कर रहे थे। उन्होंने कॉमेंट्री करते हुए फैसले को बकवास बताया। उन्होंने कहा, यह सबसे खराब डिसिजन है।

टेनिस का सबसे पुराना टूर्नामेंट विम्बलडन आज से

इस साल 465 करोड़ रुपए इनामी राशि, 1887 से ट्रॉफी नहीं बदली

नई दिल्ली।
टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विम्बलडन की शुरुआत कल से ऑल इंग्लैंड क्लब लंदन में हो रही है। 146 साल पुराने इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का यह 136वां संस्करण है। 2 विश्व युद्ध और 2020 में कोरोना महामारी के दौरान ही विम्बलडन का आयोजन ब्रेक हुआ है। इसे टेनिस के चार ग्रैंड स्लैम में सबसे प्रतिष्ठित भी कहा जाता है।

1968 से प्राइज मनी मिल रही - विम्बलडन में इस साल 2022 की तुलना में करीब 11प्रतिशत ज्यादा प्राइज मनी मिलेगी। दोनों सिंगल्स चैंपियन को करीब 24.49 करोड़ रुपए मिलेंगे। जबकि रनर-अप को 12.25 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी जाएगी। 2023 की प्रतियोगिता में करीब 465 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। पिछले साल पुरुष और महिला चैंपियन को करीब 20.85 करोड़ रुपए मिले थे। ओपन एरा (1968) से पहले विम्बलडन में प्राइज मनी नहीं दी जाती थी। 1968 में टेनिस प्रोफेशनल खेल बना। तब से अब तक के पीरियड को खेल में ओपन एरा कहा जाता है। 1968 में पुरुष चैंपियन को 2000 पाउंड और महिला सिंगल्स चैंपियन को 750 पाउंड दिए गए। 2007 तक महिला और पुरुष वर्ग को अलग-अलग प्राइज मनी मिलती थी। 2008 से ग्रैंड स्लैम में दोनों वर्गों को एक बराबर प्राइज मनी मिलने लगी। बॉल बॉय और बॉल गर्ल्स यहां के बॉल बॉय और गर्ल्स, इस चैंपियनशिप को खास बनाते हैं। इन्हें बीबीजी के नाम से जाना जाता है। 2005 से बीबीजी 6 के दल में काम करते हैं, जिनमें से 2 नेट पर रहते हैं, 4 कोनों में रहते हैं। इनका काम बॉल को उठाकर खिलाड़ी तक पहुंचाना होता है। चैंपियनशिप में बीबीजी 1920-30 के दशक में देखे गए थे। इन्हें स्कूल के

प्रिंसिपल के द्वारा नामित किया जाता है, हालांकि इन सभी को टेनिस के नियमों पर बेस्ड एक लिखित परीक्षा पास करनी होती है ।

खिलाड़ियों की ड्रेस टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों को पूरी तरह से सफेद कपड़े पहन कर ही टेनिस खेलने की परमिशन है। 2022 में विम्बलडन के दौरान इस पर प्रोटेस्ट भी हुए। प्रोटेस्टर्स का कहना था कि महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान सफेद कपड़ों में टेनिस खेलना चुनौतीपूर्ण रहता है। इसलिए व्हाइट ड्रेस कोड को हटाया जाए, लेकिन विम्बलडन अपने नियमों पर कायम रहा। इस बार भी खिलाड़ी व्हाइट ड्रेस में ही उतरेंगे। दर्शकों को स्ट्रॉबेरी-क्रीम वाइन सर्व की जाती है टूर्नामेंट में दर्शकों के स्ट्रॉबेरी और क्रीम के अलावा ब्रिटिश वाइन सर्व किए जाने की परंपरा है।

घास के कोर्ट पर आयोजन 1877 में विम्बलडन की शुरुआत घास के कोर्ट पर हुई थी। पिछले 146 साल से यह प्रतियोगिता घास के कोर्ट पर हो रही है। चार ग्रैंडस्लैम में यह इकलौता है, जो ग्रास कोर्ट पर खेला जाता है। ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन हार्ड कोर्ट पर, जबकि फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।

यह खेल घास पर ही क्यों- विम्बलडन के ऑर्गनाइजर्स के मुताबिक, टेनिस की शुरुआत ही घास के कोर्ट से हुई थी, इसलिए आज भी उस परंपरा को कायम रखते हुए घास पर ही गेम खेले जाते हैं। क्लब के पास 18 ग्रास कोर्ट मौजूद हैं। शाही परिवार का सम्मान पहले खिलाडी सेंटर कोर्ट में आते और कोर्ट छोड़ते समय रॉयल बॉक्स में बैठे शाही परिवार के सम्मान में सिर झुकाते थे। 2003 में ऑल इंग्लैंड क्लब के अध्यक्ष उनकी शाही महारानी ड्यूक ऑफ केंट ने इस परंपरा को बंद करने का फैसला लिया। अब खिलाड़ी तभी सिर झुकते हैं, जब वेल्स के राजकुमार या महारानी यहां उपस्थित हो। ऐसा 2010 में हुआ, जब 24 जून को विम्बलडन में महारानी खुद मौजूद थीं। खिलाड़ियों का संबोधन 2009 से पहले महिला खिलाड़ियों को स्कोरबोर्ड पर मिस या मिसेज से संबोधित किया जाता था। इसे फॉलो करते हुए विवाहित महिला खिलाडियों को उनके पति के नाम से संबोधित किया जाता है।

जानें क्या है मयूरासन और इसके लाभ

मयूरासन यानी मयूर की तरह किया जाने वाला आसन। योगा में यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है। इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है। मयूरासन के भी कई लाभ हैं। लेकिन सवाल ये उठता है कि मयूरासन कैसे किया जाए। मयूरासन के लाभ क्या हैं। मयूरासन करने की विधि क्या है। मयूरासन कब करना चाहिए। इत्यादि सवालों के जवाब जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि मयूर आसन क्या है।

मयूरासन करने की विधि

मयूरासन खुली हवादार जगह में करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और आगे की ओर झुके। आगे झुकते हुए दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर नाभि पर लगाकर जमीन पर सटा लें। इसके बाद अपना संतुलन बनाते हुए घुटनों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें। अब आपका शरीर पूरी सीध में है और सिर्फ आपके हाथ जमीन से सटे हुए हैं। इस आसन को करने के लिए शरीर का संतुलन बनाए रखना जरूरी है जो कि पहली बार में संभव नहीं। यदि आप रोजाना मयूर आसन का अभ्यास करेंगे तो आप निश्चित तौर पर आसानी से इसे कर पाएंगे।

मयूरासन के दौरान सावधानी

मयूरासन करते हुए बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है, इसीलिए आप जब भी मयूरासन करें तो किसी योग एक्सपर्ट की देखरेख में करें या फिर पहले इस आसन को करने की विधि को अच्छी तरह से जानें। तभी आप मयूर आसन को सही तरह से कर पाएंगे और इसका भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

मयूरासन के लाभ

- मयूरासन के कई लाभ है। आमतौर पर मयूरासन से गुर्दे, अग्नाश्य और आमाशय के साथ ही यकृत इत्यादि को बहुत लाभ होता है।
- चेहरे पर चमक लाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। मयूरासन करने से हाथ, पैर व कंधे की मांसपेशियों में मजबूती आती है। जिन लोगों को बहुत अधिक कब्ज रहती है उनके लिए मयूरासन से बढ़िया कोई उपाय नहीं। मधुमेह के रोगियों के लिए भी यह आसन लाभकारी है।
- यदि आपको आंखों संबंधी कोई समस्या है तो उसका निदान भी मयूरासन से किया जा सकता है।
- पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। यदि आपको पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस बनना, पेट में दर्द रहना, पेट साफ ना होना इत्यादि होता है तो आपको मयूरासन करना चाहिए।
- सामान्य रोगों के अलावा मयूर आसन से आंतों व अन्य अंगों को मजबूती मिलती है। मयूरासन से आमाशय और मूत्राशय के दोषों से मुक्ति मिलती है।

किसे नहीं करना चाहिए

- आमतौर पर मयूरासन उन लोगों को करने के लिए मना किया जाता है जो उच्चे रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं।
- टी.बी यानी तपेदिक के मरीजों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए।
- हृदय रोग या हार्ट की बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए। अल्सर और हर्निया रोग से पीड़ित लोगों को भी मयूरासन करने से बचना चाहिए।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां, लेकिन फिर भी कम निकले... आज युवाओं की कई ख्वाहिशें हैं। खासतौर पर युवा आजादी चाहता है। आज के दौर में युवाओं की सोच में क्रांति और आजादी की बातें उभरकर सामने आ रही हैं। आखिर देश का युवा किन बातों से आजादी चाहता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

हर ख्वाहिश पर दम निकले...

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सात महीने में तीसरी बार भारत की विजिट पर आए हैं। वे सोमवार को दिल्ली में माइक्रोसॉफ्ट के इवेंट में ऐड्रेस करने पहुंचे। गालिब के शेर से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया को देखने का नजरिया बदल लेते हैं, तो आप दुनिया को भी बदल पाते हैं। एक वाकये का जिक्र करते हुए सत्या ने गालिब का शेर पढ़ा-**हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां मगर फिर भी कम निकले।** उनके इस अंदाज पर काफी देर तक हाल तालियों से गूंजता रहा। उन्होंने गालिब का यह शेर जिस भी संदर्भ में सुनाया हो लेकिन यह शेर आज के दौर में देश के युवाओं के लिए कुछ खास है। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी बसती है। इस देश में करीब 30.56 करोड़ युवा बसते तो हैं लेकिन शायद बहुत कम युवाओं की ख्वाहिशें पूरी हो पाती हैं। यहां हम युवाओं की व्यक्तिगत ख्वाहिशों की बात नहीं कर रहे। यहां युवाओं की समग्र ख्वाहिशें हैं। आज देश का युवा आजादी चाहता है। यही उसकी ख्वाहिश है। आइए देखते हैं किन मुद्दों से भारतीय युवा को आजादी चाहिए...

जबरन करियर से आजादी

देश के ज्यादातर युवा इस मुश्किल से जूझ रहे हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचते ही उन पर करियर को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी जाती है और आखिर में उन पर जबरन कुछ भी थोप दिया जाता है। ज्यादातर मां-बाप बच्चे की ख्वाहिश पूछे बिना ही उसे इंजीनियर या डॉक्टर बनने के लिए मजबूर करते हैं।

ऑनर किलिंग से आजादी

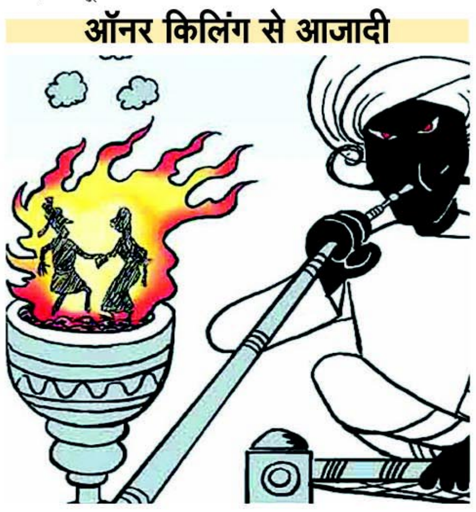

देश के कई हिस्सों में खाप जैसी पंचायतों के तुगलकी फरमान युवाओं की इच्छा के आड़े आते हैं। खास तौर पर हरियाणा में खाप का असर ज्यादा है। जहां जरा सी बात पर लोग आत्म सम्मान के नाम पर युवक-युवतियों को मार देते हैं। कई मामलों में लड़के लड़की दोनों की हत्या कर दी कई। समलैंगिकता, प्रेम विवाह, अपनी मर्जी से लड़का या लड़की चुनना ये सारी बातें खाप के नियमों के खिलाफ मानी जाती हैं, जिनसे मुक्ति जरूरी है। यही नहीं, पुलिस भी ऐसे कामों में तुगलकी फरमान सुनाती है।

लिंग भेद से आजादी

लिंग भेद से आजादी ऐसी आजादी है जिसके लिए हर लड़की जन्म लेने के साथ ही लड़ना शुरू कर देती है। घर में ज्यादा तवज्जो न मिलने से लेकर अपनी मर्जी के कपड़े न पहन पाने तक, लड़कियों को कई सारी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। यहां तक कि शादी करने में भी उनकी पसंद का ख्याल नहीं रखा जाता।

अपने नजरिये की आजादी

लोकतंत्र में रहने के चलते हर किसी को अपना नजरिया रखने की आजादी होनी चाहिए लेकिन भारत ऐसा देश है जहां अपनी बात रखना आपके लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया ने इस वॉर को और बढ़ाया है। भीड़ से अलग हटकर अगर आप अपना नजरिया पेश करते हैं तो किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसके समर्थकों के शिकार बन जाते हैं।

सुरक्षा की चिंता से आजादी

हर मां-बाप अपने बच्चे को सुरक्षित देखना चाहते हैं लेकिन वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि घर की चारदीवारी में कैद करके बच्चों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। खासकर लड़कियों के मामले में परिजन ज्यादा सख्त होते हैं। उनके घर से निकलने और घर लौटने के समय को लेकर वो ज्यादा चिंतित होते हैं क्योंकि उन्हें उत्पीड़न, अपहरण या हत्या जैसी वारदातों का डर सताता रहता है।

इस्तेमाल होने से आजादी

हर युवा अपने उज्ज्वल जीवन की ख्वाहिश रखता है। युवा जब देखता है कि केवल योग्यता और ईमानदारी से कार्य संभव नहीं, तो कुंठाग्रस्त होकर गलत रास्तों पर चल पड़ता है। निश्चित तौर पर ऐसे में ही समाज के दुश्मन उनकी भावनाओं को भड़काकर व्यवस्था के विरूद्ध विद्रोह के लिए प्रेरित करते हैं, फलतः अपराध और आतंकवाद का जन्म होता है। युवाओं को मताधिकार तो दे दिया गया है पर उच्च पदों पर पहुंचने और निर्णय लेने के उनके स्वप्न को दमित करके उनका इस्तेमाल नेताओं द्वारा सिर्फ अपने स्वार्थ में किया जा रहा है।

सब्ज-बाग से आजादी

आज का युवा संक्रमण काल से गुजर रहा है। वह अपने बलबूते आगे तो बढ़ना चाहता है, पर परिस्थितियां और समाज उसका साथ नहीं देते। चाहे वह राजनीति हो, फिल्म व मीडिया जगत हो, शिक्षा हो, उच्च नेतृत्व हो- हर किसी ने उसे सुखद जीवन के सब्ज-बाग दिखाए और फिर उसको भंवर में छोड़ दिया। ऐसे में पीढ़ियों के बीच जनरेशन गैप भी बढ़ा है। समाज की कथनी-करनी में भी जमीन आसमान का अंतर है। एक तरफ वह सभी को डिग्रीधारी देखना चाहता है, पर उन सभी हेतु रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाता। नतीजन- निर्धनता, महंगाई, भ्रष्टाचार इन सभी की मार सबसे पहले युवाओं पर पड़ती है। इसी प्रकार व्यावहारिक जगत में आरक्षण, भ्रष्टाचार, स्वार्थ, भाई-भतीजावाद और कुर्सी की लालसा जैसी चीजों ने युवा हृदय को झकझोर दिया है।

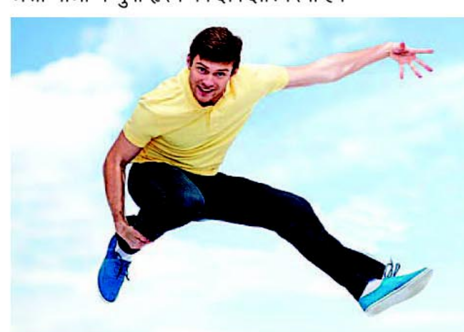

दोहरेपन से आजादी

इसमें कोई शक नहीं कि युवा वर्ग ही भावी राष्ट्र की आधारशिला रखता है, पर दु:ख तब होता है जब समाज युवाओं में भटकाव हेतु युवाओं को ही दोषी ठहराता है। क्या समाज की युवाओं के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं? जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति जब सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का सरेआम क्षरण करते नजर आते हैं, तो फिर युवाओं को ही दोष क्यों? एक व्यक्ति द्वारा अटपटे बयान देकर या किसी युवती द्वारा अर्धनग्न पोज देकर जो नाम हासिल किया जा सकता है, वह दूर किसी गांव में समाज सेवा कर रहे युवा को तभी मिलता है जब उसे किसी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जाता है। आखिर ये दोहरापन क्यों?

दोषारोपण से आजादी

युवा व्यवहार मूलतः एक शैक्षणिक, सामाजिक, संरचनात्मक और मूल्यपरक समस्या है जिसके लिए राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सभी कारक जिम्मेदार हैं। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों को भी जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए, सिफ4 युवाओं को दोष देने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि सवाल सिर्फ युवा शक्ति के भटकाव का नहीं है, वरन अपनी संस्कृति, सभ्यता, मूल्यों, कला एवम् ज्ञान की परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का भी है। युवाओं को भी ध्यान देना होगा कि कहीं उनका उपयोग सिर्फ मोहरों के रूप में न किया जाय।

आधा घंटा बंद रखें स्मार्टफोन...

आज के दौर में स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गया है। सभी युवाओं के पास स्मार्टफोन मौजूद हैं। इसके कई फायदे भी हैं। स्मार्टफोन से न सिर्फ हमें जरूरी जानकारियां मिल जाती हैं, बल्कि यह मित्रों को भी हमारे साथ जोड़े रखने का काम करता है। स्मार्ट फोन की कई खूबियों के बारे में तो हम जानते भी नहीं हैं। वहीं इस स्मार्ट फोन के कुछ नुकसान भी हैं। स्मार्टफोन के जानकारों का कहना है कि अगर स्मार्ट फोन को दिन में आधे घंटे भी बंद रखा जाए तो इससे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं फायदों के बारे में बता रहे हैं।

दिमाग को मिलेगा रेस्ट

दिमाग असल में कई कामों को करने में व्यस्त रहता है। इन कामों को करने में वह तेजी से थकता है। ऐसे में आप अपना स्मार्ट फोन करीब आधा घंटा बंद रख सकते हैं। इससे आपके दिमाग को भी रेस्ट मिलेगा और वह भी तेजी से काम कर सकेगा।

ओवरहीटिंग से बचेगा

कई बार हमारा स्मार्ट फोन ओवरहीट हो जाता है। इसके हीट होने के वैसे तो और भी कई कारण हो सकते हैं। आपका फोन जब भी ओवरहीट हो जाए ऐसी स्थिति में आपको इसे कुछ देर के लिए बंद कर देना चाहिए। यही आपके पास पहला विकल्प है। इसके बाद इसकी समस्या को कहीं पर दिखा लीजिए।

समाधान जल्दी

हर समय फोन से चिपके रहने से दिमाग कई तरह की समस्या का समाधान सही तरीके से नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में फोन से थोड़े समय की दूरी बनाना आपके लिए हर समस्या का हल ढूंढने के लिए बेहतर हो सकता है। ब्रेन को आराम मिलने से यह सही ढंग से काम करने के काबिल हो जाता है।

काम में लगता है मन

एक रिसर्च में पाया गया है कि करीब 61 प्रतिशत लोग हर समय नोटिफिकेशन देखते रहते हैं। नोटिफिकेशन न आने की स्थिति में भी लोगों को लगता है कि कोई नोटिफिकेशन आया है। ऐसे में वह व्यक्ति अपने काम पर फोकस नहीं कर पाता। स्मार्ट फोन को बंद करने से काम पर फोकस हो पाता है और वह अच्छी तरह से किया जाता है।

रीबूट करने का फायदा

स्मार्टफोन कई बार हैंग होने लगता है। कई सारी ऐप्स बैकग्राउंड पर चलने से और मैमोरी ज्यादा यूज होने के कारण फोन हैंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में आप अपना फोन रीबूट कर सकते हैं। रीबूट करने से फोन दोबारा से सही चलने लगता है।

दाढ़ी मूंछ के भी हैं ढेरों फायदे

आप विश्वास नहीं करेंगे लेकिन वैज्ञानिक तक मान चुके हैं कि दाढ़ी रखने से त्वचा का कैंसर नहीं होता। दरअसल सूर्य की अल्ट्रावाइलेट किरणें स्किन कैंसर का कारण बनती है। शोध के मुताबिक लोग दाढ़ी रखते हैं वे 90 फीसदी तक यूवी किरणों से अपने आपको बचाने में कामयाब रहते हैं। है ना स्किन कैंसर से बचने का बढ़िया उपाय। क्लीन शेव लोगों की तुलना में दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोगों को अस्थमा और एलर्जी की शिकायत कम होती है। दरअसल प्रदूषित होते वातावरण में दाढ़ी मूंछ धूल और प्रदूषण को सीधे चेहरे और मुंह के संपर्क में नहीं आने देती। दाढ़ी और मूंछ के बाल छलनी की तरह काम करके प्रदुषित कणों को रोक लेते हैं। ये ठीक वही काम करती है जो आंखों के लिए पलक और नाक के बाल करते हैं। दाढ़ी मूंछ रखने वालों की स्किन आमतौर पर ड्राई नहीं मिलेगी। दरअसल दाढ़ी मूंछ होने से चेहरे पर रोजमर्रा की फेसक्रीम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। दाढ़ी मूंछ चेहरे को जवान बनाए रखते हैं क्योंकि इससे त्वचा पर नमी बनी रहती है। दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोग चेहरे से आमतौर पर जवान दिखते हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी मूंछ उनके चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों को छिपा लेती हैं। रोज रोज शेव करने से स्किन कटने फटने का डर रहता है और त्वचा पर संक्रमण का भी खतरा रहता है लेकिन दाढ़ी मूंछ रखने से ये झंझट और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता।

ऑनलाइन रहना क्यों पसंद...?

इंटरनेट के माध्यम से अब दुनिया के किसी भी भाग से आसनी से संपर्क बनाया जा सकता है। लोग अब घर बैठे ही दुनियाभर में अपने दोस्त बनाने लगे हैं, और ऑनलाइन रहकर ही प्यार ,डेंटिंग, और शादी के लिए जोड़े भी खोजे जाने लगे हैं। ऑनलाइन दोस्ती के बहुत से नुकसान भी होते हैं, जैसे आप जिससे दोस्ती कर रहें हैं वह वास्तव में अपने बारे में सारी बातें सच बता रहा है, या आपको धोखा देने के मकसद से झूठी बातें बता रहा है। आप उसे सामने से नहीं देख सकते इसलिए आप उसकी वास्तविकता भी नही जान सकते हैं। ऑनलाइन चैटिंग से होने वाले इन नुकसानों के बावजूद क्यों हम इसका इस्तेमाल करना जारी रखते हैं?

गुप्त नाम का फायदा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है नाम को गुप्त रखने की आजादी। आप किसी भी नाम और किसी भी फोटो के साथ अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, कम्प्यूटर यह नहीं समझ पायेगा कि, आप झूठ बोल रहे हैं। आप किसी से या हर किसी से बात कर सकते हैं, और आपके वास्तविक जीवन की बुराई या कमियां जैसे, आपकी क्या हैसियत है ,और आप की योग्यता आदि कुछ भी हो, कोई फर्क नही पड़ता।

दुनियाभर में पहुंच

बहुत से देशों में जहां लड़के लड़कियां आपस में मिल कर बात नहीं कर सकते, उन स्थानों में लोग बातें करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं, इस तरह से किसी एक देश में बैठा युवा दूसरे देश में अपने लिए दोस्त या जीवनसाथी की तलाश करके बातें कर सकता है।

सुविधाजनक

यूं तो यदि आपको किसी से मिलना है तो आपको अच्छे से तैयार होने की जरूरत होती है,और फिर किसी अच्छी जगह की तलाश करनी होती है आदि। लेकिन आपको ऑनलाइन चैटिंग के लिए सिर्फ एक इंटरनेट पैक और अच्छे ब्राउजर के अलावा ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इसलिए लोग इन सब की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक- ऑनलाइन चैटिंग को वरीयता देते हैं।

बटन से कंट्रोल

हम ऑनलाइन कैसे दिखाई देते हैं इसका नियंत्रण हम सिर्फ एक बटन क्लिक कर के कर सकते हैं। सेल्फी कैमरे के साथ स्मार्टफोन और लाखों फिल्टर से हम अपनी एक नकली इमेज आसानी से बना सकते हैं। कई बार तो लोगों को अपनी यह इमेज अपनी असली इमेज से ज्यादा पसंद आने लगती है, और इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन गपशप और बातचीत में चिपके रहते हैं। हम क्या कहते हैं, और किससे कहते हैं, इसका नियंत्रण भी खुद कर सकते हैं। इसके साथ यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग की इच्छा को भी बढ़ाता है।

साथियों का दबाव

जब ऑनलाइन प्लेटफार्म की शुरूआत हुई तो इसके फायदे तभी पता चले होंगे जब किसी ने पहली बार इसका उपयोग किया होगा। पहले तो हमें इसपर बात करने की आदत नहीं पड़ी थी। फिर इसका चलन बढ़ने के साथ साथियों का दबाव भी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने के लिए महसूस किया जाने लगा, और ये भी एक बड़ा कारण था कि युवा एक दूसरे को ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते देख इसकी ओर आकर्षित होने लगे। अपनी उपलब्धियों और कहानियों को एक दूसरे से शेयर करने लगे। इस प्रकार एक यह ऐसा चक्र बन गया जो कभी कभी बहुत ज्यादा दोषपूर्ण बन जाता है। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अधिक उपयोग से हम बिना किसी अनुशासन और नियंत्रण के चैटिंग करते हैं। जिससे हम असभ्य और अविवेकी बन सकते हैं। कई बार तो लोग किसी बहकावे में आकर उनका शिकार भी बन जाते हैं। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग करते समय हमें अधिक सतर्कता और संयम की आवश्यकता है।

मशहूर ब्रांड नेम्स की कहानी...

जहां तक ब्रांड की बात है ब्रांड और कुछ नहीं होता है सिर्फ कंपनी की अपनी एक पहचान होती है। कुछ ब्रांड ऐसे भी हैं जो की कई कंपनियों के उत्पादों की पहचान बन गए हैं। क्या कभी आपने सोचा है की किसी भी ब्रांड का नाम आखिर कैसे बनाया जाता है और आज के मशहूर ब्रांड्स के नाम किस प्रकार से बनें हैं। नाईक एक मशहूर ब्रांड है। इसका नाम एक ग्रीक देवी के नाम पर पड़ा है जो की विजय की देवी मानी जाती हैं और इस ब्रांड का चिन्ह उनकी उड़ान का प्रतीक है। बात कोको कोला की करें तो पता चलता है कि असल में इस पेय पदार्थ की मुख्य सामग्री कोला बेरिज और कोको की पत्तियां है इसलिए ही इसको कोको कोला नाम दिया गया है। ऐसे ही पेप्सी नाम एक पाचक एंजाइम पेप्सिन से लिया गया है, हालांकि यह पेप्सी में नहीं होता है। एडिडास ब्रांड का नाम इसके मालिक और निर्माता अडोल्फ डैस्सलर के नाम पर रख गया है असल में अडोल्फ का उपनाम एडि था। अमेजन ब्रांड के मालिक सीईओ जैफ बेजोस अपनी इस कंपनी का नाम ए शब्द से शुरू होने वाला ही रखना चाहते थे और वो चाहते थे की उनकी कंपनी में दुनिया का हर सामान बिके इसलिए उन्होंने इसका नाम चुनने के लिए उन्होंने सबसे बड़ी नदी का नाम चुना। सोनी ब्रांड का नाम लैटिन शब्द 'सोनस' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है आवाज। वोडाफोन का मतलब आसान शब्दों में हैं वॉइस डाटा टेलीफोन है। नीविया ब्रांड नेम लैटिन शब्द 'निवेअस' से बना है जिसका अर्थ होता है बर्फ जैसा सफेद।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)